RNI NO.: 54818-92 REG. NO-MH/MR/North East/317/2014-16

मुंबई, पुणे और नाशिक से एक साथ प्रकाशित

हमारा महानगर

https://www.hamaramahanagar.net | वर्ष 34 ■ अंक 15 ■ मुंबई, रविवार 10 अगस्त 2025 ■ पेज 10 ■ मूल्य : ₹ 5.00 | संरक्षक : आरएन सिंह

राजनीतिक मुहिम का हिस्सा भूमि पूजन
पेज-4

सीएम युवा उद्यमी अभियान बना युवाओं की पहली पसंद
पेज-6

...तो रोहित शर्मा ही होंगे 2027 वर्ल्ड कप में टीम इंडिया के कप्तान?
पेज-9

धड़क-2 ने तोड़ा कई फिल्मों का रिकॉर्ड
पेज-10

'दो लोग 160 सीटों पर जीत की गारंटी दे रहे थे'

पवार का बम...सियासी विस्फोट

महानगर संवाददाता
मुंबई

एनसीपी (एसपी) प्रमुख शरद पवार ने महाराष्ट्र में हुए विधानसभा चुनाव को लेकर शनिवार को बड़ा सियासी बम फोड़ा। उन्होंने कहा कि 2024 के महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव से पहले दो व्यक्तियों ने नई दिल्ली में उनसे मुलाकात की थी। उन्होंने 288 सीटों में से 160 निर्वाचन क्षेत्रों में विपक्ष की जीत की गारंटी दी थी। नागपुर में पवार ने कहा कि उन्होंने दोनों व्यक्तियों को विपक्ष के नेता राहुल गांधी से मिलवाया। उन्होंने उन दोनों व्यक्तियों ने जो कुछ भी कहा, उसे नजरअंदाज कर दिया। उनका यह भी मानना था कि हमें ऐसे मामलों में नहीं पड़ना चाहिए और सीधे जनता के पास जाना चाहिए।' शरद पवार ने वोट चोरी के दावों को लेकर जांच की मांग की है। उन्होंने कहा कि वोट चोरी पर कांग्रेस नेता राहुल गांधी की प्रस्तुति अच्छी तरह से शोध और दस्तावेजों पर आधारित थी। इस मामले की जांच करना निर्वाचन आयोग का काम है। शरद पवार ने यह खुलासा ऐसे समय में किया है, जब राहुल ने भाजपा और निर्वाचन आयोग पर वोट चोरी का आरोप लगाया है। पवार के 'टाइमिंग' बम से सियासी विस्फोट हो गया है, जबकि सीएम देवेंद्र फडणवीस ने तंज कसते हुए कहा कि शायद शरद पवार साहब की हालत भी राहुल गांधी जैसी हो गयी है।

सीएम फडणवीस का तंज

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि यह राहुल गांधी से मुलाकात का नतीजा लगता है। उन्होंने शरद पवार का नाम लेकर कुछ सवाल भी उठाए। फडणवीस ने कहा कि शरद पवार साहब को ये बात राहुल गांधी से मिलने के बाद ही क्यों याद आई? इतने दिनों से कुछ नहीं बोला और अचानक बोल पड़े? क्या पवार साहब की हालत भी राहुल गांधी जैसी नहीं हो गई है जो सलीम-जावेद जैसी मनगढ़ंत कहानियां गढ़ते हैं? फडणवीस ने कहा कि राहुल गांधी एक समय ईवीएम पर बात कर रहे थे, लेकिन शरद पवार इस बारे में बात नहीं कर रहे थे। पवार साहब कई बार साफ तौर पर कह चुके हैं कि ईवीएम को दोष देना ठीक नहीं है। अब अचानक पवार साहब ने ऐसा बोल दिया है। उन्होंने तंज भी कसा है कि ये राहुल गांधी की मुलाकात का नतीजा है। उन्होंने कहा कि चाहे कितना भी भ्रम पैदा किया जाए, भारत में जिस तरह से स्वतंत्र चुनाव होते हैं, वैसे कहीं और नहीं होते। यह सभी जानते हैं। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि ये सभी लोग सार्वजनिक रूप से बोलते हैं, लेकिन जब चुनाव आयोग बुलाता है, तो कोई नहीं जाता।

शेष पेज 7 पर

334 सियासी दलों का रजिस्ट्रेशन रद्द

नई दिल्ली। भारत के चुनाव आयोग ने निर्वाचन प्रणाली की सफाई की बात करते हुए 334 राजनीतिक दलों का रजिस्ट्रेशन रद्द कर दिया है। देश में सिर्फ 6 राष्ट्रीय दल हैं। इसके अलावा क्षेत्रीय पार्टियों की संख्या घटकर 67 रह गई है। भारत में राजनीतिक दलों का रजिस्ट्रेशन, जन प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 29A के प्रावधानों के तहत निर्वाचन आयोग (ECI) में किया जाता है। राजनीतिक दलों के रजिस्ट्रेशन के लिए जारी दिशानिर्देशों में यह प्रावधान है कि यदि कोई दल लगातार 6 वर्षों तक चुनाव नहीं लड़ता है तो उसे पंजीकृत दलों की सूची से हटा दिया जाएगा। इसके अतिरिक्त, जन प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 29A के तहत दल को रजिस्ट्रेशन के समय अपना नाम, पता, पदाधिकारियों के नाम आदि का विवरण देना होता है। इनमें किसी भी प्रकार का परिवर्तन होने पर उसे बिना विलंब निर्वाचन आयोग को सूचित करना अनिवार्य है। इससे पहले, जून 2025 में निर्वाचन आयोग ने राज्यों एवं केंद्रशासित प्रदेशों के मुख्य निर्वाचन अधिकारियों (CEOs) को 345 दलों की जांच करने का निर्देश दिया था। मुख्य निर्वाचन अधिकारियों ने इसकी जांच की, इन दलों को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया। प्रत्येक दल को व्यक्तिगत सुनवाई के माध्यम से अपना पक्ष रखने का अवसर प्रदान किया गया, लेकिन किसी ने कुछ नहीं किया।

शनिवार को पूरे देश में रक्षाबंधन पर्व मनाया गया। प्रधानमंत्री मोदी ने भी दिल्ली में प्रधानमंत्री आवास 7 लोक कल्याण मार्ग पर रक्षाबंधन मनाया। इस दौरान पीएम मोदी को ब्रह्माकुमारी दीदी ने राखी बांधी। इसके अलावा छोटी-छोटी बच्चियों ने भी पीएम मोदी को राखी बांधी। नन्हीं कलाइयों से बंधी राखियों में देशभक्ति की खुशबू थी। एक बच्ची ने पीएम को 'मातृभूमि का चंदन' कहा, तो दूसरी ने 'ऑपरेशन सिंदूर' पर गर्व जताया। पीएम ने भी बच्चों को चेताया,'भारत का भविष्य तुम्हारे हाथ में है, इसे कमजोर मत होने देना।' स्कूल यूनिफॉर्म में छात्राओं के साथ पीएम मोदी ने दिल छू लेने वाली तस्वीरें खिंचवाईं।

Short News एक नजर

आर्मेनिया-अजरबैजान की 37 साल पुरानी जंग खत्म

वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने आर्मेनिया और अजरबैजान के बीच 37 साल पुरानी जंग को खत्म कराने के लिए समझौता करा दिया है। अजरबैजान के राष्ट्रपति इल्हाम अलीयेव और आर्मेनियाई प्रधानमंत्री निकोल ने शुक्रवार को ट्रम्प की मौजूदगी में शांति समझौते पर हस्ताक्षर किए। दोनों देशों में विवादित इलाके के लिए एक ट्रांजिट कॉरिडोर बनाने पर सहमति बनी है।

छड़ी मुबारक अमरनाथ गुफा पहुंची, यात्रा का समापन

नई दिल्ली। अमरनाथ यात्रा का समापन शनिवार को छड़ी मुबारक के पवित्र गुफा मंदिर पहुंचने के साथ हुआ। पारंपरिक तरीके से महंत दीपेंद्र गिरि की अगुआई में सैकड़ों साधुओं के साथ विशेष पूजा की गई, इसके बाद भक्तों को साल के अंतिम दर्शन कराए गए। अमरनाथ यात्रा 3 जुलाई से शुरू हुई थी और भारी बारिश के कारण रास्ते खराब होने की वजह से 3 अगस्त से ही रोक दी गई थी। इस साल 4.10 लाख श्रद्धालु अमरनाथ गुफा में दर्शन किए, जबकि पिछले साल 5.10 लाख से ज्यादा श्रद्धालु पहुंचे थे।

'एक हादसे से एयर इंडिया को इस तरह बदनाम न करें'

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने एयर इंडिया की सुरक्षा और रखरखाव मानकों की स्वतंत्र जांच की मांग वाली जनहित याचिका को खारिज कर दिया। याचिका में सुप्रीम कोर्ट के एक सेवानिवृत्त जज की अध्यक्षता में कमेटी बनाने और आईसीएओ से मान्यता प्राप्त अंतरराष्ट्रीय एजेंसी से एअर इंडिया के बेड़े का ऑडिट कराने की मांग की गई थी। यह याचिका जून में अहमदाबाद से लंदन जा रही एयर इंडिया फ्लाइट एआई-171 के क्रैश के बाद दाखिल की गई थी, जिसमें 241 यात्रियों में से केवल एक की जान बची थी। सुनवाई के दौरान कोर्ट ने याचिकाकर्ता से पूछा, 'सिर्फ एयर इंडिया ही क्यों? अन्य एयरलाइनों की सुरक्षा का क्या?' कोर्ट ने कहा कि एक दुखद हादसे के आधार पर किसी एक एयरलाइन को निशाना बनाना उचित नहीं है और यह न लगे कि आप किसी निजी एयरलाइन के हित में हैं।

युद्ध समाप्त होने की उम्मीद

भारत ने अमेरिका-रूस वार्ता का किया समर्थन

महानगर नेटवर्क
नई दिल्ली

भारत ने अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के बीच 15 अगस्त को अलास्का में होने वाली प्रस्तावित शिखर वार्ता का स्वागत किया है। इस बैठक को यूक्रेन में जारी युद्ध के अंत और शांति की दिशा में एक महत्वपूर्ण अवसर माना जा रहा है। विदेश मंत्रालय (MEA) ने शनिवार को जारी आधिकारिक बयान में कहा, "भारत अमेरिका और रूस के बीच 15 अगस्त को अलास्का में होने वाली बैठक का स्वागत करता है। यह बैठक यूक्रेन में चल रहे संघर्ष को समाप्त करने और शांति की संभावनाओं को खोलने का वादा करती है।"

बयान में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के उस संदेश को भी दोहराया गया जिसमें उन्होंने कहा था कि "यह युद्ध का युग नहीं है।" मंत्रालय ने कहा कि भारत इस कूटनीतिक प्रयास का पूर्ण समर्थन करता है और शांति पहल में योगदान देने के लिए तैयार है। विदेश मंत्रालय के अनुसार, "जैसा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कई अवसरों पर कहा है- 'यह युद्ध का युग नहीं है।' भारत इस आगामी शिखर बैठक का समर्थन करता है और इन प्रयासों को सहयोग देने के लिए तत्पर है।" बता दें इस बैठक की घोषणा होने से एक दिन पहले ही रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से फोन पर बात की और व्यापार, अर्थव्यवस्था और निवेश में सहयोग समेत प्रमुख द्विपक्षीय मुद्दों पर विचारों का आदान-प्रदान किया।

एयरफोर्स चीफ बोले-ऑपरेशन सिंदूर में पाकिस्तान के पांच जेट गिराए

सर्विलांस एयरक्राफ्ट को भी तबाह किया

S-400 एयर डिफेंस सिस्टम गेम चेंजर रहे

महानगर नेटवर्क
बेंगलुरु

एयर फोर्स चीफ एपी सिंह ने शनिवार को कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान के 5 लड़ाकू विमान गिराए गए थे। इसके अलावा एक सर्विलांस एयरक्राफ्ट को लगभग 300 किलोमीटर की दूरी से मार गिराया। यह सतह से हवा में टारगेट हिटिंग का अभी तक का रिकॉर्ड है। एपी सिंह बेंगलुरु के HAL मैनेजमेंट अकादमी ऑडिटोरियम में एयर चीफ मार्शल एलएम कात्रे मेमोरियल लेक्चर के 16वें सीजन को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान हमारे एयर डिफेंस सिस्टम ने शानदार काम किया, पाकिस्तान हमारा एयर डिफेंस सिस्टम नहीं भेद पाया। उन्होंने कहा,'हाल ही में खरीदे गए S-400 सिस्टम गेम-चेंजर रहे हैं। पाकिस्तान लंबी दूरी के ग्लाइड बम होने के बाद भी इनका इस्तेमाल नहीं कर पाया।' एयर फोर्स चीफ ने आगे कहा कि पाकिस्तान के बहावलपुर में हमले के पहले और बाद की तस्वीरें सबके सामने हैं। वहां कुछ नहीं बचा था। ये तस्वीरें न सिर्फ सैटेलाइट से ली गईं, बल्कि लोकल मीडिया ने भी तबाह हुई बिल्डिंग की अंदर की तस्वीरें दिखाईं थीं।

एयरफोर्स चीफ की स्पीच की प्रमुख बातें

सेना को खुली छूट दी गई थी: सफलता का एक प्रमुख कारण राजनीतिक इच्छाशक्ति का होना था। हमें बहुत स्पष्ट निर्देश दिए गए थे। हमें खुली छूट थी। हमने तय किया कि कितना आगे बढ़ना है। हमें योजना बनाने और उसे लागू करने की पूरी आजादी थी। तीनों सेनाओं के बीच कोऑर्डिनेशन था। CDS के पद ने वास्तव में अंतर पैदा किया। वह हमें एकसाथ लाने के लिए मौजूद थे।

90 घंटे की जंग में PAK पीछे हटा: यह एक उच्च तकनीक वाला युद्ध था। 80 से 90 घंटे के युद्ध में हम इतना नुकसान कर पाए कि उन्हें (पाकिस्तान) साफ पता चल गया था कि अगर वे इसे जारी रखेंगे तो उन्हें इसकी और भी अधिक कीमत चुकानी पड़ेगी इसलिए वे आगे आए और हमारे DGMO को संदेश भेजा कि वे बात करना चाहते हैं। हमारी ओर से इसे स्वीकार कर लिया गया।

बालाकोट के भूत से छुटकारा पाया: 2019 में जब बालाकोट में हमने एयर स्ट्राइक की तो उसके सबूत नहीं जुटा पाए। लोगों ने सवाल उठाए कि हमने क्या किया या क्या नहीं किया। इसलिए मुझे बहुत खुशी है कि इस बार हम बालाकोट के उस भूत से निपटने में सक्षम थे और हम दुनिया को यह बताने में सक्षम थे कि हमने क्या हासिल किया है।

करीबियों ने कहा-और मारना चाहिए था: इस युद्ध में लोग अपने अहंकार पर उतर आए। एक बार जब हमने अपना लक्ष्य हासिल कर लिया, तो हमें इसे रोकने के सभी अवसर तलाशने चाहिए थे। मेरे कुछ करीबी लोगों ने कहा, 'और मारना चाहिए था'। लेकिन क्या युद्ध को जारी रखना सही होता... देश ने एक अच्छा निर्णय लिया।

कुलगाम में 2 जवान शहीद

कुलगाम। जम्मू-कश्मीर में कुलगाम के अखल जंगल में जारी एनकाउंटर में दो जवान शहीद हो गए। शुक्रवार को कुल चार जवान घायल हुए थे। इलाज के दौरान लांस नायक प्रितपाल सिंह और सिपाही हरमिंदर सिंह की मौत हुई। शनिवार सुबह यह जानकारी आई। ऑपरेशन अखल 1 अगस्त से जारी है। आज इसका नौवां दिन है। इसमें 2 अगस्त को 2 आतंकियों के मारे जाने की खबर आई थी, जबकि अब तक 9 जवान घायल हो चुके हैं। इनमें से ही दो की मौत हुई है। 2 अगस्त की सुबह मारे गए आतंकियों में से एक की पहचान पुलवामा के हारिस नजीर डार के रूप में हुई थी, जो C-कैटेगरी का आतंकी था। हारिस उन 14 लोकल आतंकियों की लिस्ट में था, जिनके नाम खुफिया एजेंसियों ने पहलगाम हमले के बाद 26 अप्रैल को जारी किए थे।

ऑपरेशन अखल नौवें दिन भी जारी

मंदिर की दीवार गिरने से आठ लोगों की मौत

नई दिल्ली। दिल्ली के दक्षिण-पूर्वी इलाके जैतपुर के हरि नगर में दर्दनाक घटना सामने आई है। यहां एक पुराने मंदिर की दीवार अचानक भरभराकर ढह गई। दीवार का हिस्सा गिरने से 8 लोग नीचे दब गए थे, जिनमें से 8 लोगों की मौत हो गई है। इसमें एक ही परिवार के चार लोग शामिल हैं। इस हादसे के बाद कुल 8 लोगों को बाहर निकाला गया था, जिनमें से सभी की मौत हो गई है। एडिशनल डीसीपी साउथ ईस्ट ऐश्वर्या शर्मा ने कहा, 'यहां एक पुराना मंदिर है और उसके बगल में पुरानी झुग्गियां हैं जहां कबाड़ी रहते हैं। रात भर हुई भारी बारिश के कारण दीवार गिर गई। 8 लोग फंस गए थे, जिन्हें बचाकर अस्पताल ले जाया गया। उनका इलाज चल रहा है। हमें नहीं पता कि कितने लोग मरे हैं।

मुंबई एयरपोर्ट पर नेटवर्क फेलियर

महानगर संवाददाता
मुंबई

मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर शनिवार को नेटवर्क में खराबी आ गई, जिससे फ्लाइट ऑपरेशन में रुकावटें आईं। थर्ड-पार्टी डेटा नेटवर्क आउटेज के कारण एयरलाइंस का चेक-इन सिस्टम प्रभावित हुआ। हवाई अड्डा प्राधिकरण ने बताया कि स्थिति को नियंत्रित करने का प्रयास जारी है, जिसके लिए आपातकालीन उपाय शुरू किए गए। एयरपोर्ट की ओर से एक यात्री के सवाल के जवाब में एक्स पर कहा गया, 'हम आपको बताना चाहते हैं कि हवाई अड्डे पर नेटवर्क में खराबी आ गई है। हमने आपातकालीन उपाय शुरू कर दिए हैं और हमारी मुख्य टीम इस समस्या को हल करने में जुटी है। हम रुकावटों को कम करने के लिए मैनुअल मोड में काम कर रहे हैं। आपके धैर्य के लिए धन्यवाद।'

यात्रियों से की गई खास अपील

एयर इंडिया ने भी यात्रियों को नेटवर्क खराबी के बारे में सूचना दी, जिसके कारण उड़ानों में देरी हो सकती है। हालांकि, एयरलाइन ने कहा कि प्रभावित सिस्टम को ठीक कर लिया गया है, लेकिन सामान्य स्थिति में वापसी के लिए कुछ देरी हो सकती है।

ट्रम्प के टैरिफ का पड़ेगा उल्टा असर

पूर्व अमेरिकी NSA बोले- अमेरिका की सालों पुरानी मेहनत बर्बाद हुई, भारत हमसे दूर होकर चीन-रूस के पास जा रहा

महानगर नेटवर्क
वॉशिंगटन

अमेरिका के पूर्व राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जॉन बोल्टन ने कहा कि ट्रम्प की नीतियों से भारत, अमेरिका से दूर होता जा रहा है। एक इंटरव्यू में उन्होंने ट्रम्प सरकार की टैरिफ नीतियों को 'भारी भूल' बताया और कहा कि अमेरिका ने रूस और चीन को भारत से दूर रखने के लिए कई साल से कोशिश की थी लेकिन अब वह कोशिश कमजोर पड़ चुकी है। बोल्टन ने आशंका जाहिर की है कि रूस को कमजोर करने के लिए भारत पर लगाया गया एक्स्ट्रा टैरिफ कहीं उल्टा न पड़ जाए। इससे भारत, रूस और चीन के करीब आ सकता है। बोल्टन ने कहा कि भारत पर टैरिफ लगाने का मकसद रूस को नुकसान पहुंचाना है, लेकिन नतीजा यह हो सकता है कि भारत, रूस और चीन एकजुट होकर इन टैरिफ का विरोध करें। जॉन बोल्टन ने पहले भी अमेरिकी अखबार द हिल में लिखा था कि व्हाइट हाउस टैरिफ और अन्य शर्तों में चीन के प्रति भारत से ज्यादा नरमी दिखा रहा है, जो कि एक गंभीर गलती होगी। उनके मुताबिक, 'दोस्त और दुश्मन दोनों पर एक समान टैरिफ लगाने' से अमेरिका का वो भरोसा और आत्मविश्वास कमजोर हुआ है, जिसे बनाने में दशकों लगे थे, और बदले में बहुत कम आर्थिक फायदा मिला है, जबकि बड़े नुकसान का खतरा बढ़ गया है।

'इतना मारेंगे कि पुलिस को ममता के आंचल में छिपना पड़ेगा...'

महानगर नेटवर्क
कोलकाता

आरजी कर मामले को लेकर शनिवार को मार्च निकाल रहे 'नबन्ना अभियान' के दौरान प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच झड़प हो गई। यह प्रदर्शन उस जूनियर डॉक्टर के माता-पिता द्वारा बुलाया गया था, जिसकी 9 अगस्त 2025 को आरजी कर मेडिकल कॉलेज अस्पताल में बलात्कार के बाद हत्या कर दी गई थी। प्रदर्शन में उनके साथ पश्चिम बंगाल विधानसभा में विपक्ष के नेता और भारतीय जनता पार्टी के विधायक शुभेंदु अधिकारी और पार्टी के अन्य विधायक भी शामिल हुए।

'वह दिन दूर नहीं है जब हम पुलिस को भी पीटेंगे'

प्रदर्शन के दौरान स्थिति इतनी बिगड़ गई कि पुलिस को लाठीचार्ज करना पड़ा। इस प्रदर्शन में भाजपा विधायक अशोक डिंडा भी शामिल थे, जिन्होंने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और बंगाल पुलिस पर निशाना साधा। अशोक डिंडा ने कहा, "वह दिन दूर नहीं है जब हम पुलिस को पीटेंगे और उसे ममता के आंचल में छिपना पड़ेगा।

आने-जाने का ट्रेन टिकट बुक करने पर 20% डिस्काउंट

महानगर नेटवर्क
नई दिल्ली

इंडियन रेलवे ने दिवाली और अन्य फेस्टिवल में घर जाने वालों के लिए एक एक्सपेरिमेंटल बेस पर एक स्कीम शुरू की है। इसमें अगर कोई आने और जाने का टिकट एकसाथ बुक करता है तो रिटर्न टिकट पर 20% का डिस्काउंट मिलेगा। इससे उन लोगों को फायदा मिलेगा जो घर जाने और वापस आने के लिए ट्रेन का इस्तेमाल करते हैं। रेलवे ने त्योहारों के समय टिकट के लिए भीड़ और लोगों की परेशानी को देखते हुए यह फैसला एक्सपेरिमेंटल बेस पर लिया है।

आने-जाने दोनों टिकट एकसाथ बुक करने पर मिलेगा डिस्काउंट

ट्रेन एक जोड़ी की ही होनी चाहिए: अगर आप अहमदाबाद एक्सप्रेस से पटना जाते हैं, तो इसी जोड़ी की वापसी ट्रेन से रिटर्न टिकट करना होगा।

टिकट डिटेल्स समान होनी चाहिए: टिकट में दी गई सभी डिटेल्स एक समान होनी चाहिए। यानी सोर्स और डेस्टिनेशन (कहां से कहां तक जाना है), यात्री का नाम, उम्र, दूरी और क्लास (स्लीपर, 3 AC, 2 AC) जैसी चीजें दोनों टिकट में एक होनी चाहिए।

बुकिंग 14 अगस्त से शुरू होगी: रेलवे के मुताबिक, इस छूट का फायदा लेने के लिए 13 अक्टूबर से 26 अक्टूबर 2025 तक के लिए जाने वाले टिकट और वापसी के लिए 17 नवंबर से 1 दिसंबर 2025 के बीच यात्रा का टिकट बुक करना होगा। बुकिंग 14 अगस्त से शुरू होगी।

डायनेमिक प्राइसिंग वाली ट्रेनों में नहीं मिलेगा डिस्काउंट: ये छूट फ्लेक्सी फेयर वाली ट्रेनों जैसे- शताब्दी एक्सप्रेस, राजधानी एक्सप्रेस, दुरंतो एक्सप्रेस, सुविधा एक्सप्रेस, वंदे भारत एक्सप्रेस, तेजस एक्सप्रेस ट्रेनों पर लागू नहीं होगी। लेकिन इसके अलावा सभी श्रेणियों और खासकर ऑन डिमांड ट्रेनें यानी फेस्टिव स्पेशल ट्रेनें इस छूट के दायरे में शामिल हैं।

देशहित में मोदी सरकार का समर्थन जरूरी : पवार

ट्रंप की प्रेशर पॉलिटिक्स पर भड़के शरद पवार

महानगर संवाददाता
मुंबई

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद चंद्र पवार) के प्रमुख शरद पवार ने शनिवार को नागपुर में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की। उन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की नीतियों पर बात की। पवार ने कहा कि ट्रंप भारतीय वस्तुओं पर ज्यादा टैक्स लगाकर दबाव बना रहे हैं। उन्होंने राष्ट्रीय हित में केंद्र सरकार का समर्थन करने की बात कही। पवार ने पड़ोसी देशों के साथ भारत के रिश्तों पर भी चिंता जताई।

बनाने की रणनीति है। उन्होंने कहा कि देश के हित में हम सभी को सरकार के साथ खड़ा होना चाहिए। पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा कि वह इस बात पर अटकलें नहीं लगाना चाहते कि मोदी सरकार की विदेश नीति विफल हो गई है या नहीं।

अमेरिकी टैरिफ की आलोचना

शरद पवार ने कहा कि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप जिस तरह से भारतीय सामानों पर 50 प्रतिशत टैरिफ लगा रहे हैं। वह एक तरह से दबाव

ट्रंप पर किसी का कंट्रोल नहीं

उन्होंने कहा कि हमने पहले कार्यकाल में भी अमेरिकी राष्ट्रपति के रूप में ट्रंप की कार्यशैली देखी थी। मुझे लगता है कि उन पर किसी का नियंत्रण नहीं है। जो भी उनके दिल में आता है, वह आवेग में आकर बोल देते हैं। शरद पवार ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भारत और पड़ोसी देशों के बीच बढ़ती दूरी के संकेतों को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए।

पड़ोसी देशों के साथ रिश्तों पर जताई चिंता

उन्होंने कहा कि हम अपने पड़ोसी देशों के प्रति अपने रवैये को भी नजरअंदाज नहीं कर सकते। आज पाकिस्तान हमारे खिलाफ है, जबकि नेपाल, बांग्लादेश, श्रीलंका और मालदीव जैसे देश हमसे खुश नहीं हैं। एनसीपी (एसपी) प्रमुख ने कहा कि हमारे पड़ोसी हमसे दूर जा रहे हैं। मुझे लगता है कि मोदी साहब को इस पहलू को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए और संबंधों को बेहतर बनाने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए।

अभिनेता ध्रुव कुमार के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज

मुंबई। मुंबई पुलिस ने दक्षिण भारतीय अभिनेता ध्रुव कुमार उर्फ ध्रुव सरजा के खिलाफ निर्माता-निर्देशक राघवेंद्र हेगड़े से कथित तौर पर 3.15 करोड़ रुपये की ठगी करने के आरोप में धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया है। पुलिस सूत्रों ने शनिवार को यह जानकारी दी। अंबोली पुलिस थाने में दर्ज प्राथमिकी के मुताबिक आरएच एंटरटेनमेंट और आर-9 एंटरटेनमेंट के मालिक हेगड़े 2016 से 2018 के बीच फिल्म और मनोरंजन कार्यक्रमों के निर्माण में शामिल थे। ध्रुव ने उन्हें फिल्म की पटकथा देते हुए 'द सोल्जर' नामक फिल्म में सहयोग करने के लिए राजी किया था। हेगड़े ने दावा किया कि ध्रुव ने समझौते पर हस्ताक्षर करने से पहले यह कहते हुए अग्रिम भुगतान की मांग की थी कि उन्हें फ्लैट खरीदने के लिए पैसे की जरूरत है और उन्हें आश्वासन दिया कि फिल्म जल्द ही शुरू हो जाएगी।

आज प्रधानमंत्री तीन वंदे भारत ट्रेनों को दिखायेंगे हरी झंडी

महानगर संवाददाता
मुंबई

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 10 अगस्त को तीन वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना करेंगे, इनमें भारत की सबसे लंबी दूरी तय करने वाली वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन भी शामिल है। सबसे लंबी दूरी की वंदे भारत ट्रेन महाराष्ट्र के अजनी (नागपुर) से पुणे के बीच चलेगी और यह ट्रेन 881 किलोमीटर की दूरी मात्र 12 घंटे में पूरी करेगी। इस ट्रेन के साथ ही पीएम मोदी केएसआर बेंगलुरु-बेलगावी और कटरा-अमृतसर वंदे भारत एक्सप्रेस को भी हरी झंडी दिखाएंगे। बता दें कि केएसआर बेंगलुरु-बेलगावी ट्रेन कर्नाटक के दो महत्वपूर्ण शहरों को जोड़ेगी और कटरा-अमृतसर वंदे भारत एक्सप्रेस

श्री माता वैष्णोदेवी जाने वाले तीर्थयात्रियों को ध्यान में रखकर चलाई जा रही है। इस ट्रेन से वैष्णो देवी के साथ ही यात्री अमृतसर गोल्डन टेम्पल की यात्रा भी कर सकेंगे।

26102 अजनी (नागपुर) - पुणे वंदे भारत एक्सप्रेस सुबह 9:50 पर अजनी से चलेगी और रात 9:50 पर पुणे पहुंचेगी।

ट्रेन संख्या (26102) अगले दिन सुबह 6:25 पर पुणे से चलेगी और शाम 6:25 पर अजनी (नागपुर) पहुंचेगी।

अजनी से चलने वाली वंदे भारत एक्सप्रेस सोमवार को छोड़कर सभी दिन चलेगी।

पुणे से चलने वाली वंदे भारत एक्सप्रेस मंगलवार को छोड़कर सभी दिन चलेगी।

जानें खास बातें : अजनी और पुणे के बीच सबसे तेज चलने वाली वंदे भारत ट्रेन 10 स्टेशनों पर रुकेगी। पुणे-अजनी-पुणे वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन संख्या 26101/26102 का नियमित संचालन 11 अगस्त से पुणे स्टेशन से और 12 अगस्त से अजनी स्टेशन से शुरू होगा और ये ट्रेन हफ्ते में छह दिन चलेगी। ट्रेन में आठ कोच (1 एग्जीक्यूटिव चेयर कार और 7 चेयर कार) होंगे, जिसमें 590 यात्रियों की बैठने की क्षमता होगी।

होगा फायदा, देखें पूरा टाइम-टेबल

ट्रेन संख्या 26101 पुणे से सुबह 6:25 बजे चलेगी और 18:25 बजे अजनी पहुंचेगी।

ट्रेन संख्या 26102 अजनी से सुबह 9:50 बजे रवाना होगी और 21:50 बजे पुणे पहुंचेगी। यह सप्ताह में 6 दिन चलेगी।

अजनी (नागपुर) और पुणे के बीच वंदे भारत ट्रेन सेवा शुरू होने से इन दोनों शहरों और रास्ते में पड़ने वाले कस्बों के बीच काम, व्यवसाय, पढ़ाई और पर्यटन के लिए यात्रा करने के इच्छुक यात्रियों की एक बड़ी आबादी को अत्यधिक लाभ होगा।

ठाणे पुलिस के नौ कर्मी निलंबित

न्यायबंदियों की जांच में गंभीर लापरवाही

ठाणे। ठाणे पुलिस दल में शिस्तभंग का बड़ा मामला सामने आया है, जिसमें 9 पुलिस कर्मियों को तत्काल निलंबित कर दिया गया। यह कार्रवाई 4 अगस्त को ठाणे मध्यवर्ती कारागार से कलवा स्थित छत्रपति शिवाजी महाराज अस्पताल में सात न्यायबंदियों को मेडिकल जांच के लिए ले जाते समय हुई गंभीर त्रुटियों के कारण की गई। आरोप है कि पुलिसकर्मियों ने वरिष्ठ अधिकारियों को जानबूझकर गुमराह किया। मिली जानकारी के अनुसार, इस कार्य के लिए ठाणे पुलिस मुख्यालय के 9 कर्मियों की ड्यूटी लगाई गई थी। इसी दौरान सादी वर्दी में एक पुलिस अधिकारी ने अस्पताल में निरीक्षण किया, तो सात में से दो कैदी वहां मौजूद नहीं मिले। जांच में पता चला कि दोनों फरार नहीं हुए थे, बल्कि उन्हें नियमों के उल्लंघन के तहत किसी अन्य स्थान पर ले जाया गया था। पथक के कर्मचारियों ने वरिष्ठ अधिकारियों को गुमराह करते हुए बताया कि दोनों कैदी एक्स-रे रूम या शौचालय में हैं। कर्मचारियों के टालमटोल और भ्रामक जवाबों से अधिकारियों को शक हुआ और सख्ती से जांच की गई। बाद में दोनों कैदी पुलिस को मिल गए और सभी को दोबारा ठाणे मध्यवर्ती कारागार में वापस भेज दिया गया। इस गंभीर मामले के बाद पुलिस उपायुक्त डॉ. पवन बनसोड ने 9 पुलिस कर्मियों के निलंबन का आदेश जारी कर दिया।

329 परिवारों के घरों पर खतरा

दिवा-शील में अवैध इमारतों पर निगम का हथौड़ा

महानगर संवाददाता
ठाणे

दिवा-शील इलाके में अनधिकृत निर्माणों के खिलाफ ठाणे नगर निगम की कार्रवाई लगातार जारी है। अब तक 21 अवैध इमारतों को निशाना बनाए जाने के बाद, उच्च न्यायालय के आदेश के तहत 11 और इमारतों पर सख्त कार्रवाई की तैयारी है। इनमें से तीन इमारतें पहले ही ध्वस्त की जा चुकी हैं, जबकि शेष आठ इमारतों को गिराने की प्रक्रिया प्रस्तावित है। इन 11 इमारतों में लगभग 329 परिवार रह रहे हैं,जिनके बिजली और पानी के कनेक्शन पहले ही काट दिए गए हैं। बता दें कि ठाणे नगर निगम ने इन सभी परिवारों को इमारत खाली करने का नोटिस जारी करते हुए 15 दिन का समय दिया है। ठाणे महानगर पुलिस के अतिक्रमण विभाग के उपायुक्त शंकर पटोले ने बताया कि अदालत के निर्देशों के मुताबिक तीन इमारतों को पूरी तरह गिरा दिया गया है। बाकी इमारतों के खिलाफ नोटिस की सुनवाई और कानूनी प्रक्रिया पूरी होते ही कार्रवाई की जाएगी। इस इलाके की इमारतें ज्यादातर 6 से 8 मंजिला हैं और इनमें रहने वाले लोग ज्यादातर गरीब या मध्यम वर्ग के हैं, जिन्होंने बेहद कम दामों पर यहां घर खरीदे थे। कई लोगों ने इन मकानों को खरीदने के लिए बैंक से लोन लिया और हर महीने ईएमआई चुका रहे हैं। लेकिन अब न्यायालय के आदेश और नगर निगम की कार्रवाई के चलते इन परिवारों के सामने आर्थिक संकट और बेघर होने का खतरा एक साथ खड़ा हो गया है। सूत्रों के अनुसार, जुलाई से ही ठाणे नगर निगम ने अतिक्रमण विरोधी अभियान को तेज कर दिया है। पहले चरण में 21 इमारतों पर कार्रवाई की गई थी, जिसके बाद दूसरे चरण में इन 11 इमारतों को सूचीबद्ध किया गया है। तीन इमारतों के ध्वस्तीकरण के बाद शेष आठ को भी जल्द गिराने की योजना है। नगर निगम का कहना है कि अवैध निर्माणों के खिलाफ यह कार्रवाई पूरी तरह अदालत के आदेश के अनुसार है और इसमें कोई ढील नहीं दी जाएगी।

मनपा अधिकारियों एवं ठेकेदार पर कार्रवाई की मांग

भायंदर। भायंदर पश्चिम स्थित नेताजी सुभाष चन्द्र बोस मैदान के पास गुरुवार को सड़क हादसे में एक दंपति की जान चली गयी थी। इस जगह पर सीमेंट की सड़क का काम हुआ हैं। सड़क के दोनों तरफ डामर के लिए जगह छोड़ी गयी थी। इन गड्ढों में बरसात का पानी जमा हो गया था। हादसे के वक्त स्कूटी चालक दिनेश मोड़ाजी माली की स्कूटी उस गड्ढे की मिट्टी के कारण फिसल कर हादसे का शिकार बन गए।

इस हादसे में दिनेश मोड़ाजी माली एवं उनकी पत्नी मंजू देवी माली की मौत हो गयी थी। हादसे के तुरंत बाद मनपा ने उस जगह पर डामर डाल कर गड्ढे भरवा दिया। अब सवाल यह उठ रहा हैं की क्या मनपा के अधिकारी काम करने के लिए ऐसे हादसों का इन्तजार करते हैं। इस हादसे के बात शहर के लोगों में मनपा अधिकारियों एवं ठेकेदार के प्रति नाराजगी दिखाई पड़ रही हैं।

बच्चों को दिए जाने वाले मध्यान्ह भोजन में बड़ा भ्रष्टाचार

कांग्रेस के आरोप पर आयुक्त ने जांच के दिए आदेश

मुंबई। मनपा प्रशासन द्वारा मुंबई में पढ़ने वाले स्कूली बच्चों को दिए जाने वाले मध्यान्ह भोजन योजना में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार का आरोप कांग्रेस ने लगाया है। आरोप है कि इस योजना के तहत 20 संस्थाओं ने फर्जी दस्तावेजों के आधार पर लगभग 264 करोड़ रुपए के ठेके हासिल किए। कांग्रेस नेता एवं पूर्व मुंबई कांग्रेस अध्यक्ष भाईजगताप ने मापना आयुक्त भूषण गगरानी से मिलकर पूरे मामले की जांच करने की गुहार लगाई। मनपा आयुक्त आयुक्त भूषण गगरानी ने तत्काल इस मामले की जांच के आदेश दिए और कार्यवाही शुरू कर दी गई है। बता दें कि प्रधानमंत्री पोषण शक्ति निर्माण योजना के अंतर्गत मनपा स्कूलों की पहली से आठवीं कक्षा के विद्यार्थियों को पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराया जाता है। नियम के अनुसार, पहली से पांचवीं कक्षा के विद्यार्थियों को प्रतिदिन 450 कैलोरी और 12 ग्राम प्रोटीन वाला भोजन,जबकि छठी से आठवीं कक्षा के विद्यार्थियों को 700 कैलोरी और 20 ग्राम प्रोटीन वाला भोजन दिया जाना अनिवार्य है। ठेका लेने वाली संस्थाओं के पास अलग और स्वच्छता मानकों के अनुरूप रसोईघर होना जरूरी है।

भिवंडी को स्वच्छ सर्वेक्षण 2024 में मिला ओडीएफ++ मानांकन

राष्ट्रीय स्तर पर 67वां स्थान

भिवंडी। केंद्र सरकार के स्वच्छ भारत अभियान के तहत आयोजित स्वच्छ सर्वेक्षण 2024 में भिवंडी-निजामपुर शहर महानगर पालिका ने बड़ी उपलब्धि हासिल की है। पालिका को ओडीएफ++मानांकन प्राप्त हुआ है। साथ ही 3 से 10 लाख आबादी वाले शहरों के वर्ग में राष्ट्रीय स्तर पर 67वां स्थान भी मिला है। पिछले साल स्वच्छ सर्वेक्षण 2023 में भिवंडी शहर पालिका को 143वां स्थान प्राप्त हुआ था,जबकि इस बार 67 वें स्थान पर पहुंचने से पालिका प्रशासन में खुशी का माहौल है। यह सफलता पालिका आयुक्त अनमोल सागर के मार्गदर्शन में संभव हुई है,आयुक्त अनमोल सागर ने इस उपलब्धि के लिए पालिका के अधि-कारियों,कर्मचारियों के साथ-साथ भिवंडी के नागरिकों को भी बधाई दी। उन्होंने कहा कि इस उपलब्धि में शहरवासियों का विशेष योगदान है। आयुक्त ने अपील की कि आने वाले समय में भी नागरिक पालिका प्रशासन को स्वच्छता अभियान और सरकार के विभिन्न उपक्रमों में सहयोग देते रहें, ताकि शहर की रैंकिंग और बेहतर हो सके।

अनंत चतुर्दशी की छुट्टी करें बहाल

सरकारी फैसले का चौतरफा विरोध, गणेशोत्सव मंडलों में नाराजगी

महानगर संवाददाता
मुंबई

गणेशोत्सव समिति ने अनंत चतुर्दशी की छुट्टी रद्द करने के राज्य सरकार के फैसले का चौतरफा विरोध किया जा रहा है। महाराष्ट्र में अनंत चतुर्दशी के दिन पिछले 30 वर्षों से छुट्टी होती आ रही है। लेकिन इस वर्ष अचानक छुट्टी रद्द करने से कई समस्याएं खड़ी हो सकती हैं। इसलिए, बृहन्मुंबई सार्वजनिक गणेशोत्सव समन्वय समिति ने अनंत चतुर्दशी की छुट्टी बहाल करने की मांग की है। राज्य सरकार ने अपने पिछले आदेश में 16 अगस्त को गोपालकाल (दहीहांडी) और 6 सितंबर को अनंत चतुर्दशी के लिए स्थानीय अवकाश घोषित किया था। हालांकि, ये दोनों ही छुट्टियां शनिवार को पड़ रही हैं। राज्य में सरकारी और अर्ध-सरकारी कार्यालयों में शनिवार और रविवार को अवकाश होता है। इसीलिए, इन छुट्टियों की जगह मुंबई में नारली पूर्णिमा और 2 सितंबर को ज्येष्ठ गौरी विसर्जन के लिए स्थानीय अवकाश घोषित किया गया है। जिला मजिस्ट्रेट द्वारा शहर और उपनगरीय दोनों जिलों में स्थानीय अवकाश घोषित किए जाने के बाद अब अनंत चतुर्दशी पर मुंबई में बैंकों, वित्तीय सेवाओं और केंद्र सरकार के कार्यालयों में अवकाश नहीं होगा। इस निर्णय से गणेशोत्सव मंडलों के पदाधिकारियों में भारी नाराजगी व्याप्त है। बृहन्मुंबई सार्वजनिक गणेशोत्सव समन्वय समिति ने भी इस पर नाराजगी व्यक्त की है। समन्वय समिति ने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से अनंत चतुर्दशी के अवसर पर दिए गए सार्वजनिक अवकाश को बहाल करने की मांग की है। गणेशोत्सव समन्वय समिति के अध्यक्ष एड. नरेश दहिबावकर ने कहा कि अनंत चतुर्दशी के अवसर पर आयोजित विसर्जन जुलूसों में बड़ी संख्या में गणेश भक्त शामिल होते हैं। सरकारी और निजी प्रतिष्ठानों में काम करने वाले मजदूर और कर्मचारी भी इसमें शामिल होते हैं।

'पत्नी के कपड़ों और खाने पर तंज कसना क्रूरता नहीं'

पति को बरी करते हुआ बोला बॉम्बे हाईकोर्ट

मुंबई। बॉम्बे हाई कोर्ट की औरंगाबाद बेंच ने एक अहम फैसला सुनाते हुए एक महिला द्वारा अपने पति और ससुराल वालों के खिलाफ दर्ज की गई एफआईआर और आपराधिक कार्यवाही को रद्द कर दिया. कोर्ट ने कहा कि, ?बीवी के कपड़ों पर ताने मारना या खाना बनाने पर तंज कसना, भारतीय दंड संहिता (IPC) की धारा 498A के तहत 'गंभीर क्रूरता' या 'उत्पीड़न' नहीं माना जा सकता है। जस्टिस विभा कंकनवाड़ी और संजय ए. देशमुख की बेंच ने टिप्पणी करते हुए कहा, जब रिश्ते बिगड़ते हैं, तो अक्सर आरोप बढ़ा-चढ़ाकर लगाए जाते हैं। यदि शादी से पहले सारी बातें स्पष्ट की गई थीं और आरोप सामान्य या कम गंभीर हैं, तो 498A की परिभाषा में यह क्रूरता नहीं मानी जाएगी। ऐसे मामलों में पति और उसके परिवार को ट्रायल का सामना कराना कानून का दुरुपयोग है।

धारा 498A क्या कहती है

आईपीसी की धारा 498-ए पति या उसके रिश्तेदारों द्वारा महिला के प्रति की गई क्रूरता से संबंधित है। यह एक संज्ञेय, गैर-जमानती और गैर-समझौता योग्य अपराध है, जिसका मतलब है कि पुलिस बिना वारंट के गिरफ्तारी कर सकती है। जमानत मिलना अधिकार नहीं है, और मामले को अदालत के बाहर सुलझाया नहीं जा सकता। दंपति की शादी 24 मार्च 2022 को हुई थी। यह महिला की दूसरी शादी थी, जिसने 2013 में आपसी सहमति से अपने पहले पति को तलाक दे दिया था। महिला ने आरोप लगाया था कि शादी के डेढ़ महीने बाद ही उसके साथ दुर्व्यवहार शुरू हो गया था, और उसके पति की मानसिक और शारीरिक बीमारियों को उससे छिपाया गया था। हालांकि, कोर्ट ने पाया कि चार्जशीट में शामिल शादी से पहले की चैट से पता चलता है कि पति ने अपनी बीमारियों और दवाओं के बारे में बताया था। कोर्ट ने कहा कि महिला को शादी से पहले पति की बीमारी की जानकारी थी। पत्नी ने यह भी आरोप लगाया कि दिवाली के आसपास 15 लाख की मांग फ्लैट खरीदने के लिए की गई, लेकिन कोर्ट ने इस पर संदेह जताया, क्योंकि पति के पास पहले से ही अपना फ्लैट था। कोर्ट ने यह भी कहा कि परिवार के सदस्यों के खिलाफ लगाए गए आरोप सामान्य प्रकृति के थे, जो धारा 498-ए के तहत क्रूरता के अनुरूप नहीं थे।

ट्रैफिक समस्या की टूटेगी कमर

नौपाड़ा में बनेगा 567 वाहनों की क्षमता वाला अत्याधुनिक पार्किंग प्लाजा

ठाणे। शहर में वर्षों से चली आ रही पार्किंग की गंभीर समस्या के समाधान के लिए ठाणे नगर निगम ने एक बड़ा और महत्वपूर्ण कदम उठाया है। नौपाड़ा स्थित शाहू मार्केट की जर्जर और पुराने ढांचे वाली इमारत को गिराकर वहां एक अत्याधुनिक पार्किंग प्लाजा बनाने का फैसला किया गया है। इस नई सुविधा में कुल 567 वाहनों के लिए पार्किंग की व्यवस्था होगी, जिसमें 320 चार पहिया और 247 दोपहिया वाहन पार्क हो सकेंगे।

नगर निगम का मानना है कि इस परियोजना से नौपाड़ा और आसपास के क्षेत्रों में यातायात

का दबाव कम होगा और सड़क किनारे खड़ी गाड़ियों से होने वाली भीड़भाड़ में बड़ी राहत मिलेगी। नगर निगम बीते कुछ वर्षों से पार्किंग की व्यवस्था को सुधारने के लिए लगातार कदम उठा रहा है। गडकरी रंगायतन के पास पार्किंग प्लाजा का निर्माण कार्य जारी है,वहीं स्टेशन क्षेत्र में गाओदेवी मैदान के नीचे पहले से ही भूमिगत पार्किंग सुविधा मौजूद है, जहां 130 कार और 120 बाइक पार्क करने की क्षमता है। नौपाड़ा में बनने वाले इस पार्किंग प्लाजा में दो अलग-अलग इमारतें बनाई जाएंगी। मुख्य इमारत पांच मंजिला होगी और उसके बेसमेंट में दोपहिया वाहनों की पार्किंग होगी। दूसरी इमारत एक आधुनिक पार्किंग टावर के रूप में बनाई जाएगी, जिसमें चार पहिया वाहनों के लिए 20 तल होंगे और प्रत्येक तल पर 16 कार पार्क करने की सुविधा होगी। इस आरसीसी निर्माण परियोजना की लागत लगभग 70 लाख रुपये आंकी गई है और नगर निगम ने इसके लिए टेंडर जारी कर दिया है।

मनपा ने अपनाई नई तकनीक

नगर निगम ने 2014 में पार्किंग नीति लागू की थी और 166 सड़कों का सर्वेक्षण कर शुल्क तय किए थे, लेकिन अपेक्षित परिणाम नहीं मिले। अब निगम खाली पड़े भूखंडों और उपलब्ध स्थानों का उपयोग कर सीमित पार्किंग की व्यवस्था करने पर जोर दे रहा है। नौपाड़ा में बनने वाला यह नया पार्किंग प्लाजा शहर की पार्किंग व्यवस्था को एक नई दिशा देगा और नागरिकों को लंबे समय से चली आ रही परेशानी से बड़ी राहत मिलेगी।

सूर्या लॉज में देह व्यापार का भंडाफोड़

संचालक गिरफ्तार, दो युवतियां मुक्त

ठाणे। अनैतिक मानव तस्करी रोकथाम प्रकोष्ठ (क्राइम ब्रांच) ने 8 अगस्त 2025 को उल्हासनगर कैंप क्रमांक 4 में आशेले रोड स्थित सूर्या लॉज पर छापा मारकर देह व्यापार का पर्दाफाश किया। वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक वैशाली गोडें को मिली गुप्त सूचना के अनुसार, लॉज संचालक दो बेसहारा युवतियों को बहला-फुसलाकर वेश्यावृत्ति में धकेलने का प्रयास कर रहा था। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने जाल बिछाकर आरोपी को रंगेहाथ गिरफ्तार किया और दोनों पीड़ित युवतियों को मुक्त कराया। आरोपी के खिलाफ विट्ठलवाड़ी पुलिस स्टेशन में भारतीय दंड संहिता 2023 की धारा 143(1), 143(3) और अनैतिक व्यापार (निषेध) अधिनियम 1956 की धारा 3, 4 और 5 के तहत मामला दर्ज किया गया है।

पुलिस ने बताया कि यह कार्रवाई वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक वैशाली गोडें, पोहवा वी.आर. पाटिल, आर.यू. सुवारे, वी.जी. नाइक, के.बी. पाटिल, एमपीओए पी.जी. खरात, ईबी.आर. थोरात, के.एम. चांदेकर और चापोशी एस.सी. पाटिल ने पुलिस उपायुक्त (अपराध) अमरसिंह जाधव और सहायक पुलिस आयुक्त (निषेध) विनय घोरपड़े के मार्गदर्शन में की।

डोंबिवली में आज कजरी महोत्सव का आयोजन

रविंद्र चौहान की रहेगी उपस्थिति

महानगर संवाददाता
डोंबिवली

उत्तर भारतीय समाज एकता मंच कल्याण-डोंबिवली एवं अभियान (सामाजिक व सांस्कृतिक संस्था) की ओर से अपने मातृभूमि की माटी की महक और लोक परंपराओं से जुड़ने के उद्देश्य से कजरी महोत्सव का भव्य आयोजन किया गया है। यह कार्यक्रम 10 अगस्त रविवार को शाम 5 बजे से शगुन हाल, कावेरी चौक, MIDC डोंबीवली पूर्व में होगा। कार्यक्रम में प्रसिद्ध लोकगायिका संजोली पाण्डेय अपनी मधुर आवाज में पारंपरिक कजरी गीतों की प्रस्तुति देंगी। आयोजकों का कहना है कि यह आयोजन उत्तर भारतीय सांस्कृतिक धरोहर को जीवंत करने और लोगों को अपने मूल से जोड़ने का प्रयास है।

इस अवसर पर बड़ी संख्या में उत्तर भारतीय समाज के लोग शामिल होने की उम्मीद है। कार्यक्रम की सफलता के लिए आई.पी. मिश्र, दिनेश दुबे, कंचन सिंह आदि सक्रिय रूप से जुटे हुए हैं। आयोजक मंडल ने क्षेत्र के सभी लोगों से आग्रह किया है कि वे परिवार सहित इस सांस्कृतिक संध्या का हिस्सा बनें और अपनी माटी की महक का आनंद लें।

ब्राह्मणों के पवित्र त्यौहार श्रावणी उपाकर्म का कार्यक्रम संपन्न

मुंबई। अंतरराष्ट्रीय सरयूपारिण ब्राह्मण परिषद द्वारा आयोजित ब्राह्मणों के पवित्र त्यौहार श्रावणी उपाकर्म का कार्यक्रम संजय गांधी राष्ट्रीय उद्यान में नदी किनारे शनिवार को विद्वान पंडितों की उपस्थिति में विधिवत संपन्न हुआ। संस्था के सरयू प्रमुख डॉ . आर. के. चौबे और महामंत्री डॉ. राधेश्याम तिवारी के नेतृत्व में धर्माचार्य डॉ. मुरलीधर मिश्रा के कुशल निर्देशन में सभी ब्राह्मण बंधुओं ने पुराने जनेऊ को उतारकर नए जनेऊ को धारण किया। इस अवसर पर डॉ. हृदयनारायण मिश्रा, सुभाष उपाध्याय (अध्यक्ष -श्री गौरीशंकर ग्राम सेवा मंडल), अशोक तिवारी, भूपेन्द्र पांडे, बी पी पांडे, अंबिका पांडे,डॉ. शिवश्याम

तिवारी, मनोज चतुर्वेदी, विद्याशंकर चतुर्वेदी जी, अनिल मिश्रा, सूर्यकांत उपाध्याय (बायर संयोजक), हेमंत पांडे, नागेंद्र मिश्रा, मुकेश मिश्रा (अध्यक्ष - उत्तर भारतीय संघ शाखा बोरीवली), चंदू शुक्ला, विख्यात कवि महेश दुबे, हरिशंकर तिवारी,अभय चौबे, बी. पी. मिश्रा, राजीव मिश्रा,अमित झा, हरिशंकर दुबे, एड. राजेश शर्मा, सतीश दुबे, राजू शर्मा, आलोक मिश्रा आदि सैकड़ों गणमान्य विप्रजन उपस्थित थे। कार्यक्रम में विशेष भूमिका निभाने पर हेमंत पांडे,नागेन्द्र मिश्रा,धर्माचार्य डॉ. मुरलीधर मिश्रा व हर साल की तरह इस साल भी सभी को सुन्दर अल्पाहार देने के लिए चंदू शुक्ला को रामनामी गमछा देकर सम्मान किया गया। समाज की ज्वलंत वैवाहिक समस्याओं के विषय में डॉ. आर. के.चौबे ने विस्तृत चर्चा की, संगठन को संगठित करने व नई रूप रेखा देने के लिए, विषय पर जोर दिए जाने पर भी चर्चा किए।

महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए खुलेगा 'बचत समूह मॉल'

सीएम ने रक्षाबंधन पर महिला बहनों को दिया तोहफा सरकार के कार्यकाल तक नहीं बंद होगी लाडकी योजना

महानगर संवाददाता

मुंबई

शनिवार को मुलुंड स्थित महाकवि कालिदास नाट्यगृह में रक्षाबंधन उत्सव का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्यमंत्री फडणवीस को भारी संख्या में बहनों से राखी बांधी। इस कार्यक्रम में सांस्कृतिक कार्य मंत्री आशीष शेलार, विधायक मिहिर कोटेचा के साथ-साथ स्थानीय जनप्रतिनिधि और विभिन्न गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। फडणवीस ने रक्षाबंधन के अवसर पर देश की अर्थव्यवस्था में महिलाओं के योगदान को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा

कि महिलाओं की 50 प्रतिशत भागीदारी के बिना राष्ट्र का सर्वांगीण विकास संभव नहीं है। बचत समूहों के माध्यम से महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए 10 जिलों में 'बचत समूह मॉल' बनाए जाएंगे। रक्षाबंधन के अवसर पर मुख्यमंत्री ने महिला बहनों को तोहफा दिया है। हिंदू परंपरा में रक्षाबंधन त्योहार के महत्व को स्पष्ट करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि यह केवल राखी का धागा नहीं है,बल्कि प्रेम का बंधन है। इसमें बहन का भाई के प्रति प्रेम व्यक्त होता है और भाई बहन की रक्षा की शपथ लेता है। लेकिन अब समय आ गया है कि भाई यह संकल्प लें कि वे अपनी बहन को इतनी सक्षम बनाएंगे कि वह न केवल अपनी, बल्कि अपने परिवार की भी रक्षा कर सके।

महिला सशक्तिकरण पर जोर

मुख्यमंत्री ने कहा कि महिला सशक्तिकरण के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ,जबकि मुद्रा योजना के लाभार्थियों में 60 प्रतिशत भागीदारी महिलाओं की हैं, जिससे लाखों महिलाओं को अपने पैरों पर खड़े होने में मदद मिली है। लखपति दीदी योजना के अंतर्गत महाराष्ट्र में पिछले वर्ष 25 लाख महिलाओं को 'लखपति दीदी' बनाने का लक्ष्य पूरा किया गया। इस वर्ष भी 25 लाख महिलाओं को और राज्य में कुल 1 करोड़ महिलाओं को 'लखपति दीदी' बनाने का लक्ष्य है। मुख्यमंत्री ने बताया कि महिलाओं द्वारा लिए गए ऋण की अदायगी 100 प्रतिशत होती है।

लड़कियों के लिए उच्च शिक्षा पूरी तरह नि:शुल्क

एक तरफ जहां 'मुख्यमंत्री माझी लाडकी बहिण योजना' बंद हो जाएगी ऐसी बार – बार चर्चा चल रही है इस बीच मुख्यमंत्री फडणवीस ने स्पष्ट किया कि अगले पांच साल तक यह योजना शुरू रहेगी। महिला बहनों को योजना का लाभ मिलता रहेगा। उन्होंने कहा कि सरकार ने लड़कियों के लिए उच्च शिक्षा पूरी तरह नि :शुल्क कर दी है। आज लड़कियां केजी से पीजी तक निशुल्क शिक्षा प्राप्त कर सकती हैं।

न्यायालय, न्याय, समानता और लोकतांत्रिक मूल्यों का प्रतिबिंब

न्यायालय मंदिर में सत्य की सदैव जीत होगी: एकनाथ शिंदे

महानगर संवाददाता

मुंबई

न्यायमूर्ति गिरीश कुलकर्णी ने कहा कि यह न्यायालय भवन अंबरनाथ जैसे जागरूक और गतिशील शहर में न्याय,समानता और लोकतांत्रिक मूल्यों का प्रतिबिंब होगा। शनिवार को चिखलोली-अंबरनाथ में सिविल जज जूनियर लेवल और न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी न्यायालय के साथ-साथ नए न्यायालय भवन का उद्घाटन करने के बाद मुंबई उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति गिरीश कुलकर्णी कार्यक्रम को सम्बोधित कर रहे थे। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री और ठाणे जिले के पालक मंत्री एकनाथ शिंदे भी उपस्थित थे। न्यायमूर्ति कुलकर्णी ने कहा कि बढ़ती जनसंख्या के कारण अंबरनाथ जैसे स्थान पर

इस न्यायालय की स्थापना से न्याय प्रशासन का कार्य तेज़ी से होगा। चिखलोली-अंबरनाथ स्थित यह न्यायालय भवन आधुनिक है और यहाँ विभिन्न आधुनिक सुविधाएँ उपलब्ध हैं। यह आधुनिक भवन 'न्याय आपके द्वार' की अवधारणा को साकार करने में सहायक होगा। उन्होंने कहा किउ मुझे आशा है कि अंबरनाथ जैसे जागरूक और गतिशील शहर में यह भवन न्याय, समानता और लोकतांत्रिक मूल्यों का प्रतिबिंब होगा।

न्यायालय मंदिर में सत्य की सदैव जीत होगी

शिंदे ने कहा कि यह न्यायालय भवन अत्यंत सुंदर और विशाल है। अंबरनाथ के नाम से प्रसिद्ध प्राचीन शिव मंदिर की तरह, यह न्यायालय भी एक पहचान बनेगा। इस न्यायालय मंदिर में सत्य की सदैव विजय होगी। राज्य में निष्पक्ष न्याय की परंपरा रही है। उन्होंने कहा कि हम विभिन्न उद्घाटन करते हैं, लेकिन किसी न्यायालय का उद्घाटन करना खुशी और संतुष्टि का विषय है।

दादर कबूतरखाने में दाना डालने वालों के खिलाफ दर्ज हुए 53 मामले

मुंबई। कबूतरों से होने वाले स्वास्थ्य जोखिमों को देखते हुए,मुंबई हाई कोर्ट ने शहर के कबूतरखानों में कबूतरों को दाना खिलाने वालों पर कार्रवाई करने के निर्देश मुंबई महानगरपालिका को दिए थे। मनपा ने 13 जुलाई से 8 अगस्त के बीच हुई दंडात्मक कार्रवाई में कुल 173 लोगों पर जुर्माना लगाया गया। इनमें सबसे अधिक मामले दादर कबूतरखाने के पास दर्ज हुए, जिनमें से मनपा ने 53 लोगों से 23,200 रुपए का जुर्माना वसूला है।

दंड लगाने वालों के मामले में मिली जानकारी के अनुसार गोरेगांव पश्चिम अंबे माता मंदिर के पास 15 मामलों में 7,500 रुपये और बांद्रा पश्चिम के बांद्रा तालाब कबूतरखाने के पास 18 मामलों में 9,000 रुपये का जुर्माना लगाया गया। महानगरपालिका ने विभिन्न वार्डों में भी कार्रवाई की, जिनमें जी दक्षिण वार्ड के पांडुरंग बुधकर मार्ग, गणपतराव कदम मार्ग, अंधेरी पूर्व के आर.के. सिंह रोड, विले पार्ले पूर्व हनुमान रोड और श्रद्धानंद रोड, मालाड पूर्व रानी सती रोड तथा बोरीवली पश्चिम फैक्टरी लेन शामिल हैं। स्वच्छता और स्वास्थ्य उपविधि 2006 के अनुसार, सार्वजनिक स्थान पर कबूतरों को दाना खिलाने पर 500 रुपये जुर्माना तय है। दादर कबूतरखाना पहले तिरपाल से ढका गया था, लेकिन जैन समाज के आंदोलन के बाद तिरपाल हटा दिया गया। इसे स्थायी रूप से बंद करने पर अभी कोई निर्णय नहीं लिया गया है।

स्थानीय निकाय चुनाव के लिए आघाड़ी नहीं: राउत

शिवसेना यूबीटी एमवीए से अलग होने की तैयारी में?

महानगर संवाददाता

मुंबई

शिवसेना यूबीटी के सांसद संजय राउत ने कहा कि लोकसभा चुनाव के लिए इंडिया गठबंधन और विधानसभा चुनाव के लिए महाविकास आघाड़ी बनी थी, लेकिन स्थानीय निकाय चुनावों को लेकर ऐसा कोई गठबंधन नहीं बना है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक महानगरपालिका और जिला परिषद चुनावों में फैसले स्थानीय स्तर होते हैं। इनमें कई बार राज्य के दल शामिल नहीं होते, ऐसे में चुनाव को लेकर फैसले स्थानीय नेता, शहर के पदाधिकारी लेते हैं। राउत के बयान से संकेत मिले हैं कि शिवसेना यूबीटी

महाविकास आघाड़ी (एमवीए) से अलग होने की तैयारी में है। राउत ने कहा कि मुंबई को बचाने के लिए यदि राज ठाकरे और उद्धव ठाकरे ने साथ आने का निर्णय लिया है, तो सभी उसका स्वागत करेंगे। राज ठाकरे और उद्धव ठाकरे का गठबंधन इंडिया आघाड़ी का विषय नहीं है। इस पर राष्ट्रीय स्तर पर चर्चा नहीं होती। यह दोनों बंधुओं का निर्णय है,जो राज और उद्धव ठाकरे ने लिया है। दो भाइयों के एक साथ आने पर किसी को भी आपत्ति नहीं है। कांग्रेस को भी आपत्ति करने का कोई कारण नहीं है। हालांकि इस बात की चर्चा है कि यदि मुंबई मनपा चुनाव में ठाकरे बंधु एक साथ आते हैं तो कांग्रेस और शिवसेना यूबीटी के बीच गठबंधन टूट सकता है। कांग्रेसी नेता भी दावा कर रहे है कि स्थानीय निकाय चुनाव में गठबंधन होने की संभावना बेहद कम है और इन चुनावों में गठबंधन का फैसला स्थानीय स्तर पर लिया जाएगा। उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाला शिवसेना गुट फिलहाल महाविकास आघाड़ी का हिस्सा है।

10 करोड़ रुपए के मेफेड्रोन नेटवर्क का भंडाफोड़, छापेमारी में पांच गिरफ्तार

मुंबई। पुलिस ने मुंबई और आसपास के इलाकों मालाड, जोगेश्वरी, दादर और डोंगरी में मादक पदार्थों की तस्करी करने के मामले में एक नाइजीरियाई नागरिक समेत पांच लोगों को गिरफ्तार कर उनके पास से 10.07 करोड़ कीमत का मेफेड्रोन (एमडी) ज़ब्त की है।

मुंबई पुलिस के एंटी-नारकोटिक्स सेल (एएनसी) ने शहर में एक बड़े मेफेड्रोन (एमडी) आपूर्ति नेटवर्क का भंडाफोड़ कर पांच लोगों को गिरफ्तार कर उनसे 10.07 करोड़ रुपये मूल्य के मादक पदार्थ जब्त करने का दावा किया है।

एएनसी अधिकारियों के अनुसार पहली सफलता घाटकोपर यूनिट ने जोगेश्वरी पश्चिम में गश्त के दौरान एक संदिग्ध को 504 ग्राम एमडी ले जाते हुए पकड़ा। उसके सहयोगी को जल्द ही गिरफ्तार कर लिया गया,जिसके पास से 518 ग्राम बरामद हुआ। दोनों गिरफ्तारियों में 2.55 करोड़ रुपये मूल्य के नशीले पदार्थ जब्त किए गए। वहीं, सात अगस्त को एक गुप्त सूचना पर कार्रवाई करते हुए एएनसी की बांद्रा इकाई ने मालाड पूर्व में पठानवाड़ी में छापा मारा और एमडी बेचते हुए एक व्यक्ति को पकड़ा। उसी दिन एक अलग अभियान में वर्ली इकाई ने दादर पश्चिम में एक अन्य संदिग्ध को 1.72 करोड़ रुपये मूल्य की 690 ग्राम एमडी के साथ गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार सबसे अहम गिरफ्तारी तब हुई जब बांद्रा पुलिस की चल रही जांच के दौरान नवी मुंबई के एमआईडीसी इलाके में एक नाइजीरियाई नागरिक को पकड़ा गया, जिसके पास से 2.56 करोड़ रुपये की एमडी बरामद हुई।

सीमा शुल्क अधिकारियों ने कई तस्करों को पकड़ा

महानगर संवाददाता

मुंबई

छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे (सीएसएमआईए) पर सीमा शुल्क अधिकारियों ने शनिवार को बैंकॉक से आये एक यात्री को जीवित वन्यजीवों की तस्करी के आरोप में गिरफ्तार कर लिया। आरोपी की पहचान शारुखन मोहम्मद हुसैन के रूप में हुई है, उसने अपने ट्रॉली बैग में जानवरों को छिपाया हुआ था। अधिकारियों ने हुसैन के बैग से दो किंकाजू (पोटोस फ्लेवस), दो पिग्मी मार्मोसेट (सेबुएला प्रजाति) और 50 एल्बिनो रेड-ईयर स्लाइडर कछुये बरामद किये। किंकाजू और पिग्मी मार्मोसेट लुप्तप्राय प्रजातियों के अंतरराष्ट्रीय व्यापार सम्मेलन (सीआईटीईएस) और भारत के वन्यजीव संरक्षण अधिनियम, 1972 के तहत संरक्षित हैं, जबकि एल्बिनो रेड-ईयर स्लाइडर इन संरक्षित श्रेणियों में नहीं आते हैं।

हुसैन को सीमा शुल्क अधिनियम, 1962 और वन्यजीव संरक्षण अधिनियम, 1972 की संबंधित धाराओं के तहत गिरफ्तार कर लिया गया है और तस्करी के संबंध में व्यापक जांच की जा रही है।

मुंबई हवाई अड्डे के सीमा शुल्क विभाग ने अन्य अभियानों में भी बड़ी मात्रा में प्रतिबंधित सामान जब्त किया। अधिकारियों ने गुरुवार को खुफिया जानकारी के आधार पर एक एयरलाइन कर्मचारी को रोका और उसके पास से तीन किलो 24 कैरेट सोना बरामद किया। 2.78 करोड़ रुपये मूल्य का यह सोना चूर्ण रूप में मोम के साथ मिला हुआ था और एक विशेष रूप से डिज़ाइन की गयी बेल्ट में छह कैप्सूल जैसी आकृतियों में छिपाया गया था।

भिवंडी पालिका ने शहीद स्मारक पर पुष्पचक्र अर्पित कर मनाया क्रांति दिवस

भिवंडी। भिवंडी-निजामपुर शहर महानगर पालिका प्रशासन ने शनिवार, 09 अगस्त को क्रांति दिवस के अवसर पर शहीद स्मारक पर पुष्पचक्र अर्पित कर वीर सपूतों को नमन किया। यह कार्यक्रम पालिका के प्रशासक एवं आयुक्त अनमोल सागर के निर्देशानुसार तथा "हर घर तिरंगा अभियान" के अंतर्गत आयोजित किया गया। पालिका की ओर से सहायक आयुक्त एवं प्रभाग अधिकारी (प्रभाग समिति क्र. 5) बालाराम जाधव और सहायक आयुक्त (प्रशासन) अजित महाडिक ने शहीद स्मारक पर पुष्पचक्र अर्पित किया। इस अवसर पर सहायक आयुक्त एवं प्रभाग अधिकारी (प्रभाग समिति क्र. 1) मकसुम शेख, (प्रभाग समिति क्र. 2) माणिक जाधव, कार्यकारी अभियंता (पानी आपूर्ति) संदीप पटणावर, मुख्य अग्निशमन अधिकारी राजेश पवार, कार्यकारी अभियंता (विद्युत विभाग) सिद्दीक काज़ी, उप अभियंता (विद्युत विभाग) ज्ञानेश्वर वाघमारे, परवाना विभाग प्रमुख स्नेहल पुण्यार्थी, प्रभाग समिति क्र. 1 के कार्यालयीन अधिकारी लक्ष्मण कोकणी, खेल एवं सांस्कृतिक विभाग प्रमुख मिलिंद पलसुले, मुख्य स्वास्थ्य अधिकारी जयवंत सोनावणे सहित पालिका के कई कर्मचारी बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

एक बार फिर 'चले जाओ' नारे की जरूरत: सपकाल

अगस्त क्रांति दिवस पर कांग्रेस की पदयात्रा

मुंबई। अगस्त क्रांति दिवस के अवसर पर गिरगांव चौपाटी स्थित लोकमान्य तिलक की प्रतिमा से कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाल और राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के प्रपौत्र तुषार गांधी के नेतृत्व में अगस्त क्रांति मैदान तक पदयात्रा निकाली गई। ग्वालिया टैंक पर स्वतंत्रता संग्राम और भारत छोड़ो आंदोलन के शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस मौके पर सपकाल ने कहा कि आज के दिन 1942 में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने करो या मरो का मंत्र देते

हुए जुल्मी अंग्रेजों के खिलाफ 'चले जाओ' का नारा दिया था। आज देश में वही स्थिति है, तानाशाही प्रवृत्ति पनप रही हैं और वे लोकतंत्र व संविधान को निगलना चाहती हैं। आज इन प्रवृत्तियों के खिलाफ आवाज उठाने की जरूरत है। मीडिया से बात करते हुए सपकाल ने कहा कि आज महात्मा गांधी का संदेश और देश को आजादी कैसे मिली, उसकी याद सभी को होनी चाहिए। स्वतंत्रता के लिए बड़ा संघर्ष करना पड़ा और लंबे संघर्ष के बाद हमें आजादी मिली, लेकिन आज देश की परिस्थिति देखते हुए एक बार फिर 'चले जाओ' का नारा देने की ज़रूरत है ।

भिवंडी मनपा का टेंडर घोटाला

पूर्व नगरसेवक ने जांच व नई निविदा की मांग की

भिवंडी। भिवंडी मनपा की निविदा प्रक्रिया एक बार फिर विवादों में आ गई है। पूर्व नगरसेवक अरुण राउत ने आरोप लगाया है कि फेब्रिकेशन के नाम पर स्क्रैप नीलामी की निविदा निकालकर कुछ चुनिंदा ठेकेदारों को फायदा पहुंचाने की कोशिश की गई। उनका कहना है कि प्रक्रिया को जानबूझकर जटिल और अपारदर्शी बनाया गया, जिससे अधिकांश इच्छुक बोलीदाता बाहर हो गए।मामला 8 जुलाई 2025 को जारी निविदा सूचना क्रमांक 1/2025 (ई-निविदा संख्या 1198555) से जुड़ा है, जिसमें मनपा के निर्माण, जलापूर्ति और विद्युत विभाग की अनुपयोगी स्क्रैप सामग्री की नीलामी होनी थी। स्क्रैप का निरीक्षण करने के लिए लगभग 25 ठेकेदारों ने भंडारगृह का दौरा किया और आवश्यक प्रमाणपत्र भी प्राप्त किया। राउत और उल्हासनगर की दीपक ट्रेडर्स का आरोप है कि यह टेंडर सीधे स्क्रैप बिक्री के लिए होना चाहिए था, लेकिन इसे फेब्रिकेशन के नाम पर निकाला गया। साथ ही, बीओक्यू (बिल ऑफ क्वांटिटी) में तकनीकी गड़बड़ी के चलते कई इच्छुक ठेकेदार अपने रेट दर्ज ही नहीं कर पाए। नतीजतन 20 से अधिक इच्छुक बोलीदाताओं में से केवल 7 ने हिस्सा लिया और उनमें से सिर्फ 3 को वैध माना गया।

ठाणे के मेंटल अस्पताल में रक्षाबंधन मनाया गया

19वें वर्ष भी बंधी प्यार की डोर

ठाणे। सालों से चली आ रही परंपरा को निभाते हुए विठाई प्रतिष्ठान ने इस वर्ष भी प्रादेशिक मनोरुग्णालय ठाणे में रक्षाबंधन का कार्यक्रम बड़े उत्साह और गरिमा के साथ मनाया। यह 19वां वर्ष था जब प्रतिष्ठान के अध्यक्ष अभिजीत कमलाकर चव्हाण के नेतृत्व में इस पर्व को मरीजों के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में आनंद विश्व गुरुकुल और राष्ट्रीय सेवा योजना के 50 विद्यार्थी उपस्थित रहे। अभिजीत चव्हाण ने कहा कि इस आयोजन से उन्हें जीवन में नई ऊर्जा और प्रेरणा मिलती है। चूंकि अस्पताल में भर्ती लोग अपने घर जाकर त्योहार नहीं मना सकते,

इसलिए विठाई प्रतिष्ठान हर साल उनके साथ यह पर्व मनाकर इसकी पवित्रता बनाए रखता है। उन्होंने कहा कि इस कार्यक्रम से समाज के अलग-अलग रंग देखने को मिलते हैं और मरीज पूरे वर्ष रक्षाबंधन की प्रतीक्षा करते हैं। उन्होंने राष्ट्रीय सेवा योजना के माध्यम से नई पीढ़ी को भी ऐसे सामाजिक कार्य करने की शुभकामनाएं दीं और प्रादेशिक मनोरुग्णालय प्रशासन का सहयोग देने के लिए आभार व्यक्त किया। उपअधीक्षक डॉ. ममता ने विठाई प्रतिष्ठान का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इतने वर्षों से लगातार यह आयोजन करना सराहनीय है और ऐसे सामाजिक उपक्रम तथा हिंदू त्योहारों की जागरूकता मनोरुग्णालय में भी जरूरी है। कार्यक्रम में विक्रांत महाडिक, तुषार सावंत, श्रीकांत पाटील, सचिन भाजीभाकरे, रात्र महाविद्यालय की प्राचार्य हर्षाला लिखिते, एलएलबी महाविद्यालय के प्राचार्य सुयश प्रधान सहित अन्य मान्यवर उपस्थित थे।

उल्हासनगर मनपा के संपत्ति कर भुगतान केंद्रों की हालत जर्जर

दीमक और चूहों से कर्मचारी परेशान

उल्हासनगर। मनपा द्वारा नागरिकों की सुविधा के लिए बनाये गये 21 संपत्ति कर (टैक्स) भुगतान केंद्रों में से 16 केंद्र दीमक, कीड़े और चूहों के कारण जर्जर हो गये हैं। इस वजह से इन केंद्रों में काम करने वाले कर्मचारियों को जान हथेली पर रखकर काम करना पड़ रहा है। इस चौंकाने वाले मामले का खुलासा 'एक हाथ मदतीचा' नामक सामाजिक संस्था के अध्यक्ष विजय कदम ने किया है,उन्होंने उपायुक्त विशाखा मोटघरे को एक ज्ञापन के माध्यम से इन कैबिन्स की खराब स्थिति पर ध्यान आकर्षित किया है। लगभग 16 साल पहले, संपत्ति कर का भुगतान करने के लिए नागरिकों को मनपा कार्यालय आना पड़ता था, जिससे उनका यात्रा खर्च होता था. इस खर्च को बचाने और नागरिकों को सुविधा प्रदान करने के लिए, तत्कालीन मनपा आयुक्त समीर उन्हाले के कार्यकाल में 2009 में कैंप नंबर 1 से 5 तक 21 कर भुगतान केंद्र स्थापित किये गये थे. ये केंद्र बाहर से टीन और अंदर से प्लाइवुड के बने थे, जिनमें नीचे टाइल्स लगाई गई थीं। नतीजतन,बिड़ला गेट, साधुबेला, नेहरू चौक, सुभाष टेकरी, गुरुनानक चौक, वीनस चौक, शोभराज गार्डन, सी ब्लॉक, शांतिनगर, ऑक्सीपार्क, इंदिरा गांधी भाजी मार्केट, राधास्वामी, सपना गार्डन, उल्हासनगर रेलवे स्टेशन पश्चिम जैसे 16 केंद्रों को चूहों ने खोखला कर दिया है।

पश्चिम रेलवे

रेट्रोफिट उत्सर्जन नियंत्रण उपकरण का प्रावधान

वरि. डीईई/पी/बीसीटी, मुंबई सेंट्रल, मुंबई द्वारा **निविदा सूचना क्र. : ईएल-81-922-डब्ल्यूए-38, दिनांक 07.08.2025** आमंत्रित की जाती है. **कार्य एवं स्थान :** मुंबई मंडल – डीजी सेट्स से हानिकारक उत्सर्जन को कम करने के लिए "रेट्रोफिट उत्सर्जन नियंत्रण उपकरण" (आरईसीडी) का प्रावधान. **कार्य की अनुमानित लागत :** ₹ 1,35,40,500/-. **ईएमडी :** ₹ 2,17,700/-. **जमा करने की तिथि एवं समय :** 10.09.2025 को 15.00 बजे तक. **खुलने की तिथि एवं समय :** 10.09.2025 को 15.30 बजे. अधिक जानकारी के लिए कृपया हमारी वेबसाइट **www.ireps.gov.in** का अवलोकन करें. 0478

हमें लाइक करें: facebook.com/WesternRly

पश्चिम रेलवे

जलभराव कार्यों का ड्रेनेज सुधार

मंडल रेल प्रबंधक (डब्ल्यूए), पश्चिम रेलवे, मुंबई सेंट्रल – मुंबई – 400008 द्वारा निम्नलिखित निविदा आमंत्रित की जाती है. **अ.क्र. : 1. निविदा सूचना क्र. : बीसीटी/25-26/176, दिनांक : 08.08.2025. कार्य एवं स्थान :** उकाई सोनगढ – जलगांव अनुभाग – (i) एडीईएन-अमलनेर अनुभाग अंतर्गत एलसी क्र. 137 और 145 के निष्कासन हेतु एलएचएस/आरयूबी में जलजमाव से बचाव हेतु ड्रेन सुधार कार्य. (ii) एडीईएन-अमलनेर अनुभाग अंतर्गत एलएचएस क्र. 127, 133, 134, 138, 139 एवं 152 पर अप्रोच सड़क का सुधार तथा ड्रेन का प्रावधान. कार्य की **अनुमानित लागत :** ₹ 7,74,16,355.57. **ईएमडी :** ₹ 5,37,100/. **अ.क्र. : 2. निविदा सूचना क्र. : बीसीटी/25-26/177, दिनांक : 08.08.2025. कार्य एवं स्थान :** उकाई सोनगढ़-जलगांव अनुभाग – (i) एडीईएन (पूर्व) नंदूरबार अनुभाग अंतर्गत मानसून के दौरान जलजमाव से बचाव हेतु एलसी क्र. 76, 77, 85, 86 तथा 87 के बदले में आरयूबीज् का ड्रेनेज सुधार का कार्य. (ii) एडीईएन (पूर्व) नंदूरबार अनुभाग अंतर्गत मानसून के दौरान जलजमाव से बचाव हेतु एलसी क्र. 98, 100 तथा 101 के बदले में आरयूबीज् का ड्रेनेज सुधार का कार्य. **कार्य की अनुमानित लागत :** ₹ 4,51,58,238.42. **ईएमडी :** ₹ 3,75,800/-. **दोनों निविदाएं जमा करने की तिथि एवं समय :** 02.09.2025, 15.00 बजे तक. **दोनों निविदाएं खुलने की तिथि एवं समय :** 02.09.2025 को 15.30 बजे. अधिक जानकारी के लिए कृपया हमारी वेबसाइट **www.ireps.gov.in** का अवलोकन करें. 0480

हमें लाइक करें: facebook.com/WesternRly

नाम परिवर्तन

मैं, स्व. वसंत नामदेव आहेर (पूर्व सैनिक, सेना क्रमांक 01256727W, रैंक – NK), निवास – वडालीभोई, तालुका – चांदवड, जिला – नाशिक इनकी पत्नी मीना वसंत आहेर सूचित करती हूँ की मेरे पती की सेवा से संबंधित दस्तावेजों में मेरा नाम 'मीना' दर्ज किया गया है।आधार कार्ड के नुसार मेरा सही नाम "मीना वसंत आहेर" है, जो शपथ पत्र क्रमांक - 35AB248650 दिनांक 21/07/2025 के अनुसार प्रमाणित है।

कोस्टल रोड: खुले स्थानों के उपयोग पर मनपा ने अभी तक नहीं लिया फैसला

मुंबई। आरटीआई में यह खुलासा हुआ है कि मनपा प्रशासन अभी तक कोस्टल रोड के किनारे विकसित होने वाले प्रमुख खुले स्थान के उपयोग से जुड़ी कई अहम बातों पर अभी तक फैसला नहीं लिया है। इसमें प्रवेश और निकास बिंदु, पार्किंग सुविधा, शौचालय और संचालन के समय जैसे मुद्दे शामिल हैं। ब्रीच कैंडी निवासी निगम लखानी ने मनपा से यह जानकारी मांगी कि कोस्टल रोड परिसर में खुले स्थान जो समुद्र की भराई से तैयार हुआ इसको लेकर मनपा अभी तक कोई निर्णय नहीं लिया है। उल्लेखनीय है कि मनपा ने खुली ही जमीन जो कि लगभग 70 हेक्टेयर भूमि को खुले स्थान के रूप में विकसित करने और रखरखाव का कार्य 30 साल के लिए रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड को सौंपा गया है। जिसे आपसी सहमति से 30 साल और बढ़ाया जा सकता है। अधिकारियों का अनुमान है कि इतने बड़े पैमाने पर इस परियोजना पर लगभग 1,000 करोड़ रुपए का खर्च आ सकता है। आरटीआई में यह भी सामने आया कि स्थानीय निवासियों से अब तक इस भूमि के विकास को लेकर कोई सुझाव नहीं मांगे गए हैं और न ही साइट के डिजाइन या लेआउट की कोई योजना तैयार की गई है। यह जानकारी मुख्य अभियंता (कोस्टल रोड) के कार्यालय ने दी।

एयरपोर्ट पर सर्वर डाउन

निजी विमानन कंपनियों को बड़ा वित्तीय झटका

महानगर संवाददाता

मुंबई

मुंबई एयरपोर्ट पर सर्वर डाउन होने से यात्रियों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। खास बात यह है कि उड़ानें भी देरी से चल रही हैं। इस तकनीकी समस्या के कारण इंडिगो, एयर इंडिया, अकासा, विस्तारा जैसी एयरलाइन कंपनियों को भारी वित्तीय और अन्य नुकसान का सामना करना पड़ा। तकनीकी खराबी के कारण मुंबई एयरपोर्ट पर यात्रियों की भीड़ धीरे-धीरे बढ़ती ही जा रही थी।

पूरी चेक-इन और बोर्डिंग प्रक्रिया 'मैनुअल मोड' पर

जानकारी के अनुसार,मुंबई के इस अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर सर्वर डाउन होने के कारण पूरी चेक-इन और बोर्डिंग प्रक्रिया 'मैनुअल मोड' पर कर दी गई है। इसके कारण यात्रियों के सामान की जांच में समय लग रहा है। इस तकनीकी खराबी का पता चलते ही अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे का प्रशासन इस समस्या के समाधान के लिए युद्ध स्तर पर प्रयास किया।

खराबी को जल्द से जल्द ठीक करने का प्रयास

खबर लिखे जाने तक हवाई अड्डे की आईटी और कोर टीम द्वारा नेटवर्क को दुरुस्त करने के प्रयास किए जा रहे थे। सभी विभागों को एसओपी के अनुसार 'इमरजेंसी' प्रक्रियाओं को लागू करने के निर्देश दिए गए हैं। मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर सर्वर में आई खराबी का सही कारण अभी तक पता नहीं चल पाया है। हालांकि, बताया जा रहा है कि सर्वर अचानक क्रैश हो गया, जबकि सभी सिस्टम सुचारू रूप से चल रहे थे। हवाई अड्डे की आईटी टीम वास्तविक समस्या का पता लगाने की कोशिश कर रही थी। बताया जा रहा है कि जल्द ही सर्वर में आई खराबी को ठीक कर लिया जाएगा और सभी सिस्टम बहाल कर दिए जाएंगे। हालांकि, यात्रियों को इन सभी प्रक्रियाओं में दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है और उन्हें परेशानी झेलनी पड़ रही है।

हिमालय में अनियंत्रित विकास नहीं, वैज्ञानिक संतुलन की आवश्यकता

उत्तराखंड के उत्तरकाशी जिले के धराली गांव में अगस्त 2025 में आई भीषण बाढ़ ने एक बार फिर यह स्पष्ट कर दिया है कि पर्वतीय क्षेत्रों में अंधाधुंध और असंवेदनशील विकास किस प्रकार विनाश को आमंत्रित कर रहा है। धराली की यह त्रासदी मात्र एक स्थानीय प्राकृतिक आपदा नहीं थी बल्कि हिमालय क्षेत्र में हो रहे जलवायु परिवर्तन, बेतरतीब निर्माण, वनों की कटाई, नदियों के प्राकृतिक प्रवाह में अवरोध और वैज्ञानिक चेतावनियों की अनदेखी का प्रत्यक्ष परिणाम थी। यह घटना पूरे भारतीय हिमालय की उस त्रासद श्रृंखला की अगली कड़ी है जो केदारनाथ, चमोली, जोशीमठ और सिक्किम जैसी आपदाओं से लगातार बनी हुई है। धराली में जिस बाढ़ ने दर्जनों भवनों, होमस्टे, दुकानों और होटलों को मलबे में तब्दील कर दिया, वह महज आकस्मिक नहीं थी। स्थानीय भूगर्भ वैज्ञानिकों के अनुसार, यह क्षेत्र न केवल भूकंपीय दृष्टि से संवेदनशील है बल्कि इस गांव के नीचे से बहने वाली नदी के किनारे बनाए गए अधिकांश निर्माण फ्लड प्लेन यानी बाढ़ क्षेत्र में स्थित थे। परंपरागत पहाड़ी घर सदियों से ढलानों पर बनाए जाते रहे हैं ताकि वे बाढ़ और भूस्खलन से बचे रहें किंतु आधुनिक पर्यटन आधारित अर्थव्यवस्था ने इन नियमों को ताक पर रखकर "वॉटरफ्रंट" सुविधा के नाम पर घाटी के सबसे निचले हिस्से को व्यवसायिक उपयोग में ला दिया। धराली की त्रासदी कोई पहली चेतावनी नहीं है। वर्ष 2013 में उत्तराखंड के केदारनाथ क्षेत्र में आई जलप्रलय ने लगभग छह हजार लोगों की जान ली थी। यह आपदा एक जलवायु-संबंधित तीव्र वर्षा, ग्लेशियर झील के विस्फोट और मंदाकिनी नदी के अचानक उफान का घातक संयोग थी। इसके पश्चात 2021 में चमोली जिले के रैणी गांव के पास ऋषिगंगा नदी में एक हिमखंड के गिरने से अचानक बाढ़ आई जिसने निर्माणाधीन पनबिजली परियोजनाओं को तबाह कर दिया और 200 से अधिक लोगों की जान चली गई। इस घटना में स्पष्ट रूप से ग्लेशियर के पिघलने और पर्वतीय पारिस्थितिकी के असंतुलन की भूमिका सामने आई। फिर 2023 में जोशीमठ शहर की भूमि में दरारें और धंसाव की घटनाएं हुईं जिससे हजारों लोग विस्थापित हुए। वहां की वैज्ञानिक रिपोर्टों में बताया गया कि यह संकट भूमिगत जलस्रोतों में बदलाव, अनियोजित निर्माण और पर्वतीय ढालियों के अत्यधिक दोहन का परिणाम था। केवल उत्तराखंड ही नहीं, सम्पूर्ण हिमालय क्षेत्र ऐसी ही आपदाओं की गिरफ्त में है। वर्ष 2023 में सिक्किम की लोनक झील फटने से अचानक आई बाढ़ ने कई गांवों को तबाह कर दिया। यह झील एक ग्लेशियल लेक थी जो लगातार पिघलते हिमनद के कारण बढ़ती जा रही थी और अंततः अपने ही भार से टूट गई। वैज्ञानिक इसे ग्लेशियल लेक आउटबर्स्ट फ्लड (GLOF) कहते हैं। 2022 में उत्तरकाशी के द्रौपदी का डांडा ग्लेशियर क्षेत्र में हिमस्खलन से 27 पर्वतारोहियों की मौत हुई जो भारत की अब तक की सबसे बड़ी पर्वतारोहण दुर्घटना थी। इससे पहले 1998 में मालपा गांव में हुए भूस्खलन में 221 लोग मारे गए थे जिनमें कैलाश मानसरोवर यात्रा पर जा रहे तीर्थयात्री भी शामिल थे। इन आपदाओं की पृष्ठभूमि में सबसे बड़ी भूमिका जलवायु परिवर्तन की है। भारतीय हिमालय में स्थित लगभग 9,575 हिमनदों में से बड़ी संख्या तेजी से पिघल रही है। शोध बताते हैं कि बीसवीं सदी के मुकाबले इक्कीसवीं सदी में हिमालयी ग्लेशियर दोगुनी गति से सिकुड़ रहे हैं। इससे पर्वतीय नदियों में अचानक जलप्रवाह बढ़ जाता है और नई-नई झीलें बन रही हैं जो कभी भी फट सकती हैं। 2020 में प्रकाशित एक अध्ययन के अनुसार हिमालय में 3,000 से अधिक ग्लेशियल झीलें जोखिम की श्रेणी में हैं जिनमें से लगभग 200 झीलों से तात्कालिक खतरा है। यदि इनका विस्फोट हुआ तो घाटियों में बसे नगर और गांव जलप्रलय की चपेट में आ सकते हैं। इसके साथ ही विकास परियोजनाएं भी समस्या को बढ़ा रही हैं। उत्तराखंड में चल रही चारधाम ऑल वेदर रोड परियोजना के तहत 889 किलोमीटर लंबी सड़कों का निर्माण किया जा रहा है। इस परियोजना की समीक्षा में वैज्ञानिकों ने बताया कि पहाड़ों की कटाई अत्यंत खड़ी ढालियों पर की गई है जिससे बड़े पैमाने पर भूस्खलन की घटनाएं बढ़ी हैं। वर्ष 2023 में प्रकाशित एक रिपोर्ट में कहा गया कि इस परियोजना के कारण 811 से अधिक भूस्खलन सक्रिय हो चुके हैं। पहाड़ियों को 80 डिग्री तक की ढाल पर काटा गया जो इंजीनियरिंग सिद्धांतों के अनुसार भी अस्वीकार्य है। साथ ही साथ वनों की कटाई ने भी संकट को और गहराया है। वनों की अनुपस्थिति में वर्षा का जल सीधा ढलानों से बहकर नदी में चला जाता है जिससे तलछट बढ़ती है और जलधाराओं का मार्ग अवरुद्ध होता है। पारंपरिक जलस्रोत जैसे धाराएं और गूलें सूखती जा रही हैं। पर्वतीय जलसंकट भी अब एक नई आपदा बन चुका है जिससे पहाड़ों के समाज को स्थायी रूप से विस्थापन की ओर धकेला जा रहा है। इन सभी घटनाओं से स्पष्ट है कि हिमालय कोई साधारण पर्वत श्रृंखला नहीं है. यह एक "जीवित पर्वत" है जो अभी भी भूगर्भीय दृष्टि से सक्रिय है। भारत और यूरेशिया प्लेटों की टक्कर से उठे इस पर्वत की चट्टानें अभी भी आकार ले रही हैं जिसका परिणाम है कि यह इलाका भूकंपीय दृष्टि से सबसे अधिक संवेदनशील है। उत्तराखंड, हिमाचल, सिक्किम और अरुणाचल प्रदेश के अधिकांश भाग भूकंपीय क्षेत्र-चार में आते हैं। ऐसे में यहां कोई भी निर्माण कार्य अत्यंत सावधानीपूर्वक और वैज्ञानिक निगरानी में ही किया जाना चाहिए। भारत के सर्वोच्च न्यायालय ने हाल ही में एक हिमाचल मामले में टिप्पणी की कि केवल राजस्व की प्राप्ति विकास का उद्देश्य नहीं हो सकती। विकास की योजनाएं पर्यावरण और पारिस्थितिकी की कीमत पर नहीं बननी चाहिए। न्यायालय ने यह भी कहा कि पहाड़ी राज्यों में नए निर्माण कार्यों में भूगर्भीय सर्वेक्षण, पारंपरिक ज्ञान और स्थानीय समुदायों की सहमति को महत्व दिया जाना चाहिए। आज आवश्यकता इस बात की है कि हिमालयी क्षेत्र में होने वाले विकास कार्यों का एक वैज्ञानिक ऑडिट किया जाए। प्रत्येक सड़क, सुरंग, बांध या होटल परियोजना से पहले उसका भूगर्भीय, पारिस्थितिकीय और जलवायु प्रभाव का आकलन अनिवार्य हो।

कटाक्ष | सुरेश मिश्र

मोदी-ट्रंप विवाद में, कूदे जिनपिंग भाय
देख-देख कर दृश्य यह, पुतिन रहे मुसकाय
पुतिन रहे मुसकाय, उधर इजरायल वाला
लगा रहा है आज, ट्रंप के मुंह पर ताला
कह सुरेश कविराय हंसे सारे अवरोधी
इनका भी करिए इलाज अब भइया मोदी

दोहरे मानदंडों से भरी अमेरिकी नीति

> अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप मनमाने टैरिफ लगाकर देशों को आर्थिक रूप से झुकाने की कोशिश कर रहे हैं। भारत पर 25 फीसदी टैरिफ लगाने के बाद अतिरिक्त 25 फीसदी टैरिफ की घोषणा ने इस दादागिरी को और स्पष्ट कर दिया है, यानी कुल मिलाकर 50 फीसदी का टैरिफ यह न सिर्फ व्यापारिक प्रतिस्पर्धा को प्रभावित करेगा, बल्कि वैश्विक व्यापार संतुलन पर भी असर डालेगा।

दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में से एक होने के कारण अमेरिका लंबे समय से वैश्विक आर्थिक नीतियों पर दबदबा बनाए हुए है। यह दबदबा अब खुलेआम दादागिरी का रूप ले चुका है, खासकर जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप मनमाने टैरिफ लगाकर देशों को आर्थिक रूप से झुकाने की कोशिश कर रहे हैं। भारत पर 25 फीसदी टैरिफ लगाने के बाद अतिरिक्त 25 फीसदी टैरिफ की घोषणा ने इस दादागिरी को और स्पष्ट कर दिया है, यानी कुल मिलाकर 50 फीसदी का टैरिफ यह न सिर्फ व्यापारिक प्रतिस्पर्धा को प्रभावित करेगा, बल्कि वैश्विक व्यापार संतुलन पर भी असर डालेगा। ट्रंप को भारत द्वारा रूस से तेल खरीदने पर आपत्ति है जबकि विडंबनायह है कि चीन भी यही कर रहा है और अमेरिका स्वयं रूस से यूरेनियम और खाद खरीद रहा है, यानी सिद्धांत और व्यवहार में अमेरिकी नीति दोहरे मानदंडों से भरी है। सवाल यह है कि भारत क्यों अपने हितों को ताक पर रखकर अमेरिकी दबाव में काम करे? कल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की भारत पर टैरिफ बढ़ोतरी के एलान के बाद पहली बार एमएस स्वामीनाथन शताब्दी अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में प्रतिक्रिया ने भारत के अडिग रुख को और मजबूती से सामने रखा है। उससे भारत का अडिग रवैया परिलक्षित हो रहा है। मोदी ने साफ कह दिया है कि हमारे लिए, हमारे किसानों का हित सर्वोच्च प्राथमिकता है, चाहे उसके लिए कोई भी कीमत चुकानी पड़े। भारत किसानों, मछुआरों और डेयरी किसानों के हितों से कभी समझौता नहीं करेगा। यह वक्तव्य बताता है कि भारत अब वैश्विक दबावों के आगे नतमस्तक नहीं होगा। यूनाइटेड स्टेट्स ट्रेड रिप्रेजेंटेटिव (यूएसटीआर) के आंकड़ों के अनुसार भारत-अमेरिका के बीच वार्षिक व्यापार 11 लाख करोड़ रुपये का है। भारत अमेरिका को 7.35 लाख करोड़ रुपये का निर्यात करता है जिसमें दवाइयाँ, दूरसंचार उपकरण, जेम्स-एंड- ज्वेलरी, पेट्रोलियम, इलेक्ट्रॉनिक्स, इंजीनियरिंग उत्पाद और वस्त्र

शामिल हैं। वहीं, अमेरिका से भारत 3.46 लाख करोड़ रुपये का आयात करता है जिसमें कच्चा तेल, कोयला, हीरे, विमान व अंतरिक्ष यानों के पुर्जे शामिल हैं। लेकिन यहां चिंता की बात यह है कि चीन, वियतनाम, बांग्लादेश और इंडोनेशिया जैसे देशों पर अमेरिका ने इतना भारी शुल्क नहीं लगाया है, जिससे उनके उत्पाद भारतीय उत्पादों की तुलना में अमेरिकी बाजार में सस्ते पड़ेंगे। फिर भी, मोदी सरकार का रवैया दृढ़ है। साठ के दशक में हम गेहूं, दूध के लिए भी अमरीका पर निर्भर थे लेकिन लगता है ट्रंप ने उन दिनों लिखी गई कोई किताब ताजा मानकर पढ़ ली है। उन्हें आज भी पुराना भारत दिख रहा है जिसे वह झुकाने की सोच रहे हैं। उन्हें यह समझ में आ जाना चाहिए कि अब भारत पहले वाला भारत नहीं रहा है। वह आत्मनिर्भर एवं विश्व में तेजी से बढ़ती हुई अर्थ व्यवस्था है। भारत का पूरे विश्व में दबदबा बढ़ रहा है। उद्योग जगत भी इस दबाव को एक अवसर के रूप में देख रहा है। उद्योगपति हर्ष गोयनका का कहना है कि अमेरिका निर्यात पर टैरिफ लगा सकता है लेकिन हमारी संप्रभुता पर नहीं। आनंद महिंद्रा ने तो यह भी कहा कि जैसे 1991 के विदेशी मुद्रा संकट ने उदारीकरण की राह खोली थी, वैसे ही यह टैरिफ संकट भी हमें आत्मनिर्भरता की दिशा में गति दे सकता है। ललित मोदी ने एक सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए ट्रंप को 2023 की उस रिपोर्ट की याद दिलाई है जो अमेरिका की कंपनी गोल्डमैन सैक्स ने ही जारी की थी। गौरतलब है कि गोल्डमैन सैक्स ने इस रिपोर्ट में कहा था कि भारत 2075 तक दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है जो न केवल जापान और जर्मनी, बल्कि संयुक्त राज्य अमेरिका को भी पीछे छोड़ देगा। रिपोर्ट में अनुमान है कि 2075 तक भारत की जीडीपी 52.5 ट्रिलियन डॉलर होगी जो चीन के 57 ट्रिलियन डॉलर से कम लेकिन अमेरिका के 51.5 ट्रिलियन डॉलर से अधिक होगी। वर्तमान में, भारत दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है और तेजी से आगे बढ़ रही है। अमेरिका की आर्थिक दादागिरी कोई नई बात नहीं है। प्रथम विश्व युद्ध के बाद से ही वह वैश्विक आर्थिक नीतियों में अपनी शर्तें थोपता आया है लेकिन अब हालात बदल रहे हैं। चीन पहले ही उसके दबाव में नहीं आ रहा और अब भारत भी साफ संकेत दे रहा है कि उसकी प्राथमिकता अपने राष्ट्रीय हित हैं। हाल ही में ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारत-पाक युद्ध रोकने का श्रेय लेने की अमेरिकी कोशिश को भारत ने सिरे से खारिज कर दिया। यही रुख अब टैरिफ विवाद में भी नजर आ रहा है। मोदी सरकार का लक्ष्य स्पष्ट है मेक इन इंडिया, वोकल फॉर लोकल और इंडिया फर्स्ट जैसी नीतियों के जरिये 2047 तक भारत को दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाना। ऐसे में ट्रंप की टैरिफ राजनीति भारत के आत्मनिर्भरता अभियान को और तेज कर सकती है। धैर्य और संयम के साथ नेतृत्व करना भारत की ताकत है। रामचरितमानस का वह प्रसंग याद आता है जब विभीषण ने युद्ध के समय श्रीराम से कहा कि रावण के पास सब कुछ है, पर आपके पास कुछ नहीं। तब श्रीराम ने उत्तर दिया कि सबसे बड़ी शक्ति धैर्य, शांति और सहनशीलता है। यही नीति आज भारत के नेतृत्व में झलक रही है. जहां ट्रंप अभिमान में हैं, वहीं भारत दृढ़ता और शांति के साथ आगे बढ़ रहा है। इतिहास ने साबित किया है कि अमेरिका कभी भी भारत का स्थायी मित्र नहीं रहा। ट्रंप की नीतियों का विरोध अमेरिका के भीतर भी हो रहा है। ऐसे में बदलते समीकरण भारत के लिए नए अवसर खोल सकते हैं। ट्रंप भले ही मनमाना रवैया अपनाए हुए हैं पर वह भी फंस रहे हैं। टैरिफ के मुद्दे पर उनका अमरीका में भी विरोध हो रहा है। बदले परिदृश्य मे नए वैश्विक समीकरण बनने की संभावनाएं हैं। ट्रंप का रुख चीन के साथ भारत के संबंधों को बदल सकता है। पीएम मोदी इस महीने के आखिर में सात सालों के बाद चीन के दौरे पर जा रहे हैं। वह वहां तिआनजिन में 31 अगस्त से 1 सितंबर तक आयोजित होने वाली शंघाई कोऑपरेशन ऑर्गेनाइजेशन (एसीओ) समिट में शामिल होंगे। मोदी का यह चीन दौरा ऐसे समय में होने जा रहा है, जब दोनों देशों के रिश्तों को सुधारने की कोशिशें चल रही हैं। भारत बहुत बड़ा बाजार है जिसकी चीन को सख्त जरूरत है। भारत मे जब भी स्वदेशी का मुद्दा उठता है तो चीन इसे अपने खिलाफ मानता है। स्वदेशी की अवधारणा का चीनी उत्पादों पर सर्वाधिक प्रभाव पड़ता है। ऐसे में चीन क्यों नहीं चाहेगा कि उसके भारत के साथ संबंध मधुर हों, खासकर तब जब अमरीका खुद ही भारत से दूरियां बढ़ा रहा है।

– प्रो. महेश चंद गुप्ता

राजनीतिक मुहिम का हिस्सा भूमि पूजन

बिहार के सीतामढ़ी जिले में स्थित माता जानकी की जन्मस्थली, पुनौरा धाम मंदिर का विकास अयोध्या की तर्ज पर किए जाने की योजना के तहत पुनौराधाम स्थित जानकी जन्मभूमि पर भव्य मंदिर का शिलान्यास केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच भव्य मंदिर का भूमि पूजन और शिलान्यास किया। चुनावी साल में सीता मंदिर का भूमि पूजन महज धार्मिक अनुष्ठान ही नहीं बल्कि भाजपा की महत्वपूर्ण राजनीति का हिस्सा है। यह मुद्दा सिर्फ मिथिलांचल नहीं बल्कि पूरे बिहार में राजनीतिक असर बढ़ाने का एक जरिया है। बिहार चुनाव के लिहाज से राम मंदिर आंदोलन की तर्ज पर सीता माता के मंदिर को उभारने की कोशिश है। सीतामढ़ी जिले में पुनौरा धाम में मां जानकी के मंदिर के लिए पहले से 17 एकड़ उपलब्ध जमीन का इस्तेमाल किया गया है। इसके अलावा 50 एकड़ जमीन अलग से उपलब्ध कराई गई है, यानी माता सीता का मंदिर और इसका परिसर कुल 67 एकड़ में होगा और यहां सभी सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। बिहार सरकार के मंत्रिमंडल ने बीते 1 जुलाई को पुनौरा धाम मंदिर परिसर के विकास के लिए 882.87 करोड़ रुपये की मंजूरी दी थी। इस राशि में से 137 करोड़ रुपये पुराने मंदिर और उसके परिसर के विकास पर खर्च किए जाएंगे। वहीं 728 करोड़ रुपये पर्यटन संबंधी कार्यों के लिए इस्तेमाल किए जाएंगे। इसके अलावा, 16 करोड़ रुपये 10 वर्षों तक व्यापक रखरखाव पर खर्च किए जाएंगे। केंद्रीय गृह मंत्री एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने आज बिहार के सीतामढ़ी ज़िले में माता सीता की जन्मस्थली पुनौरा धाम मंदिर एवं परिसर के समग्र विकास हेतु भूमि पूजन किया। श्री अमित शाह ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सीतामढ़ी से दिल्ली के लिए अमृत भारत ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। अपने संबोधन में केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने कहा कि आज माता जानकी की जन्मस्थली पुनौरा धाम मंदिर परिसर के विकास कार्य का शिलान्यास, सीतामढ़ी, मिथिला और बिहार ही नहीं बल्कि पूरे देश और दुनिया के लिए एक बहुत ही शुभ अवसर है। उन्होंने कहा कि

बिहार के मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार ने करोड़ों रुपए से सीता माता की जन्मस्थली पुनौरा धाम मंदिर और उसके पूरे परिसर को विकसित करने का काम किया है। यह न केवल मिथिला और बिहार के श्रद्धालुओं के लिए बल्कि पूरे देश के लिए हर्ष का विषय है। अमित शाह ने कहा कि पुनौरा धाम में लगभग 890 करोड़ रुपये की लागत से 68 एकड़ से अधिक क्षेत्र में शक्तिस्वरूपा जगत जननी माता जानकी का भव्य मंदिर बनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि इसमें से 137 करोड़ रुपये माता सीता के मौजूदा मंदिर के जीर्णोद्धार पर और 728 करोड़ रुपये परिक्रमा पथ व अन्य संरचनाओं पर खर्च किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि परिक्रमा पथ, ध्यान केंद्र वाटिका, धार्मिक जल स्रोतों का पुनर्निर्माण, धर्मशालाएं, कैंटीन, चिकित्सा सुविधाएं और डिजिटल गैलरी में माता सीता के जीवन से जुड़ी शिक्षाएं और रामायण की कहानियां सुनाई जाएंगी। उन्होंने कहा कि 3डी अनुभव के माध्यम से हमारी युवा पीढ़ी श्री राम चंद्र जी के साथ-साथ माता जानकी के जीवन की सभी प्रेरक घटनाओं को देख पाएगी। श्री अमित शाह ने कहा कि इस परियोजना में 52 करोड़ रुपये से रामायण सर्किट के वाल्मीकि नगर का विकास कार्य, 31 करोड़ रुपये से मधुबनी में पुलहर का विकास, 24 करोड़ रुपये से सीतामढ़ी में पंथ पाकर का विकास, 23 करोड़ रुपये से अहिल्या स्थल, 13 करोड़ रुपये से राम रेखा घाट और 7 करोड़ रुपये से मुंगेर गया में सीता कुंड का विकास कार्य भी शामिल होगा। केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि आज सीतामढ़ी-दिल्ली अमृत भारत ट्रेन की भी शुरुआत हुई है। उन्होंने कहा कि पहले बिहार में रेलवे के विकास के लिए हर साल 1132 करोड़ रुपये खर्च किए जाते थे, लेकिन प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने 2025-26 में केवल बिहार में रेलवे के लिए 10,066 करोड़ रुपये खर्च किए हैं। अमित शाह ने कहा कि माता सीता की प्रथम श्रीराम से भेंट से लेकर माता सीता के अंतिम निवास स्थान लव-कुश की जन्मभूमि और पंथ पाकर तक, सभी स्थानों का पुनरुद्धार करके माता सीता की जीवनगाथा को देश की नारी शक्ति को समर्पित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि भारत की संस्कृति में माता सीता का अद्वितीय स्थान है। माता जानकी ने अपने जीवन में एक आदर्श पत्नी, एक आदर्श पुत्री, एक आदर्श माता और एक आदर्श राजमाता (रानी) के रूप में भूमिकाएँ निभाईं। श्री अमित शाह ने कहा कि मिथिला हमारी संस्कृति में केंद्रीय स्थान रखता है, जैसा कि वाल्मीकि रामायण, महाभारत जैसे हमारे ग्रंथों, बौद्ध धर्मग्रंथों और जैन साहित्य में स्पष्ट है। मिथिला ज्ञान, धर्मशास्त्र, ज्योतिष, संगीत, साहित्य, व्याकरण, भाषा और तंत्र विद्या का एक महान केंद्र रहा है। उन्होंने कहा कि माता जानकी की जन्मभूमि पर बन रहा यह भव्य मंदिर मिथिला क्षेत्र और बिहार की समृद्धि और विकास को रेखांकित करता है। उन्होंने कहा कि आज मिथिला को शिक्षा और संस्कृति का केंद्र बनाने की प्रक्रिया यहीं से शुरू हो रही है। केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि मोदी सरकार के दौरान मिथिला को अनेक रूपों में सम्मान मिला है। उन्होंने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री श्री अटल बिहारी वाजपेयी जी ने मैथिली को आठवीं अनुसूची में शामिल कराया था और प्रधानमंत्री मोदी जी ने मिथिला की कला को वैश्विक पटल पर पहुँचाया है। श्री शाह ने कहा कि हमारी संस्कृति हमेशा से मातृशक्ति का सम्मान करने की रही है और इस देश में हमेशा मातृशक्ति की पूजा की गई है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने अयोध्या में भव्य राम मंदिर का निर्माण कराया, काशी विश्वनाथ कॉरिडोर और उज्जैन में महाकाल कॉरिडोर का निर्माण कराया। साथ ही, श्री सोमनाथ का मंदिर पुनः सोने का बन रहा है और प्रधानमंत्री मोदी जी ने कई धार्मिक स्थलों का जीर्णोद्धार कराया है।

– कुमार कृष्णन

सभ्यताओं को मिटाने का खेल

आपने हमेशा सुना होगा "चीन की दीवार" जिसे कहा जाता है कि चीनियों ने टार्टेरियन साम्राज्य से बचने के लिए बनाई और जिसका निर्माण करीब 1400 वर्षों तक चला। दीवार की संरचना बिल्कुल वैसी है जैसे अक्षय कुमार की केसरी फिल्म में छत की दीवार अफगानों की ओर थी और पीछे से सैनिक गोली चला रहे थे। अगर ये सचमुच चीन ने बनाई होती तो उसकी दीवार का रुख टार्टेरियन साम्राज्य की तरफ होना चाहिए था लेकिन असल में ये उल्टा है दीवार का मुँह चीन की ओर है। असलियत शायद ये है कि ये दीवार टार्टेरियन साम्राज्य की है जो उन्होंने चीन से बचाव के लिए बनाई होगी। 1700 साल पुरानी ये रचना उस समय की अति आधुनिक प्राचीन सभ्यता की निशानी हो सकती है। दुनिया में जितनी भी अत्याधुनिक सभ्यताएं आईं, उनका इतिहास मिटा दिया गया। टार्टेरियन साम्राज्य के बारे में रिसर्च करने पर कोई ठोस डेटा नहीं मिलेगा। कहा जाता है कि टार्टेरियन भूमि समुद्रविहीन थी लेकिन एक भयंकर कीचड़-सैलाब में सब दफन हो गया। आश्चर्य ये कि उस सभ्यता का एक भी ठोस अवशेष नहीं बचा जो प्राकृतिक रूप से असंभव लगता है। इस सभ्यता के ऊंचे-ऊंचे महलों के शिखरों में विद्युत उत्पादन के रहस्य थे। 1800 से 1930 तक अमेरिका और यूरोप में बनी कई इमारतें इसी डिज़ाइन पर थीं जिन्हें बाद में बिना वजह गिरा दिया गया, और वह भी विश्व युद्ध से पहले ताकि कोई बहाना न बन सके। असल नियम ये है जहाँ भी प्राचीन काल की अत्याधुनिक तकनीक या वास्तुकला मिलती है, उसे तुरंत नष्ट कर दिया जाता है। लगता है कि उनके पास टाइम मशीन हो और वे इसे अपने फायदे के लिए गुप्त रखेंगे न कि सबको देंगे। कई सभ्यताएं प्राकृतिक आपदा से नहीं बल्कि जानबूझकर मिटाई गईं। केवल सनातन सभ्यता एक ऐसी है जिसके मंदिर आज भी मौजूद हैं। भले ही कर्मकांड के नाम पर उनका महत्व घटाया गया, पर इसी बहाने उन्हें जीवित रखा गया। यही वजह है कि सबसे ज्यादा आक्रमण इसी संस्कृति पर हुए। सनातन समाज ने कभी भारत छोड़कर बिखराव नहीं किया, वरना आबादी घटने पर यहाँ भी कोई सैलाब आता और मंदिर दफन हो जाते। रावण के महल वाले स्थान पर आज भी सैटेलाइट सिग्नल नहीं मिलते, अयोध्या में भी कई जगह ऐसा है। शायद वहाँ कभी टार्टेरियन जैसी ही वास्तुकला रही हो, जो धंस गई हो, लेकिन विद्युत तरंगें अब भी मौजूद हैं। रामायण और महाभारत असल में उसी अति आधुनिक युग के इतिहास हैं। लेकिन चालाकी से रामचरितमानस को 600 साल पुराना बताकर असली रामायण की जगह दी गई और महाभारत को भागवत कथा से रिप्लेस किया गया। कृष्ण ने स्पष्ट कहा था "यदि युद्ध हुआ तो नगर पृथ्वी में समा जाएंगे और ज्ञान का क्षरण होगा" यही हुआ, और उस युग का ज्ञान हमेशा के लिए खत्म हो गया। जब पुराना किला, दिल्ली में प्राचीन इंद्रप्रस्थ के प्रमाण मिलते हैं तो खुदाई धीमी कर दी जाती है। जो बोलता है उसे चुप करा दिया जाता है। द्वारका के डूबने की कहानी भी टार्टेरियन के पतन जैसी ही है। हर सभ्यता का अंत एक जैसे पैटर्न पर हुआ।

– शिवानन्द मिश्रा

आज का कार्टून

साभार

आज़ाद भारत और 15 अगस्त

हर साल जब 15 अगस्त आता है, पूरा देश गर्व और देशभक्ति की भावना से भर जाता है। यह दिन भारत के इतिहास का सबसे सुनहरा दिन है क्योंकि 15 अगस्त 1947 को हमारा देश गुलामी की ज़ंजीरों को तोड़कर आज़ाद हुआ था। यह दिन केवल एक तारीख नहीं है, यह बलिदान, संघर्ष और देशप्रेम की याद दिलाने का दिन है। भारत पर लगभग 200 वर्षों तक अंग्रेजों का राज रहा। उन्होंने हमारे देश के लोगों पर अत्याचार किए, हमारे संसाधनों का शोषण किया, और हमें हमारे ही देश में कमजोर और असहाय बना दिया। उस समय भारतीयों के पास ना तो बोलने की आज़ादी थी, ना ही अपने हक के लिए लड़ने की। अंग्रेजों के खिलाफ कई छोटे-बड़े आंदोलन हुए लेकिन 1857 का स्वतंत्रता संग्राम पहला बड़ा प्रयास था जिसमें रानी लक्ष्मीबाई, तात्या टोपे, नाना साहेब जैसे कई वीरों ने भाग लिया। इसके बाद कई आंदोलनों ने आज़ादी की ज्वाला को और भी प्रज्वलित किया। भारत की आज़ादी आसान नहीं थी। इसके लिए हजारों स्वतंत्रता सेनानियों ने जेलें झेली, यातनाएँ सहीं और अपनी जान तक कुर्बान कर दी । महात्मा गांधी ने 'सत्य और अहिंसा' का मार्ग अपनाकर देश को एकजुट किया। भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव ने फाँसी के फंदे को हँसते-हँसते गले लगाया । नेताजी सुभाष चंद्र बोस ने आज़ाद हिंद फौज बनाकर अंग्रेजों से लोहा लिया। सरदार पटेल, बाल गंगाधर तिलक, लाला लाजपत राय, मौलाना आज़ाद जैसे कई नेता आज़ादी की इस लड़ाई के स्तंभ बने। इन सबके प्रयासों और त्याग के कारण ही हमें 15 अगस्त 1947 को आज़ादी मिली। 15 अगस्त, भारत का स्वतंत्रता दिवस उन अनगिनत बलिदानों और प्रेरक कहानियों का प्रतीक है जिन्होंने भारत को आजादी दिलाई। महात्मा गांधी ने अहिंसा और सत्याग्रह के सिद्धांतों के माध्यम से ब्रिटिश शासन के खिलाफ एक अनूठा आंदोलन चलाया। 15 अगस्त 1947 को जब भारत आजाद हुआ, यह गांधीजी के दृढ़ विश्वास और नेतृत्व का परिणाम था। उनका दांडी नमक मार्च (1930) एक ऐसा प्रेरक प्रसंग है, जिसने न केवल भारतीयों को एकजुट किया बल्कि विश्व को अहिंसा की ताकत दिखाई। इस मार्च में गांधीजी ने 24 दिनों तक 390 किलोमीटर की यात्रा की और समुद्र तट पर नमक बनाकर ब्रिटिश नमक कानून का उल्लंघन किया। यह छोटा-सा कदम स्वतंत्रता संग्राम में एक बड़ा प्रतीक बन गया। 23 वर्षीय युवा क्रांतिकारी भगत सिंह ने स्वतंत्रता के लिए अपने प्राणों की आहुति दी। 1929 में उन्होंने दिल्ली की सेंट्रल असेंबली में बम फेंका लेकिन इसका उद्देश्य किसी को मारना नहीं, बल्कि ब्रिटिश सरकार का ध्यान भारतीयों की मांगों की ओर खींचना था। उनके नारे "इंकलाब जिंदाबाद" ने लाखों युवाओं को प्रेरित किया। 15 अगस्त 1947 को भले ही भगत सिंह इसे देखने के लिए जीवित न रहे, लेकिन उनकी कुर्बानी ने स्वतंत्रता की नींव को मजबूत किया। 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम की नायिका, झांसी की रानी लक्ष्मी बाई ने ब्रिटिश शासन के खिलाफ अपनी तलवार उठाई। अपने छोटे से राज्य की रक्षा और देश की आजादी के लिए उन्होंने अभूतपूर्व साहस दिखाया। रानी ने अपने बेटे को पीठ पर बांधकर युद्ध लड़ा, जो नारी शक्ति का प्रतीक बन गया। उनकी वीरता की गूंज 15 अगस्त 1947 को आजादी के उत्सव में भी सुनाई दी। "तुम मुझे खून दो, मैं तुम्हें आजादी दूंगा" - नेताजी सुभाष चंद्र बोस का यह नारा हर भारतीय के दिल में गूंजता है। उनकी आजाद हिंद फौज ने ब्रिटिश शासन को सशस्त्र चुनौती दी। 1943 में नेताजी ने सिंगापुर में आजाद हिंद सरकार की स्थापना की और "दिल्ली चलो" का आह्वान किया। उनकी यह लड़ाई 15 अगस्त 1947 को आजादी के रूप में परिणत हुई। 15 अगस्त की कहानी केवल बड़े नेताओं की नहीं, बल्कि उन लाखों आम भारतीयों की भी है, जिन्होंने स्वतंत्रता संग्राम में हिस्सा लिया। चाहे वह लाला लाजपत राय हों जिन्होंने साइमन कमीशन के खिलाफ प्रदर्शन किया, या फिर गुमनाम किसान, मजदूर और महिलाएं, जिन्होंने आंदोलनों में हिस्सा लिया। इन सभी के छोटे-छोटे प्रयासों ने मिलकर भारत को आजादी दिलाई। 15 अगस्त 1947 को, भारत ने 200 वर्षों के ब्रिटिश शासन से मुक्ति प्राप्त की। इस दिन पंडित जवाहरलाल नेहरू ने दिल्ली के लाल किले से तिरंगा फहराया और अपना प्रसिद्ध भाषण "ट्रिस्ट विद डेस्टिनी" दिया।

– शम्भू शरण सत्यार्थी

बिहार में बाढ़ : चिता जलाने को लकड़ियां नहीं मिल रहीं

गंगा किनारे 6 जिलों में 250 श्मशान घाट डूबे

सड़कों पर जल रहीं चिताएं; 300 स्कूल बंद

पटना। बिहार में भारी बारिश के बाद गंगा का पानी बढ़ने लगा है। राज्य के 12 जिलों से गुजरने वाली गंगा खतरे के निशान को पार कर चुकी है। सबसे ज्यादा खराब हालात भोजपुर के शाहपुर प्रखंड के जवइनिया गांव का है। यहां 800 में से 700 से ज्यादा घर गंगा में समा चुके हैं। 700 मकानों में जो लोग थे,उनमें से अधिकतर दूसरे गांवों में चले गए हैं। बाकी महिलाएं और लड़कियों को लोगों ने अपने रिश्तेदारों के घर छोड़ दिया है। लोगों का कहना है, 'गांव आने वाले दो चार दिनों में नक्शे से ही गायब हो जाएगा।' वहीं, भोजपुर के शाहपुर, बड़हरा प्रखंड के स्कूलों को बच्चों के लिए 10 अगस्त तक के लिए बंद कर दिया गया है। वहीं, पटना, बक्सर और भोजपुर और भागलपुर जिले के गंगा किनारे के 250 से ज्यादा श्मशान घाट डूब गए हैं। 300 से ज्यादा स्कूलों को बंद कर दिया गया है। 12 जिलों में गंगा के पानी से करीब 15 लाख लोगों के प्रभावित होने का अनुमान है। प्रशासन नदी में कटाव को देखते हुए लोगों को सुरक्षित स्थान पर शिफ्ट कर रहा है।

फतुहा इलाके में स्थिति गंभीर

पटना के दीघा घाट, बांस घाट, मनेर, फतुहा इलाके में स्थिति गंभीर होती जा रही है। दाह संस्कार करने के लिए लोगों को काफी दिक्कत हो रही है। श्मशान घाट पर पानी भर जाने से राजधानी में कई परिवार पटना के मरीन ड्राइव के पास सड़क किनारे बैठकर शवदाह करते दिखे। दीघा घाट पर बने श्मशान घाट पूरी तरह पानी में डूब चुके हैं। न वहां जाया जा सकता है और न ही शवों को जलाया जा सकता है।

खराब रास्ते की वजह से हो रहा एक्सीडेंट

शेखपुरा राजा बाजार से अपने परिजन का शव लेकर पहुंचे राजकुमार ठाकुर ने बताया, 'घाट का रास्ता इतना खराब हो चुका है कि मेरा पैर फिसल गया। मोच आ गई। शवदाह गृह तो डूब ही चुका है। लोगों की सुविधाओं के लिए बना शौचालय भी जलमग्न हो गया है, इससे लोगों को भारी परेशानी उठानी पड़ रही है। वहीं, शवदाह गृह के साथ ही नगर निगम का ऑफिस भी जलमग्न हो गया है। इस वजह से नगर निगम के कर्मचारी को सड़क किनारे एक टेंट में अपना ऑफिस बनाना पड़ा है। नगर निगम का शवों के जलाने का सर्टिफिकेट देने वाले कर्मचारी विक्रम कुमार ने बताया, 'शवदाह गृह और शौचालय के डूबने के कारण लोगों को मुसीबत का सामना करना पड़ रहा है।' बांस घाट के किनारे बना श्मशान घाट का तीन चौथाई इलाका पानी में डूब गया है।

मनेर के हल्दी छपरा घाट पर ठप पड़ा शवदाह कार्य

मनेर के दियारा क्षेत्र में स्थित हल्दी छपरा श्मशान घाट अब पूरी तरह से जलमग्न हो चुका है। गंगा और सोन नदी का जलस्तर बढ़ने से इस घाट का रास्ता पूरी तरह पानी में डूब गया है। अंतिम संस्कार के लिए आने वाले लोग अब मनेर के बजाय पटना शहर के दीघा घाट का रुख कर रहे हैं। हल्दी छपरा घाट जाने वाले रास्ते में चारों तरफ पानी भर गया है, जिससे न केवल शवदाह प्रभावित हुआ है, बल्कि दियारा क्षेत्र में रहने वाले लोगों को भी आवाजाही में गंभीर दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

एक घंटे गंगा की धार में बहते रहे BJP विधायक

नदी में बोट का फ्यूल खत्म हुआ

1KM दूर बहकर पहुंचे, बोले-लहरें देखकर दिल दहल गया

महानगर नेटवर्क

मुंगेर

मुंगेर में बीजेपी विधायक प्रणव कुमार यादव की बोट का फ्यूल गंगा नदी की बीच धारा में खत्म हो गया। फिर वो नदी की तेज धारा में बहने लगे। करीब एक घंटे तक रात के अंधेरे में वे धार में बहते रहे। करीब 1 किलोमीटर दूर बोट थोड़ी किनारे आई तो उन्होंने कूदकर अपनी जान बचाई। दरअसल, प्रणव कुमार यादव शुक्रवार को बाढ़ प्रभावित सदर प्रखंड के कुतलुपुर और जाफर नगर पंचायत के दियारा इलाके में मोटर बोट से निरीक्षण करने पहुंचे थे।

इस दौरान बोट का इंजन फेल हो गया। इसके बाद दूसरी बोट मंगवाकर क्षेत्र का जायजा लिया। फिर देर शाम विधायक सीताचरण गांव के बाढ़ पीड़ितों से मुलाकात कर लौट रहे थे तो फ्यूल खत्म हो गया।

एक KM दूर बहकर पहुंचे विधायक

गंगा की तेज धार में SDRF की टीम बोट की दिशा बदलने की कोशिश की, लेकिन कामयाब नहीं हुए। इसके बाद विधायक की बोट गंगा की तेज धारा में बहकर करीब 1KM दूर कष्टहरणी घाट पहुंची तो विधायक कूदकर जान बचाई। फिर राहत की सांस ली।

विधायक बोले- गंगा की लहरें देखकर दिल दहल रहा था

विधायक प्रणव यादव ने दैनिक भास्कर को बताया, 'बाढ़ क्षेत्र का निरीक्षण करने जा रहे थे। इसके लिए हमें पुरानी बोट दी गई। गंगा में जाने के बाद बोट 10 बार खराब हुई। हम सीताचरण में एक टापू पर रुके। बोट बार-बार खराब होती रही। उसका फ्यूल खत्म हो गया था।' 'गांव से 17 लीटर फ्यूल लेकर बोट में डलवाया। इसके बाद आगे बढ़े। सीताचरण से लौटते समय धारा तेज थी। नदी की बीच धारा में बोट बंद हो गई। SDRF का जवान नीचे कूदा और रस्सी पकड़कर नाव किनारे लगाई। अगर वो रस्सी नहीं पकड़ता तो हमारे साथ कुछ भी हो सकता था।' 'पता नहीं गंगा की धार में हम कहां तक बहते हुए जाते। लहरें इतनी तेज थीं कि दिल दहल रहा था। कल रात में भगवान ने ही बचाया है।

गैंगस्टर चंदन हत्याकांड :

शूटआउट में शामिल तौसीफ का साथी पकड़ा गया

हथियार सप्लायर भी गुजरात से अरेस्ट

महानगर नेटवर्क

पटना

पटना के पारस में गैंगस्टर चंदन मिश्रा के मर्डर में शामिल दो और बदमाशों को पटना पुलिस ने अरेस्ट कर लिया है। जो दो लोग पकड़े गए हैं, उनमें एक विजयकांत पांडेय उर्फ रुद्रा पांडेय उर्फ धनु है। दूसरे का नाम राजेश यादव है। दोनों बक्सर के ही रहने वाले हैं। पटना SSP कार्तिकेय शर्मा के मुताबिक रुद्रा पांडेय शूटआउट में शामिल था। जबकि राजेश यादव ने हथियार सप्लाई किया था।

गैंगस्टर चंदन मिश्रा की हत्या से पहले रेकी में ये दोनों भी शामिल थे।

बलवंत के साथ पटना आया था राजेश

राजेश ने बताया कि, वो शूटआउट में शामिल बलवंत के साथ बक्सर से पटना आया था। शेरू सिंह के कहने पर उसने पारस अस्पताल की रेकी की थी। उसके बाद आनंद बिहार कालोनी में रहने वाले अपने दोस्त रोहित पांडेय के घर रुका था। पुलिस ने जब रोहित पांडेय के कमरे की तलाशी ली तो वहां एक किताब के अंदर ड्रग्स मिली। राजेश ने बताया कि इसे मैंने ही छिपाया था।

कोलकाता से पकड़ा गया था तौसीफ

पारस अस्पताल में घुसकर चंदन मिश्रा की हत्या के बाद शूटर्स अलग-अलग इलाकों में फरार हो गए थे। शूटआउट को लीड करने वाला तौसीफ अपने मौसेरे भाई निशु खान के साथ गयाजी होते हुए कोलकाता भाग गया था।

सीएम नीतीश से मिले पूर्व विधायक अनंत सिंह

मीडिया से नहीं की बात, जेल से बाहर आते ही चुनाव लड़ने का ऐलान किया था

महानगर नेटवर्क

पटना

मोकामा के पूर्व विधायक बाहुबली अनंत सिंह ने जेल से बाहर आते ही चुनाव लड़ने का ऐलान किया है। वो आज CM नीतीश कुमार से मिलने मुख्यमंत्री आवास भी पहुंचे। हालांकि मुख्यमंत्री से मुलाकात के बाद उन्होंने मीडिया से कोई बात नहीं की। जेल से निकलते ही अनंत सिंह ने कहा था कि 'मैं JDU से विधानसभा चुनाव लड़ूंगा। पार्टी अगर तेजस्वी के खिलाफ मुझे उतारती है तो मैं उनकी जमानत जब्त करवा दूंगा।' तेजस्वी के सरकार बनाने के दावों को लेकर अनंत सिंह ने कहा था- 'तेजस्वी की पार्टी 15 सीटों पर सिमट जाएगी और नीतीश कुमार फिर से बिहार के मुख्यमंत्री बनेंगे।' उन्होंने कहा था, 'नीतीश कुमार नहीं होते तो बिहार नहीं होता। पहले बिहार की बुरी स्थिति थी। जिसके 4 बेटे दिल्ली में नौकरी करते थे उसका बाप भी बिहार में किडनैप हो जाता था।'

किसी का टिकट फाइनल नहीं हुआ है- JDU

वहीं जदयू से चुनाव लड़ने के अनंत सिंह के दावे पर जेडीयू ने ही सवाल उठा दिया है। जदयू के प्रवक्ता नीरज कुमार ने कहा है कि, अभी किसी का टिकट फाइनल हुआ ही नहीं। जेडीयू प्रवक्ता ने बिना अनंत सिंह का नाम लिए कहा कि, कभी लालटेन से, कभी जेडीयू कभी निर्दलीय चुनाव लड़ने का मन करता है। उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनाव में हमारी पार्टी मोकामा में पीछे रह गई। इस बात की पीड़ा है मुझे। अनंत सिंह ने कहा था कि, नीतीश कुमार अभी 25 साल तक सीएम रहेंगे।

राखी बांधने जा रही मासूम बच्ची की दर्दनाक मौत

बाइक से गिरी तो ट्रक ने रौंदा

मुंगेर। मुंगेर में एक सड़क हादसे में बच्ची की मौत हो गयी. जिस मासूम की मौत हुई वह रक्षाबंधन के दिन शनिवार को रिश्ते में अपने एक भाई को राखी बांधने बाइक पर सवार होकर जा रही थी. बालू लदे ट्रक ने बच्ची को रौंद दिया. राखी के दिन परिवार में कोहराम मच गया. गुस्साए लोगों ने कई घंटे तक मुख्य सड़क को जाम रखा.असरगंज के बाथ थाना क्षेत्र यह घटना है। बाथ थाना क्षेत्र में असरगंज बस स्टैंड के पास यह हादसा हुआ. शनिवार को एक बच्ची अपनी मां और मौसेरे भाई के साथ टेटियाबंबर के दरियापुर गांव अपने परिजन के घर जा रहे थे. अचानक रास्ते में ही एक कार ने बाइक में टक्कर मारी और बच्ची सड़क पर गिर गयी।

राखी बंधवाने की जगह भाई बहन को ले गया श्मशान

महानगर नेटवर्क

समस्तीपुर

समस्तीपुर में शुक्रवार को प्राइमरी स्कूल नाजिरपुर की टीचर की किराए के कमरे में लाश मिली थी शनिवार को शिक्षिका डॉली कुमारी (25) की घर से अर्थी उठी। राखी बंधवाने की जगह भाई अपनी बहन को कंधा देकर अंतिम संस्कार के लिए बाया नदी के तट पर ले गया। बड़े भाई नवीन शर्मा ने कहा कि आज मेरी कलाई पर राखी होनी चाहिए थी। ये मेरे लिए असहनीय है। ये कहते-कहते वे रोने लगे।

अब कैंसर हॉस्पिटल खोलेंगे खान सर

एक मुंहबोली बहन की डिमांड पर कर दिया बड़ा ऐलान

पटना। एजुकेशन से हेल्थ सेक्टर में एंट्री ले चुके खान सर ने रक्षा बंधन पर बड़ा ऐलान किया। खान सर बिहार में अत्याधुनक कैंसर होस्पिटल खोलेंगे। इसके लिए देश भर भ्रमण करके डॉक्टरों से बात करेंगे और जल्द से जल्द अपनी एक बहन की मांग पूरी करेंगे। राखी बांधने के बाद उनकी एक छात्रा ने अपने पिता के इलाज के लिए कैंसर होस्पिटल खोलने की मांग की। शनिवार को पटना के एसके मेमोरियल हॉल में खान सर को राखी बांधने के लिए बिहार भर से दस हजार से ज्यादा लड़कियां जुटी थीं। खान सर ने बताया एक लड़की के पिता को कैंसर की बीमारी है। वे अस्पताल में भर्ती हैं। लड़की ने कहा कि कैंसर का इलाज बहुत महंगा है। आप एक कैंसर हॉस्पिटल खोल दीजिए जहां बीमारी का सस्ता इलाज हो सके।

CRPF जवान ने वीडियो बनाकर दी जान

कहा- मौत की जिम्मेदार सिर्फ मेरी पत्नी

महानगर नेटवर्क

सारण

सारण में शनिवार को CRPF के बर्खास्त जवान आनंद कुमार सिंह ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है। सुसाइड करने से पहले आनंद ने वीडियो बनाया और सुसाइड नोट लिखा है। मामला रिवीलगंज थाना क्षेत्र के जखुवा गांव का है। वीडियो में आनंद कह रहे है, 'मैं अपनी पत्नी से तंग आ गया हूं। सास के साथ मिलकर मेरी पत्नी काफी टॉर्चर करती है। मैंने सुसाइड नोट भी लिख दिया है। मेरे परिवार को तंग न किया जाय। मैं जो करने जा रहा हूं, इसकी जिम्मेदार सिर्फ मेरी पत्नी है।'

उन्होंने वीडियो में आगे कहा, 'मेरी पत्नी ने मेरा जीवन नर्क बना दिया है। वह हर दिन मुझे टॉर्चर करती है। वह इमोशनल ब्लैकमेल करती है और पागल कहकर अपमानित करती है।

पत्नी को परेशानी नहीं हो, इसलिए नहीं की दूसरी शादी

'इसको छोड़कर दूसरी शादी कर लेना चाहिए था। लेकिन, मैंने नहीं किया, क्योंकि मैं नहीं चाहता था, इसको किसी बात की सजा मिले। लेकिन ये हमेशा मुझे सजा दी है, मेरे और मेरे परिवार के बारे में कभी अच्छा नहीं सोची है। आज भी नहीं सोचती है, टॉर्चर करती है।' 'इससे तंग आकर मैं सुसाइड करने जा रहा हूं। कृपया मेरी बात को समझे और मेरी पत्नी को कानूनी सजा दी जाए।

व्यापार

ICICI-बैंक के नए सेविंग अकाउंट में मिनिमम 50,000 बैलेंस जरूरी

ग्रामीण खातों भी 10 हजार रखना होगा

महानगर नेटवर्क

नई दिल्ली

नई दिल्ली। ICICI बैंक के खाताधारकों को अब अपने अकाउंट में 50 हजार रुपए का मिनिमम बैलेंस मेंटेन करना होगा। इससे कम बैलेंस होने पर ग्राहकों को पेनल्टी देनी पड़ सकती है। नया नियम 1 अगस्त 2025 के बाद खोले गए नए खातों पर लागू होगा। खाते में मिनिमम बैलेंस रखने की सीमा शहरों गावों और मेट्रो सिटीज में अलग-अलग है, बैंक ने सभी में इजाफा किया है। मेट्रो और शहरी इलाकों में अब कम से कम 50,000 रुपए, सेमी-अर्बन (अर्ध-शहरी) इलाकों में 25,000 रुपए और गांवों में खुले खातों के लिए यह लिमिट अब 10,000 रुपए हो गई है।

2015 के बाद पहली बार बैंक ने मिनिमम बैलेंस की लिमिट बढ़ाई

इससे पहले मेट्रो और शहरी इलाके में कम से कम 10 हजार रुपए, सेमी-अर्बन में 5000 रुपए और गांवों के ब्रांच में कम से कम 2500 रुपए का औसतन मिनिमम बैलेंस मेंटेन करने की जरूरत पड़ती थी।

मिनिमम अकाउंट बैलेंस की लिमिट में इस बढ़ोतरी के साथ घरेलू बैंकों में सबसे ज्यादा मिनिमम अकाउंट बैलेंस (MAB) रखने की लिमिट अब ICICI का हो गया है। बैंक ने 10 साल बाद मिनिमम बैलेंस लिमिट में बदलाव किया है।

अगले हफ्ते IPO बाजार में रहेगी हलचल, 4 इश्यू होंगे ओपन

महानगर नेटवर्क

नई दिल्ली

अगला हफ्ता शेयर बाजार में निवेशकों के लिए काफी बिजी रहने वाला है. चार नए आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए खुलेंगे, और 11 कंपनियां बाजार में लिस्ट होंगी. मेनबोर्ड और एसएमई, दोनों सेगमेंट में खूब हलचल रहेगी। ज्वैलरी, कृषि, प्रकाशन और रियल एस्टेट जैसे अलग-अलग क्षेत्रों की कंपनियों के इश्यू ओपन होंगे। निवेश का मौका मिलेगा। आइए, इन सभी ओपन होने वाले आईपीओ के बारे में आपको बताते हैं।

अपकमिंग आईपीओ

ब्लूस्टोन ज्वैलरी आईपीओ- बेंगलुरु की मशहूर ज्वैलरी कंपनी ब्लूस्टोन का आईपीओ 11 अगस्त को खुलेगा और 13 अगस्त को बंद होगा. यह मेनबोर्ड सेगमेंट का आईपीओ होगा. कंपनी 1,540.65 करोड़ रुपये जुटाएगी, जिसमें 820 करोड़ रुपये नए शेयरों से और 720.65 करोड़ रुपये ऑफर फॉर सेल से आएंगे. शेयर की कीमत 492-517 रुपये होगी और न्यूनतम 29 शेयरों का लॉट साइज होगा. यह इश्यू एक्सिस कैपिटल, कोटक महिंद्रा कैपिटल और आईआईएफएल कैपिटल संभाल रहे हैं। लिस्टिंग 19 अगस्त को होने की उम्मीद है. रीगल रिसोर्सेज आईपीओ- मक्का-आधारित स्टार्च और विशेष स्टार्च उत्पाद बनाने वाली कंपनी रीगल रिसोर्सेज का आईपीओ 12 अगस्त से शुरू होकर 14 अगस्त तक चलेगा. यह भी मेनबोर्ड सेगमेंट का आईपीओ होगा. यह 306 करोड़ रुपये जुटाएगा, जिसमें 210 करोड़ रुपये नए शेयरों से और 96 करोड़ रुपये ऑफर फॉर सेल से होंगे. शेयर की कीमत 96-102 रुपये होगी, और लॉट साइज 144 शेयरों का होगा. पैंटोमैथ कैपिटल और सुमेधा फिस्कल सर्विसेज इस इश्यू को मैनेज करेंगे।लिस्टिंग 20 अगस्त को हो सकती है। इकोडेक्स पब्लिशिंग सॉल्यूशंस आईपीओ- प्रकाशन से जुड़ी कंपनी इकोडेक्स पब्लिशिंग सॉल्यूशंस का एसएमई आईपीओ 11 अगस्त को खुलेगा।

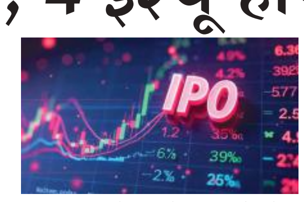

अवैध तंबाकू व्यापार से निपटने के लिए बातचीत जरुरी: पीएमआई

मुंबई। नकली सामान, अवैध व्यापार और ब्रांड सुरक्षा पर हाल ही में हुए दो दिन के एशिया सुरक्षा सम्मेलन और प्रदर्शनी 2025 मेंरॉडनी वैन डूरेन, हेड इलिसिट ट्रेड प्रिवेंशन, फिलिप मॉरिस इंटरनेशनल (पीएमआई) ने कहा कि अवैध तंबाकू व्यापार को रोकने के लिए उन देशों के साथ लगातार सरकार-से-सरकार बातचीत जरूरी है, जहां से यह सामान आता है या जिनके रास्ते से होकर गुजरता है। उन्होंने कानून लागू करने वाली एजेंसियों, नीति निर्माताओं, सुरक्षा समाधान देने वालों और ब्रांड मालिकों से कहा कि अवैध तंबाकू उत्पाद नियमों की कमियों और निगरानी की कमी का फायदा उठाते हैं। इसे रोकने के लिए तुरंत ध्यान देने और सीमा शुल्क के अलावा अन्य मंत्रालयों के बीच आपसी तालमेल की जरूरत है। 'अवैध व्यापार का बढ़ता खतरा वैश्विक समस्या पूर्ण समाधान' विषय पर बोलते हुए, रॉडनी वैन डूरन ने कहा, "अवैध व्यापार एक बड़ा वैश्विक खतरा है, जो कानूनी व्यवसायों को नुकसान पहुंचाता है, सरकारी आय को कम करता है और लोगों को असुरक्षित उत्पादों का सामना करना पड़ता है। भारत को हर साल लगभग 1.65 बिलियन डॉलर का नुकसान होता है, क्योंकि 25% तंबाकू बाजार अवैध है और इससे हर साल करीब 12,000 नौकरियां चली जाती हैं। आसियान देशों को अवैध व्यापार से तंबाकू के टैक्स रेवेन्यू में 3-4 बिलियन डॉलर का नुकसान होता है।" उन्होंने आगे कहा, "एशियाई देशों में कंबोडिया नकली सिगरेट का मुख्य स्रोत है, जो भारत, थाईलैंड और फिलीपींस जैसे बाजारों को प्रभावित करता है।

टाटा मोटर्स जून तिमाही में मुनाफा 63% घटा

महानगर नेटवर्क

नई दिल्ली

टाटा मोटर्स का अप्रैल-जून 2025 तिमाही में कंसोलिडेटेड शुद्ध मुनाफा सालाना आधार पर 62.6 प्रतिशत कम रहा। यह 3924 करोड़ रुपये हो गया, जबकि एक साल पहले मुनाफा 10514 करोड़ रुपये था। मुनाफा एनालिस्ट्स के अनुमान के मुताबिक रहा। ऑपरेशंस से कंसोलिडेटेड रेवेन्यू 104407 करोड़ रुपये दर्ज किया गया। यह जून 2024 तिमाही के रेवेन्यू 107,102 करोड़ रुपये से 2.5 प्रतिशत कम है। कंपनी ने शेयर बाजारों को बताया है कि जून 2025 तिमाही में उसके कुल खर्च 100441 करोड़ रुपये के रहे, जो एक साल पहले 99890 करोड़ रुपये के थे।

एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक ने बिजनेस बैंकिंग को बढ़ाया

मुंबई। भारत के सबसे बड़े लघु वित्त बैंक, एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक (एयू एसएफबी) ने भारत भर में महत्वपूर्ण रणनीतिक स्थानों पर अपनी शाखाओं को व्यावसायिक बैंकिंग शाखाओं में बदल दिया है, जिनमें से दो मुंबई में हैं। कालबादेवी और अंधेरी-चकला में रणनीतिक रूप से स्थित ये शाखाएं, भारतीय अर्थव्यवस्था के मूल, लघु एवं मध्यम उद्यम क्षेत्र पर बैंक के फोकस को और मज़बूत करेंगी। कालबादेवी और अंधेरी-चकला शाखाओं का उद्घाटन हिंदुस्तान चैंबर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष सुशील गादिया, मेटल एंड स्टेनलेस स्टील मर्चेंट्स एसोसिएशन के अध्यक्ष चंदन भंसाली, एसएमई चैंबर ऑफ इंडिया के डिप्टी सीईओ संजय खेर और एयू एसएफबी के वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा किया गया।

बोल्ट का इस साल 1000 करोड़ रुपए का लक्ष्य

मुंबई। देश का सबसे तेज़ी से बढ़ता वियरेबल ब्रांड, बोल्ट अब अपने नए सफर की शुरुआत कर रहा है। कंपनी ने अब खुद को गोबोल्ट के नाम से पेश किया है, जिसके साथ नया लोगो, ज्यादा फोकस वाली बिज़नेस स्ट्रेटेजी और टेक्नोलॉजी, डिज़ाइन व रिटेल में बड़े निवेश की भी घोषणा की गई है। यह बड़ा बदलाव वित्त वर्ष 25 की शानदार सफलता के बाद किया गया है। बोल्ट ने इस साल 800 करोड़ रुपए का टर्नओवर हासिल किया, जो पिछले दो सालों में दोगुनी कमाई की तरफ इशारा करता है। अब गोबोल्ट का लक्ष्य वित्त वर्ष 26 में 1,000 करोड़ रुपए का आँकड़ा पार करना है। आज के डिजिटल दौर के ग्राहक तेज़ी से जीते हैं, आगे की सोचते हैं और फैसले लेने के लिए किसी की इजाज़त का इंतज़ार नहीं करते। उन्हें ऐसे ब्रांड चाहिए, जो उनकी रफ्तार से चलें और गोबोल्ट ठीक उसी स्पीड और सोच के साथ मैदान में उतरा है। 'गो' शब्द बदलाव की सोच का संकेत है।

Air India के पायलटों के लिए अब 65 साल होगी रिटायरमेंट एज

नई दिल्ली। टाटा ग्रुप की एयरलाइन एयर इंडिया अपने पायलटों के लिए रिटायरमेंट एज बढ़ाकर 65 साल कर रही है। वहीं अन्य कर्मचारियों यानि कि नॉन फ्लाइंग स्टाफ के लिए रिटायरमेंट एज को बढ़ाकर 60 साल करने का फैसला लिया है। न्यूज एजेंसी पीटीआई की एक रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से यह जानकारी दी गई। वर्तमान में एयर इंडिया में पायलटों और अन्य कर्मचारियों दोनों के लिए रिटायरमेंट की उम्र 58 साल है। सूत्रों ने बताया कि रिटायरमेंट एज बढ़ाने की घोषणा एयरलाइन के टाउनहॉल में CEO और MD कैंपबेल विल्सन ने की। एयर इंडिया में लगभग 24,000 कर्मचारियों का स्टाफ है। इनमें लगभग 3600 पायलट और लगभग 9500 केबिन क्रू मेंबर शामिल हैं। पीटीआई के मुताबिक, यह अभी पता नहीं चल सका कि एयर इंडिया के केबिन क्रू के लिए रिटायरमेंट एज बढ़ाई गई है या नहीं।

महानगर मीडिया नेटवर्क प्रा. लिमिटेड के लिए प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक अंतेश आर सिंह द्वारा, महानगर मीडिया नेटवर्क प्राइवेट लिमिटेड 501, ओमेगा हाउस, हीरानंदानी गार्डन्स, पवई, मुंबई-400076 से प्रकाशित एवं **डांगट मीडिया प्रा.लि.**, 22, दीघा एम आई डी सी, टी टी सी इंडस्ट्रियल एरिया, विष्णु नगर, दीघा, नवी मुंबई - 400708 में मुद्रित। ● फोन नंबर: 022-25705039 ईमेल : hmahanagar@gmail.com

● कार्यकारी संपादक : राघवेंद्र नाथ द्विवेदी* (पी.आर.बी. अधिनियम के अंतर्गत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार)

सीएम युवा उद्यमी अभियान बना युवाओं की पहली पसंद

■ चार महीने में 2 लाख आवेदन

महानगर संवाददाता
लखनऊ

मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान योजना प्रदेश के युवाओं की पसंद बन गयी है। वर्तमान वित्तीय वर्ष के चार महीने में अब तक दो लाख आवेदन आ चुके हैं जबकि वित्तीय वर्ष 2025-26 का लक्ष्य 1.50 लाख रखा है। योजना का लाभ देने में जौनपुर ने प्रथम, आजमगढ़ ने दूसरा और लखनऊ ने तीसरा स्थान प्राप्त किया है। योजना के तहत वर्तमान 1,58,595 आवेदनों को बैंक को फॉरवर्ड कर दिया गया है। इनमें से 45,463 आवेदनों को बैंक ने लोन देने की स्वीकृति दे दी है जबकि 42,128 युवाओं को स्वरोजगार के लिए लोन दिया जा चुका है। पिछले वित्तीय वर्ष 2024-25 में एक लाख लक्ष्य के सापेक्ष 1,78,662 आवेदन प्राप्त हुए जबकि 1,44,273 आवेदन बैंकों को फॉरवर्ड किये गये। लखनऊ के डीएम विशाख जी अय्यर ने बताया कि लखनऊ को वर्तमान वित्तीय वर्ष में 3,000 का लक्ष्य दिया गया, जिसके सापेक्ष चार माह में 3,421 आवेदन प्राप्त हुए हैं।

प्रदेशवासियों को संस्कृत में दी शुभकामनाएं

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सभी प्रदेशवासियों को संस्कृत दिवस पर संस्कृत भाषा सप्ताह शुरू होने की शुभकामनाएं दी हैं। इस मौके पर उन्होंने एक वीडियो संदेश जारी किया, जिसमें वह संस्कृत में संदेश देते नजर आ रहे हैं। वीडियो में उन्होंने कहा कि यूपी के सभी निवासियों को संस्कृत भाषा सप्ताह की बहुत-बहुत शुभकामनाएं। संस्कृत भारतीय ज्ञान परंपरा और भारतीय संस्कृति का मूल है। भारतीय संस्कृति के संरक्षण के लिए संस्कृत भाषा का अध्ययन अति आवश्यक है। इस सप्ताह हम संस्कृत के महत्व का स्मरण करेंगे। संस्कृत साहित्य के अमृत का पान करेंगे। विद्यालयों और घरों में संस्कृत भाषा का प्रचार किया जाएगा। संस्कृत भाषा के विकास के लिए राज्य सरकार हमेशा ही तत्पर है। इस सप्ताह सिर्फ उत्सव ही नहीं होगा बल्कि संस्कृत के विकास के लिए कार्य किए जाएंगे। एक बार फिर से प्रदेश के सभी निवासियों को संस्कृत सप्ताह की शुभकामनाएं। देववाणी संस्कृत भारत की आत्मा की अभिव्यक्ति, ऋषियों की वाणी का स्पंदन और सनातन ज्ञान का अनंत स्रोत है। यह भाषा हमारी परम्परा, प्रज्ञा और वैश्विक बौद्धिकता की आधारभूमि है। आइए, विश्व संस्कृत दिवस पर इस अमृत वाणी के संरक्षण, प्रसार और दैनिक जीवन में प्रयोग हेतु संकल्पित हों।

यूपी में 9,000 से ज्यादा गाड़ियों के परमिट निलंबित

लखनऊ। सड़क सुरक्षा को मजबूत करने के लिए उत्तर प्रदेश परिवहन विभाग ने कड़ा कदम उठाया है। राज्य परिवहन प्राधिकरण (STA) (एसटीए) ने 8,322 चार-पहिया वाहनों और 737 प्राइवेट बसों के परमिट निलंबित करने का फैसला किया है। इन वाहनों पर गाड़ी और परमिट संबंधी नियमों के उल्लंघन का आरोप है। यह फैसला परिवहन मुख्यालय में परिवहन आयुक्त ब्रजेश नारायण सिंह की अध्यक्षता में हुई हाई-लेवल मीटिंग में लिया गया। हाल ही में 15 मई को बिहार से दिल्ली जा रही एक बस के किसान पथ पर हादसे के बाद, गैर-अनुपालक वाहनों पर कड़ी कार्रवाई की तैयारी शुरू हुई थी। एसटीए के सचिव सगीर अहमद अंसारी ने बैठक में बताया कि 8,322 चार-पहिया गाड़ियों में से ज्यादातर टैक्सियों के परमिट या तो समय पर नवीनीकृत नहीं हुए हैं या वे वाहन सुरक्षा मानकों पर खरे नहीं उतरते। ऐसे वाहन यात्रियों की सुरक्षा के लिए बड़ा खतरा माने गए, जिसके चलते इनके परमिट तत्काल निलंबित करने के निर्देश दिए गए। विभिन्न क्षेत्रीय परिवहन कार्यालयों की रिपोर्ट में खुलासा हुआ कि 737 प्राइवेट बसें परमिट शर्तों का उल्लंघन कर रही थीं। भले ही इनके पास स्टेट कैरिज परमिट था, लेकिन ये बसें अनधिकृत रूट पर चल रही थीं और कई बिना अनुमति वाली जगहों से सवारियां बिठा रही थीं।

रक्षाबंधन पर ट्रैफिक व्यवस्था ध्वस्त

रक्षाबंधन के दिन राजधानी लखनऊ में ट्रैफिक व्यवस्था ध्वस्त हो गई। फैजाबाद रोड पर कई किलोमीटर लंबा जाम लग गया। त्योहार पर अपने रिश्तेदारों के घर जाने के लिए निकले लोग घंटों जाम में फंसे रहे। चौराहों पर ट्रैफिक संभालने के लिए कोई पुलिसकर्मी मौजूद नहीं रहा। ऐसे में त्योहार की खुशियां जाम में कैद हो गईं। ट्रैफिक के कारण एम्बुलेंस और जरूरी सेवाएं भी प्रभावित हुई हैं।

कैबिनेट मंत्री ने साधा अखिलेश पर निशाना

सपा ने पाले पिल्ली-पिल्ला, जो भौंकते हैं : ओपी राजभर

महानगर संवाददाता
लखनऊ

यूपी सरकार के कैबिनेट मंत्री ओमप्रकाश राजभर एक बार फिर अपने बयान को लेकर चर्चा में हैं। शुक्रवार देर शाम रसड़ा स्थित कार्यालय पर समाजवादी पार्टी पर तंज कसा। कहा कि समाजवादी पार्टी के लोग पिल्ली-पिल्ला पाल लिए हैं। ये देशी कुत्तों की तरह भौंक रहे हैं। ओमप्रकाश राजभर से जब सवाल पूछा गया कि अखिलेश यादव ने ओमप्रकाश राजभर के मुकाबले सपा सांसद रमाशंकर राजभर को आगे किया है, तो ओपी राजभर ने सपा पर हमला करना शुरू कर दिया। कहा कि एक लोडर होता है जो अपने मालिक की मर्जी से काम करता है, एक लीडर होता है जो अपनी मर्जी से काम करता है। हमारी पार्टी में हर जाति-धर्म के लोग हैं, बोलने के लिए हर कोई आजाद है। सपा में अगर कोई मर्द है तो कह दे कि 27 में मुसलमान को मुख्यमंत्री बनाएंगे। संसद चल रही है।

राहुल गांधी के बयान मजाक बनकर रह गए हैं

27 प्रतिशत आरक्षण देने के लिए सामाजिक न्याय समिति या फिर रोहिणी आयोग समिति की रिपोर्ट तैयार है। अगर किसी की जुबान खुलेगी तो अखिलेश जुबान काट लेंगे। सपा के लोग कुछ पिल्ली-पिल्ला पाल लिए हैं। ये भौंक रहे हैं। प्रदेश में बढ़ते अपराध पर ओपी राजभर ने कहा कि प्रदेश में अपराध को कम करने के लिए ही यूपी सरकार पौधारोपण कर रही है। क्योंकि वातावरण दूषित हो गया है। जब करोड़ों की संख्या में यूपी में पेड़ लग जाएंगे तो अपराध में कमी आएगी। वातावरण का, खानपान का दोष है। रासायनिक खाद का बड़े पैमाने पर प्रयोग हो रहा है। वायुमंडल दूषित है। इसको रोकने के लिए मेरे विभाग ने एक करोड़ 28 लाख पेड़ लगाए हैं। सरकार ने एक अरब पेड़ लगाए हैं। पेड़ लग जाएंगे तो यूपी में अपराध कम हो जाएगा। राहुल गांधी की ओर से वोटर लिस्ट में गड़बड़ी को लेकर दिए गए बयान पर राजभर ने कहा कि राहुल गांधी के बयान मजाक बनकर रह गए हैं। राहुल गांधी जहां से चुनाव जीते हैं क्या इलेक्शन कमीशन ने वोटर लिस्ट में गड़बड़ी करके चुनाव जिताया? डिनर पार्टी में अखिलेश यादव के जाने पर कहा कि अखिलेश यादव मध्य प्रदेश और उत्तराखंड चुनाव में भी गए थे और वहां कांग्रेस को हरा दिया। यूपी में कांग्रेस का जनाधार खत्म हो चुका है।

जान जोखिम में डालकर भाइयों की कलाई पर राखी बांधने पहुंची बहनें

बहराइच। प्रदेश में लगातार हो रही मूसलाधार बारिश की वजह से नदियां उफान पर हैं। लेकिन भाइयों की कलाई पर राखी बांधने वाली बहनों का जज्बा बाढ़ के आगे कम नहीं हुआ। भारी बाढ़ के बीच उफनाती नदी को पार बहनों ने अपने भाईयों की कलाई पर राखी बांधी। बहराइच से राखी पर कुछ ऐसी ही तस्वीरें सामने आई। प्रदेश सरकार की तरफ से तीन दिन के लिए बसों में फ्री यात्रा की सौगात दी गई है, वहीं दूसरी तरफ बाढ़ ग्रस्त इलाके में रहने वाले लोगों के लिए बाढ़ और बारिश का पानी बड़ी मुसीबत बना हुआ है। इसके बावजूद बहने अपनी जिंदगी दांव पर लगाकर नाव के सहारे राखी लेकर भाइयों तक पहुंच रही है। जिले के नानपारा इलाके में आजादी के बाद से अब तक कोई पुल और कोई सड़क न होने की वजह से बहनों को नाव का सहारा लेना पड़ रहा है। बहने नाव के सहारे अपने भाइयों तक पहुंच रही हैं। इन बहनों की मांग है कि अगर एक पुल इस नदी पर बन जाए तो शायद एक दर्जन से अधिक गांव व ग्रामीणों की जिंदगी संवर जाएगी।

यूपी में भारी बारिश से नदियां उफान पर

24 जिले बाढ़ की चपेट में, अभी एक हफ्ता राहत के आसार नहीं

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के विभिन्न इलाकों में भारी मानसूनी बारिश लगातार जारी है। प्रयागराज, वाराणसी, मऊ, मिर्जापुर, आजमगढ़, गोंडा, बदायूं, उन्नाव, कानपुर समेत उत्तर से दक्षिण तक प्रदेश के लगभग 24 जिले बाढ़ की चपेट में हैं। मौसम विभाग की मानें तो बारिश से फिलहाल एक हफ्ते राहत की उम्मीद नहीं है। वहीं कई हिस्सों में बारिश के कारण गंगा ने रौद्र रूप धारण कर लिया है। बुलंदशहर के नरौरा बैराज पर शनिवार को गंगा में खतरे के निशान से ऊपर 2 लाख 81 हजार 676 क्यूसेक प्रति सेकंड का बहाव है। मुरादाबाद में गंगा नदी का जलस्तर लगातार बढ़ने से गुन्नौर क्षेत्र के बबराला घाट, राजघाट और नरौरा गंगा बैराज पर बाढ़ का खतरा मंडराने लगा है। हालांकि प्रयागराज और वाराणसी में गंगा का जलस्तर लगातार घट रहा है। इसके साथ ही मिर्जापुर में भी गंगा का जलस्तर खतरे के बिंदु से नीचे आ गया है। वहीं मऊ जिले में सरयू नदी का रौद्र रूप देखने को मिल रहा है। यहां नदी खतरे के निशान से ऊपर बह रही है। बदायूं में गंगा और रामगंगा उफन पर हैं। 28 गांवों में बाढ़ का पानी भर गया है। हजारों लोग प्रभावित हो गए हैं। लोगों ने स्कूलों में शरण ली है। जलस्तर खतरे के निशान से ऊपर चल रहा है। गंगा का जलस्तर भले ही कम हो रहा हो लेकिन चंदौली के गांवों में जलभराव से दिक्कत बनी हुई है, नरौली गांव में कटान से बदहाली है। इस गांव की आबादी लगभग 3700 है, यहां पर कटान होने से किनारे के मकानों पर जल में समाने का खतरा मंडरा रहा है। बाढ़ राहत शिविर में लोगों ने शरण ले रखी है। लोगों ने यह भी बताया कि अभी तक यहां कोई मददद नहीं पहुंची है।

बस्ती में पुलिस रेड के दौरान हंगामा, FIR दर्ज

बस्ती। उत्तर प्रदेश के बस्ती के जमदाशाही गांव में रात के अंधेरे में पुलिस की रेड के दौरान हंगामा मच गया। वाल्टरगंज थाने की टीम बलात्कार के आरोपी मोहम्मद आमिर को गिरफ्तार करने पहुंची, लेकिन उसे भारी विरोध का सामना करना पड़ा। आरोपी के परिजनों, खासकर महिलाओं ने पुलिस पर हाथापाई की और आरोपी को भागने में मदद की। घटना का सीसीटीवी फुटेज सामने आने के बाद पुलिस ने महिलाओं के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है। दरअसल मामला मोहम्मद आमिर से जुड़ा है, जिस पर बलात्कार का गंभीर आरोप है। वाल्टरगंज थानाध्यक्ष उमाशंकर त्रिपाठी ने बताया कि न्यायालय से आरोपी के खिलाफ सम्मन जारी हुआ था। पुलिस टीम ने सम्मन का पालन करते हुए आरोपी के घर रेड की, लेकिन पहले से सूचना मिलने के कारण आमिर फरार हो चुका था। घर पर केवल उसकी मां और बहनें मौजूद थीं। पुलिस ने पूछताछ शुरू की तो महिलाओं ने टीम को घेर लिया और हाथापाई शुरू कर दी।

● इस दौरान थानाध्यक्ष और एक सिपाही की नेम प्लेट तक गिर गई, जो पुलिस की मर्यादा के लिए चुनौती बन गया। जबकि दूसरी ओर आमिर के परिजनों ने पुलिस पर महिलाओं के साथ अभद्र व्यवहार का आरोप लगाया और सीसीटीवी फुटेज व वीडियो रिकॉर्डिंग के साथ एसपी से कार्रवाई की मांग की। थाना प्रभारी उमाशंकर त्रिपाठी ने बताया कि पुलिस टीम पर अभद्रता हुई और आरोपी को भगाने में परिजनों ने मदद की। सरकारी कर्मचारी के साथ दुर्व्यवहार और पुलिस के काम में बाधा के लिए एफआईआर दर्ज की जा रही है। डीएसपी सत्येंद्र भूषण तिवारी ने कहा कि महिलाओं ने पुलिस के साथ बदसलूकी की, जिसके आधार पर मुकदमा दर्ज किया गया है। उधर शिकायतकर्ता महिला ने कहा कि आरोपी मोहम्मद आमिर ने मेरे साथ जघन्य अपराध किया, लेकिन उसके परिजनों ने पुलिस को सहयोग देने के बजाय विरोध किया। यह कानून का अपमान है।

दौड़ते घोड़े की रस्सी में फंसकर तीन सौ मीटर तक घिसटता रहा किशोर

महानगर संवाददाता
सिद्धार्थनगर

सिद्धार्थनगर के शोहरतगढ़ कस्बे में शुक्रवार की दोपहर में करीब एक बजे एक दिल दहलाने वाला हादसा हुआ। सड़क पर दौड़ रहे घोड़े से बंधी रस्सी नीबी दोहनी गांव निवासी हर्षित (14) के पैर में फंस गई और वह घिसटने लगा।

दुकानदार बचाने के लिए दौड़ पड़े। करीब तीन सौ मीटर आगे जाकर घोड़े को पकड़कर हर्षित को छुड़ाया गया, तब तक वह लहूलुहान हो चुका था। उसे मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने घोड़ा मालिक गरीबुल्लाह के खिलाफ केस दर्ज किया है। शोहरतगढ़ थानाध्यक्ष बिंदेश्वरी मणि त्रिपाठी ने बताया कि नगर पंचायत के नीबी दोहनी निवासी

लक्ष्मीकांत कसौधन कस्बे के 51 तिराहा पर मेडिकल स्टोर चलाते हैं। शुक्रवार की दोपहर लक्ष्मीकांत का बेटा हर्षित पिता के लिए भोजन लेकर पैदल ही जा रहा था। इसी दौरान दो घोड़े दौड़ते हुए पुलिस पिकेट की ओर जा रहे थे। घोड़े से बंधी रस्सी सड़क पर घिसटी रही थी। रास्ते से गुजर रहे हर्षित का पैर एक घोड़े की रस्सी में फंस गया और वह दौड़ते घोड़े के पीछे घिसटने लगा। यह देख लोग किशोर को बचाने के लिए घोड़े के पीछे दौड़ने लगे, करीब 300 मीटर दूर जाकर उसे छुड़ाया जा सका।

मौके पर पहुंचे लक्ष्मीकांत बेटे को गंभीर रूप से घायल देख दहाड़ मार रोने लगे। किशोर को स्थानीय सीएचसी ले जाया गया जहां चिकित्सकों ने हालत गंभीर देख मेडिकल कॉलेज के लिए रेफर कर दिया। थानाध्यक्ष बिंदेश्वरी मणि त्रिपाठी ने बताया कि लक्ष्मीकांत की तहरीर पर घोड़ा मालिक नीबी दोहनी निवासी गरीबुल्लाह के विरुद्ध केस दर्ज कर कार्रवाई की जा रही है।

बाढ़ पीड़ितों की व्यवस्था को लेकर अखिलेश ने प्रदेश सरकार को घेरा

लखनऊ। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा है कि प्रदेश में बाढ़ से हाहाकार मचा है और 22 जिलों में हालत बहुत खराब हैं। गंगा, यमुना, राप्ती, सरयू, घाघरा नदियां उफनाई हुई हैं। बाढ़ की चपेट में तमाम लोग अपनी जान भी गंवा बैठे हैं। मुख्य मार्गों से कटे इलाकों में लोग परेशानियों से जूझ रहे हैं। पशुओं की हालत तो और भी ज्यादा खराब है। आरोप लगाया कि सरकार का कहीं कोई प्रबंध नहीं नजर आता है। अखिलेश ने एक बयान में कहा कि उरई में सड़कें पानी से लबालब हैं। पहली मंजिल तक पानी भरने से तमाम लोग बेघर हो गए हैं। प्रयागराज में 80 हजार प्रतियोगी छात्र लाज-कमरे छोड़कर चले गए हैं। 400 से अधिक लाइब्रेरियां बंद हो गई हैं। बाढ़ का पानी घरों के अन्दर बह रहा है। राजधानी लखनऊ में भी भारी बारिश से जनजीवन अस्त व्यस्त है। खेतों में बाजरा, दलहन की फसलों को नुकसान होने से किसान चिंता में हैं। जगह-जगह गड्ढों से वाहन दुर्घटनाग्रस्त हो रहे हैं और भीषण जाम लग रहा है। एयरपोर्ट से बनी तक सड़क सबसे ज्यादा खराब है। सरकार सड़कों के गड्ढे भरने के लिए बड़ी राशि खर्च करने का दावा कर चुकी है, लेकिन काम होने के बजाय बजट भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गया है। अखिलेश ने तंज कसते हुए कहा कि बाढ़ पीड़ितों को भोजन, पानी, दवा की व्यवस्था करना प्रशासन की जिम्मेदारी है, लेकिन लगता है कि पूरी सरकार मठ में विश्राम करने चली गई है।

नगर निगम की टीम से उलझे कांग्रेस महानगर अध्यक्ष, परमीशन दिखाओ, पूरी बिल्डिंग तोड़ दो

आगरा। आगरा सित नाई की मंडी में अतिक्रमण हटाने को लेकर पहुंची नगर निगम की टीम को देखकर कांग्रेस महानगर अध्यक्ष उलझ गए। उनका कहना था कि अतिकमण हटाने का आदेश दिखाइए। इसके बाद आप पूरी बिल्डिंग को तोड़ दीजिए। इस पर नगर निगम के जोनल अधिकारी भी चुप नहीं रहते हैं। उन्होंने भी जवाब दिया। इसके बाद फिर दोनों के बीच जमकर नोकझोंक होती है। कांग्रेस महानगर अध्यक्ष अमित सिंह कहते हैं नगर आयुक्त से बात कराओ। आपको किस सरकार ने आदेश देकर भेजा है। आप किसी के ऊपर कैसे बुलडोजर चला दोगे।

उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा, आप लोग केवल हिंदू-मुस्लिम करते हैं और कोई काम नहीं है। दरअसल ये पूरा वाक्या बीते गुरुवार का है। इसका वीडियो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। स्थानीय निवासियों और पड़ोसी द्वारा दी गई शिकायत के आधार पर गालिब पुरा अतिक्रमण हटाने गई थी। टीम का नेतृत्व जोनल अधिकारी अवधेश कुमार कर रहे थे। कार्रवाई शुरू होते ही पास में मौजूद व्यापारियों ने विरोध जताना शुरू कर दिया। इसी दौरान कांग्रेस के महानगर अध्यक्ष अमित सिंह भी मौके पर पहुंच गए और कार्रवाई को भेदभाव पूर्ण बताते हुए विरोध शुरू कर दिया। अमित सिंह ने आरोप था कि टीम बिना सूचना दिए ही अतिक्रमण हटाने पहुंच गई। अतिक्रमण हटाने के नाम पर दुकानदारों का उत्पीड़न किया जा रहा है। व्यापारी वैसे ही मंदी की मार झेल रहे हैं उसके बावजूद नगर निगम की टीम चालान के नाम पर दुकानदारों से अवैध वसूली कर रही है।

कच्चा मकान गिरने से पिता-पुत्र की मौत, सोते समय हादसा

चंदौली। जिले के बबुरी थाना क्षेत्र के बुधवार गांव में शुक्रवार देर रात भारी बारिश के बीच एक दर्दनाक हादसा हो गया। लगातार हो रही मूसलधार बारिश के चलते एक कच्चा मकान भरभराकर गिर पड़ा, जिसमें सो रहे पिता-पुत्र की मौके पर ही मौत हो गई। मृतकों की पहचान शिव मूरत (65) और उनके पुत्र जय हिंद (40) के रूप में हुई है। बताया जाता है कि दोनों रात में अपने कच्चे मकान में सो रहे थे, तभी अचानक मकान गिर गया। घटना में दोनों मलबे में दब गए। ग्रामीणों ने मिट्टी का मलबा हटाकर दोनों को बाहर निकाला, लेकिन तब तक दोनों की सांसें थम चुकी थीं। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया। हादसे की सूचना पर उपजिलाधिकारी, नायब तहसीलदार, खंड विकास अधिकारी, भाजपा नेता राणा प्रताप सिंह, सूर्य मुनि तिवारी, संतोष कुमार गुप्ता तथा सीपीएम नेता गलाब चंद्र मौके पर पहुंचे और पीड़ित परिवार को आर्थिक सहायता एवं प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत मकान उपलब्ध कराने की मांग की।

महिला आईएएस अफसर ने होटल कारोबारी पर लगाया मानसिक प्रताड़ना का आरोप, मुकदमा दर्ज

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में सनसनीखेज मामला सामने आया है। यहां महिला आईएएस अफसर चैत्रावी ने होटल कारोबारी नरेन राज पर मानसिक प्रताड़ना का आरोप लगाया है। इस संबंध में महिला अफसर ने आलमबाग थाने में नरेन राज के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई है। आईएएस अफसर के मुताबिक, नरेन राज उनके पति हरीश कुमार के साथ होटल का व्यवसाय करता था, लेकिन अब वह उन पर बड़े होटल उद्यमियों से परिचय कराने का दबाव बना रहा है और नहीं मानने पर मानसिक रूप से परेशान

कर रहा है। महिला अफसर ने अपनी शिकायत में कहा कि नरेन राज का यह व्यवहार उन्हें मानसिक रूप से आहत कर रहा है। पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।

महिला आईएएस अफसर चैत्रा वी युवा कल्याण एवं पीआरडी विभाग की महानिदेशक हैं। थाने में दर्ज कराई एफआईआर में महिला अफसर ने कहा है कि कारोबार में घाटा होने के बाद से नरेन राज उन पर बड़े होटल उद्यमियों से मुलाकात कराने का दबाव बना रहे थे। इस संबंध में उन्होंने कई बार नरेन राज को साफ इनकार कर दिया। उनकी मांग भी ठुकरा दी। इसके बाद कारोबारी उनके पीछे पड़ा है। कारोबारी लगातार उन्हें मानसिक प्रताड़ना भी दे रहा है। इसके कारण उनका कामकाज में कतई मन नहीं लग रहा है। कारोबारी की मानसिक प्रताड़ना के चलते उनके निजी जीवन में भी प्रभाव पड़ रहा है। उन्होंने एफआईआर दर्ज कराने के बाद पुलिस को काम में गंभीरता दिखाकर कार्रवाई की मांग की है।

सारनाथ को यूनेस्को की सूची में शामिल कराया जाएगा

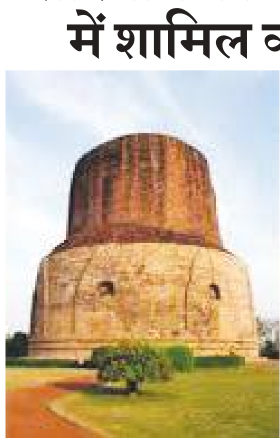

महानगर संवाददाता
लखनऊ

पर्यटन विभाग ने वाराणसी स्थित विश्व प्रसिद्ध बौद्ध स्थल सारनाथ को यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में शामिल कराने की तैयारी शुरू कर दी है। इस संबंध में पर्यटन निदेशालय में पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह ने भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के अधिकारियों के साथ बैठक की। बैठक में सितंबर में होने वाली यूनेस्को की बैठक के एजेंडे और प्रस्तावित कार्य योजना पर विस्तृत चर्चा की गई। मंत्री ने कहा कि सारनाथ हमारी सांस्कृतिक और आध्यात्मिक धरोहर है। इसे यूनेस्को वर्ल्ड हेरिटेज साइट में शामिल कराना पूरे विश्व के लिए देश की विरासत को पास से जानने का अवसर प्रदान करेगा।

मऊ में शिक्षक भर्ती घोटाला, 42 फर्जी शिक्षक समेत 72 नामजद,14 अज्ञात पर मुकदमा

मऊ। जिले में समाज कल्याण विभाग के अधीन संचालित अंबेडकर विद्यालयों में फर्जी शिक्षकों की नियुक्तियों का मामला सामने आने के बाद जिले में हड़कंप मच गया है। जिला समाज कल्याण अधिकारी विकास ने 19 अंबेडकर स्कूलों में फर्जी दस्तावेज़ के सहारे वर्षों से नौकरी कर रहे 42 शिक्षकों समेत कुल 72 और 14 अज्ञात लोगों के खिलाफ शहर कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराया है। आरोपियों में सिर्फ शिक्षक ही नहीं, बल्कि 20 स्कूल प्रबंधक, 3 तत्कालीन जिला समाज कल्याण अधिकारी, 3

पर्यवेक्षक और शिक्षा विभाग के 3 तत्कालीन अधिकारी भी शामिल हैं। यह फर्जीवाड़ा 2018 में तत्कालीन जिलाधिकारी प्रकाश बिंदु की जांच में उजागर हुआ था। कार्रवाई आश्वासन समिति की शिकायत पर नियम 51 (संसदीय/विधायी प्रक्रिया) के तहत की गई, जिससे पूरे जिले में सनसनी फैल गई है।

फर्जी प्रमाणपत्रों के आधार पर नियुक्ति

शिक्षक रामप्रसाद, जो सहायक अध्यापक के पद पर प्रबुद्ध अंबेडकर यांत्रिक प्राथमिक विद्यालय, मोहम्मदाबाद गोहना में तैनात हैं। इनका नाम एफआईआर में 22वें क्रम पर दर्ज है। रामप्रसाद विद्यालय में लगभग छह बच्चों को पढ़ाते हुए दिखाई दे रहे हैं। उनका मासिक वेतन लगभग 70,000 के आसपास है। रामप्रसाद पर आरोप है कि उन्होंने कूटरचित अभिलेखों के आधार पर इस विद्यालय में नौकरी प्राप्त की। इस संबंध में उनके विरुद्ध मुकदमा दर्ज किया गया है। हालांकि, उनका कहना है कि उनके सभी अभिलेख वैध हैं। वे बताते हैं कि वर्ष 2018 में जब उनके दस्तावेजों को लेकर जांच कराई गई थी, तब उन्होंने जन सूचना के तहत रिपोर्ट मांगी थी, जिसमें उनके पक्ष में जांच रिपोर्ट प्राप्त हुई थी। समाज कल्याण अधिकारी रश्मि मिश्रा ने बताया कि जिले के 19 विद्यालयों में की गई जांच में 42 शिक्षक फर्जी प्रमाणपत्रों के आधार पर नियुक्त पाए गए, जिनके खिलाफ शहर कोतवाली में एफआईआर दर्ज कराई गई है।

गोरखपुर की चार बेटियों ने बांधी महामहिम राष्ट्रपति को राखी

गोरखपुर। रक्षाबंधन के पावन अवसर पर शनिवार को राष्ट्रीय कन्या इंटर कॉलेज, बरहलगंज, गोरखपुर की छात्राओं ने भारत के महामहिम राष्ट्रपति को राखी बाँधकर उन्हें सम्मान एवं स्नेह का प्रतीक प्रस्तुत किया। इस अवसर पर छात्राओं ने राष्ट्रपति से भेंट की और आत्मीयता व उल्लास के साथ राखी बाँधी। महामहिम ने बच्चियों के इस प्रेम और विश्वास को सराहा और उन्हें उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएँ दीं। राष्ट्रपति ने अपने संदेश में कहा कि रक्षाबंधन केवल भाई-बहन के रिश्ते का त्योहार नहीं है, बल्कि यह आपसी प्रेम, विश्वास और सामाजिक सौहार्द का प्रतीक भी है। इस अवसर पर राष्ट्रपति महोदय ने छात्राओं से यह भी आग्रह किया कि वे पर्यावरण की रक्षा हेतु अधिक से अधिक वृक्षारोपण करें। उन्होंने कहा कि पेड़ हमारे जीवन के लिए अनिवार्य हैं। ये न केवल हमें ऑक्सीजन देते हैं, बल्कि पर्यावरण संतुलन बनाए रखने में भी अहम भूमिका निभाते हैं।

गाजा पर कब्जे के खिलाफ एकजुट हुए 20 मुस्लिम देश

इजरायल की सेना तैयार

महानगर नेटवर्क
गाजा

8 अगस्त को इजरायल की सुरक्षा कैबिनेट ने गाजा पट्टी पर कब्जा करने की योजना को मंजूरी दी, जिसने अंतराष्ट्रीय स्तर पर नए विवाद और विरोध को जन्म दिया है। इस योजना को लेकर लगभग 20 अरब मुस्लिम देशों ने चेतावनी दी है और इसे 'खतरनाक व भड़काऊ' करार देते हुए इसकी कड़ी निंदा की है। इन देशों में मिस्र, सऊदी अरब, तुर्की, कतर और जॉर्डन शामिल हैं। इसके जवाब में इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा कि उनका उद्देश्य गाजा को हमास से मुक्त करना और वहां एक गैर-हमास, गैर-फिलिस्तीनी प्राधिकरण वाले शांतिपूर्ण नागरिक सरकार को स्थापित करना है। इस बीच वैश्विक समुदाय और संयुक्त राष्ट्र ने भी इस योजना की आलोचना की है। दूसरी ओर गाजा में मानवीय संकट गहराता जा रहा है। इजरायल की सुरक्षा कैबिनेट ने 8 अगस्त को एक ऐसी योजना को हरी झंडी दी, जिसके तहत इजरायली सेना गाजा सिटी पर कब्जा करेगी, जो गाजा पट्टी का सबसे बड़ा शहर और हमास का प्रमुख गढ़ माना जाता है। इजरायल का दावा है कि वह गाजा सिटी को अपने कब्जे में लेकर हमास को पूरी तरह खत्म करना चाहता है। नेतन्याहू ने कहा कि हम गाजा पर कब्जा नहीं करेंगे, बल्कि इसे हमास से मुक्त करेंगे। योजना में गाजा में एक वैकल्पिक नागरिक प्रशासन स्थापित करने की बात कही गई है, जो न तो हमास के अधीन होगा और न ही फिलिस्तीनी प्राधिकरण के। इसका लक्ष्य गाजा को 'विसैन्यीकृत' करना और बंधकों की रिहाई सुनिश्चित करना है। सेटेलाइट तस्वीरों में गाजा सीमा के पास इजरायली सेना की भारी तैनाती और सैन्य उपकरणों का जमावड़ा देखा गया है, जो एक बड़े पैमाने पर सैन्य अभियान की ओर इशारा करता है।

माता वैष्णो देवी के लिए चलने जा रही एक और वंदे भारत ट्रेन

- पीएम मोदी दिखाएंगे हरी झंडी

महानगर नेटवर्क
नई दिल्ली

देशभर में चल रही तमाम वंदे भारत ट्रेनों के बीच एक नई खुशखबरी सामने आई है। जम्मू-कश्मीर में माता वैष्णो देवी कटरा के लिए एक और वंदे भारत ट्रेन चलने जा रही है। पीएम मोदी इस ट्रेन को बेंगलुरु से डिजिटली रूप से हरी झंडी दिखाएंगे। यह ट्रेन अमृतसर से वैष्णो देवी कटरा तक चलेगी। इससे पंजाब से जम्मू की यात्रा करने वाले लाखों यात्रियों को फायदा मिलने की उम्मीद है। इसके उत्तर रेलवे जोन के तहत चलाया जाएगा। बता दें कि इस समय देशभर में 144 वंदे भारत ट्रेनें चलाई जा रही हैं। यह पहली बार साल 2019 में नई दिल्ली से वाराणसी के लिए लॉन्च की गई थी। इसके बाद समय-समय पर अन्य रूटों पर भी चलाई गईं। अमृतसर से कटरा जाने वाली वंदे भारत महज 5.35 घंटे का समय लेगी। मंगलवार को छोड़कर बाकी सभी दिन यह ट्रेन चलेगी। इसके नंबर की बात करें तो वह 26405/26406 होगा। इससे पहले नई दिल्ली-कटरा, कटरा-श्रीनगर वंदे भारत भी चलाई जा चुकी है। ट्रेन के स्टॉपेज की बात करें तो अमृतसर-कटरा वंदे भारत अपने रूट पर चार जगह रुकेगी। ब्यास, जालंधर सिटी, पठानकोट कैंट और जम्मू तवी। वहीं टाइमिंग की बात करें तो कटरा-अमृतसर वंदे भारत कटरा से सुबह 6.40 मिनट पर निकलेगी और फिर दोपहर 12.20 पर अमृतसर पहुंच जाएगी। वहीं वापसी में यह ट्रेन अमृतसर से शाम 4.25 पर चलेगी और रात में दस बजे वापस कटरा पहुंच जाएगी।

पाकिस्तान को महंगा पड़ा भारतीय विमानों के लिए हवाई क्षेत्र बंद करना

4.1 अरब रुपये का नुकसान

महानगर नेटवर्क
इस्लामाबाद

भारतीय एयरलाइंस के लिए अपना हवाई क्षेत्र बंद करने के बाद पाकिस्तान को 4.1 अरब रुपये का नुकसान झेलना पड़ा है। यह जानकारी पाकिस्तान के रक्षा मंत्रालय ने नेशनल असेंबली में दी। पाक सरकार ने बताया कि यह घाटा 24 अप्रैल से 30 जून तक का है। यानी पाकिस्तान हवाई अड्डा प्राधिकरण को इससे भी बड़ा नुकसान हुआ है, जो अभी भी जारी है क्योंकि पड़ोसी देश ने भारतीय एयरलाइंस के लिए अपना हवाई क्षेत्र अभी भी नहीं खोला है। पाकिस्तानी रक्षा मंत्रालय के अनुसार यह कदम भारत द्वारा 23 अप्रैल को सिंधु जल संधि को निलंबित करने के जवाब में उठाया गया था। पाकिस्तान ने भारतीय पंजीकृत विमानों और भारतीय एयरलाइंस द्वारा संचालित, स्वामित्व वाले या लीज पर लिए गए विमानों को अपने हवाई क्षेत्र में उड़ान भरने की अनुमति रद्द कर दी। हवाई क्षेत्र पर प्रतिबंध लगाने से प्रतिदिन 100 से 150 भारतीय उड़ानों पर असर पड़ा, जिसके चलते पाकिस्तान के हवाई यातायात में लगभग 20% की कमी आई। पाक रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने नेशनल असेंबली को कहा कि इस प्रतिबंध से आर्थिक नुकसान हुआ, लेकिन राष्ट्रीय सुरक्षा और संप्रभुता को प्राथमिकता दी गई। उन्होंने कहा कि जब बात संप्रभुता और रक्षा की हो, तो कोई भी कीमत बड़ी नहीं होती। रक्षा मंत्रालय ने बताया कि यह नुकसान 4.1 अरब रुपये का है, जो पहले अनुमानित 8.5 अरब रुपये के आंकड़े से काफी कम है। इससे पहले, 2019 में भी इसी तरह के तनाव के दौरान हवाई क्षेत्र बंद करने से पाकिस्तान को 7.6 अरब रुपये का नुकसान हुआ था। मंत्रालय ने यह भी कहा किया कि 2019 में औसत दैनिक ओवरफ्लाइट राजस्व 508,000 डॉलर था, जो 2025 में बढ़कर 760,000 डॉलर हो गया। पाकिस्तान ने अपनी नीति का बचाव करते हुए कहा कि हवाई क्षेत्र को बंद करने का निर्णय नोटिस टू एयरमेन के माध्यम से लिया गया, जो केंद्र सरकार के अधिकार क्षेत्र में आता है।

दिल्ली युनिवर्सिटी के सोशल सेंटर स्कूल का कायाकल्प

सीएम रेखा गुप्ता की मौजूदगी में कार्यक्रम

महानगर नेटवर्क
नई दिल्ली

केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार की पहल पर देश के विश्वविद्यालयों और स्कूलों में सुविधाओं को बढ़ाने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। साथ ही स्कूलों को उच्च शिक्षा के लिए अपग्रेड भी किया जा रहा है। उसी दिशा में एक कदम आगे बढ़ाते हुए ऐतिहासिक दिल्ली यूनिवर्सिटी सोशल सेंटर स्कूल मौरिस नगर दिल्ली एकेडमिक ब्लॉक में स्कूल का 12वीं तक विस्तार के कायाकल्प किया गया। प्रधानमंत्री कार्यालय के पहल पर दिल्ली विश्वविद्यालय के कुलपति को निर्देशित कर स्कूल की योजनाओं को ध्यान में रखते हुए स्कूल निर्माण हेतु 27,1/2 करोड़ रुपए का आवंटन किया गया। इस सफल कायाकल्प के सारथी समाज सेवी शैलेंद्र कुमार एवं स्कूल के पूर्व 45 वर्ष छात्र रविंद्र कुमार द्विवेदी का अथक प्रयास रहा। यह प्रयास कोई छोटा-मोटा प्रयास नहीं, बल्कि विगत 5 वर्षो के दिन-रात मेहनत का फल है, जिसे शैलेंद्र कुमार ने स्कूल निदेशक से लेकर प्रधानमंत्री कार्यालय तक आवाज को बुलंद किया।

विश्वविद्यालय प्रबंधन एवं कुलपति को भी अवगत कराया गया। इस संबंध में कुलपति प्रोफेसर योगेश सिंह की दूर दृष्टि और उनकी सोच की बदौलत ही संभव हो पाया। प्रोफेसर योगेश सिंह अपने कार्यकाल के कम समय में ही अपने उद्देश्यों में सफल हुए। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता रहीं।

केंद्र बोला- अमेरिका में 5 मंदिरों में तोड़फोड़

- बांग्लादेश में 5 साल में हिंदुओं पर 3582 हमले
- पाकिस्तान में अल्पसंख्यकों पर हिंसा के 334 केस

महानगर नेटवर्क
नई दिल्ली

विदेश राज्य मंत्री कीर्तिवर्धन सिंह ने राज्यसभा में बताया कि बांग्लादेश में 2021 से अब तक हिंदुओं पर 3,582 हमलों की घटनाएं हुई हैं। रंगपुर-चटगांव जैसे क्षेत्रों में अल्पसंख्यकों पर हिंसा जारी है। उन्होंने शिवसेना (UBT) सांसद अनिल देसाई के सवाल के जवाब देते हुए कहा कि भारत ने पाकिस्तान के सामने अल्पसंख्यकों के खिलाफ हिंसा के 334 प्रमुख मामले उठाए हैं। उन्होंने कहा कि अमेरिका, कनाडा और ब्रिटेन में हिंदुओं पर हमले और मंदिरों में तोड़फोड़ के मामले सामने आए, पिछले साल से अमेरिका में हिंदू मंदिरों में तोड़फोड़ के 5 और कनाडा में 4 मामले सामने आए हैं। लालमोनिरहाट एयरबेस पर भारत ने संज्ञान लिया विदेश राज्य मंत्री कीर्तिवर्धन सिंह ने राज्यसभा में कहा कि बांग्लादेश के लालमोनिरहाट एयरबेस से जुड़ी रिपोर्टों का संज्ञान लिया है। भारत इस मामले पर सतर्क है और राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े हर पहलू पर आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं। सरकार से पूछा गया था कि क्या बांग्लादेश ने चीन को लालमोनिरहाट एयरबेस से सैन्य गतिविधि शुरू करने की अनुमति दी है?

1962 में चीन का 38 हजार वर्ग किमी जमीन पर कब्जा था। सरकार ने बताया कि 1962 के भारत-चीन युद्ध के अंत में चीन ने 38,000 वर्ग किमी भारतीय क्षेत्र पर अवैध कब्जा कर लिया था। विदेश राज्य मंत्री सिंह ने कहा कि चीन के साथ सीमा विवाद सुलझाने के लिए भारत ने कई कूटनीतिक प्रयास किए हैं।

1 जुलाई तक 6,774 भारतीय कामगार इजराइल गए इस वर्ष 1 जुलाई तक 6,774 भारतीय कामगार इजराइल गए हैं। ये सभी नवंबर 2023 में हस्ताक्षरित द्विपक्षीय समझौते के तहत वहां काम करने गए।

कर्नाटक में महिला का कटा हुआ सिर मिला

- 10 अलग-अलग जगहों से शव के टुकड़े बरामद
- 4 दिन से लापता थी महिला

महानगर नेटवर्क
बेंगलुरु

कर्नाटक के टुमकुरु जिले में 42 साल की एक महिला के शरीर के टुकड़े जिले की 10 अलग-अलग जगहों पर मिले। शुक्रवार को सिद्धरबेट्टा के पास महिला का सिर मिला था। 7 अगस्त को लिंगपुरा गांव में एक कुत्ता सड़क पर एक कटा हुआ हाथ खींचते हुए देखा गया। स्थानीय लोगों ने पुलिस को सूचना दी। कुछ ही दूरी पर एक और हाथ प्लास्टिक की थैली में लिपटा मिला। इसके बाद पुलिस ने तलाशी अभियान चलाया, जिसमें पुलिस को कई जगहों से महिला के शरीर के अन्य हिस्से बरामद हुए। इसमें आंतें, पेट के अंग, एक पैर और खून से सनी थैलियां शामिल थीं। शरीर के ये टुकड़े कोराटगेरे और कोलाला थाने के अंतर्गत आने वाले कई स्थानों से मिले।

SC में एयर इंडिया सिक्योरिटी ऑडिट मांग वाली याचिका खारिज

- बेंच ने पूछा- सिर्फ एयर इंडिया ही क्यों
- अन्य एयरलाइनों की सुरक्षा का क्या होगा

महानगर नेटवर्क
नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने एयर इंडिया की सुरक्षा और रखरखाव मानकों की स्वतंत्र जांच की मांग वाली जनहित याचिका को खारिज कर दिया। इसमें याचिकाकर्ता नरेंद्र कुमार गोस्वामी ने SC के रिटायर जज की अध्यक्षता में कमेटी बनाने और आईसीएओ (IOAO) से मान्यता प्राप्त अंतरराष्ट्रीय एजेंसी से एयर इंडिया की फ्लीट का ऑडिट कराने की मांग की गई थी।

सुनवाई के दौरान जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की बेंच ने याचिकाकर्ता से पूछा- सिर्फ एयर इंडिया ही क्यों? अन्य एयरलाइनों की सुरक्षा का क्या? एक दुखद हादसे के आधार पर किसी एक एयरलाइन को निशाना बनाना ठीक नहीं है और यह न लगे कि आप किसी निजी एयरलाइन के हित में हैं।

'हर बहन बांधती है राखी, लेकिन मैं बदकिस्मत हूं'

पाक की जेल में बंद भाई को देखने के लिए तरस गई बहन की आंखें

महानगर नेटवर्क
नई दिल्ली

रक्षाबंधन का त्योहार भाई-बहन के प्यार का प्रतीक है, लेकिन मध्य प्रदेश के बालाघाट में रहने वाली संघमित्रा खोबरागड़े के लिए यह दिन हर साल आंखों में आंसू और एक लंबा इंतजार लेकर आता है। वह पिछले करीब 14 सालों से अपने इकलौते भाई प्रसनजीत रंगारी को राखी बांधने के लिए तरसती हैं। वह पाकिस्तान की कोट लखपत सेंट्रल जेल में बंद है। पहलगाम हमले के बाद से पाकिस्तान के लिए डाक और कूरियल सेवाएं बंद हो गई थीं। इसकी वजह से अभी तक संघमित्रा का अपने भाई को लिखा भावुक पत्र भी नहीं पहुंच पाया है। वह अपने मैसेज में अपनी गहरी तड़प के बारे में लिखती है।

बहन ने अपने भाई को लिखा पत्र

अपने भावुक पत्र में संघमित्रा ने लिखा, 'भाई, रक्षाबंधन पर मुझे आपकी बहुत याद आती है। मैं आपको राखी भेजना चाहती हूं, लेकिन आप भारत से बहुत दूर हैं। मैं आपको राखी भेजना चाहती हूं और मुझे उम्मीद है कि भारत सरकार प्यार से भेजी गई इस राखी को स्वीकार करके पाकिस्तान के लाहौर स्थित कोट लखपत जेल भेज देगी, ताकि एक बहन की अपने भाई को राखी बांधने की इच्छा पूरी हो सके। हर बहन अपने भाई को राखी बांधती है, लेकिन मैं एक बदकिस्मत बहन हूं, जो ऐसा नहीं कर सकती। मां आपको बहुत याद करती है और आपका इंतजार करती है। आपकी भतीजियां भी आपको याद करती हैं और आपसे मिलना चाहती हैं।'

सुप्रीम कोर्ट बोला- मां और सौतेली मां में अंतर गलत

- बच्चे के जीवन में भूमिका देखें
- एयरफोर्स ने सौतेली मां को पेंशन नहीं दी थी

नई दिल्ली। भारतीय वायुसेना के सौतेली मां को पेंशन लाभ देने से इंकार करने के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई की। कोर्ट ने कहा कि पेंशन योजनाओं में 'मां' और 'जैविक मां' में अंतर नहीं किया जाना चाहिए। कोर्ट ने कहा- हर मामले को उसके विशिष्ट तथ्यों के आधार पर देखा जाना चाहिए और यह तय किया जाना चाहिए कि बच्चे के जीवन में मां की भूमिका वास्तव में किसने निभाई। मामले की सुनवाई जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस उज्जल भुइयां और जस्टिस एन. कोटिश्वर सिंह ने की। जस्टिस भुइयां ने कहा- पेंशन मामले में 'मां का जैविक मां होना जरूरी नहीं है। साल 2010 में वायुसेना ने अपीलकर्ता का विशेष पारिवारिक पेंशन का दावा खारिज किया था। मामले की अगली सुनवाई 18 सितंबर को होगी।

बेंच का वायुसेना से सवाल: अगर जन्म देने वाली मां ने बच्चे को छोड़ दिया और सालों तक दादी ने उसका पालन-पोषण किया, तो क्या बाद में लौटने पर जैविक मां को लाभ मिलेगा? वहीं, यदि सौतेली मां ने जन्म से ही बच्चे की देखभाल की हो, तो उसे लाभ क्यों न मिले?

जवाब: मौजूदा नियमों (वायुसेना पेंशन नियम, 1961) में सौतेली मां को पेंशन देने का प्रावधान नहीं है और इस मामले को पहले कभी चुनौती नहीं दी गई।

आईडीबीआई बैंक मे प्रस्तावित हिस्सेदारी बिक्री का विरोध

केंद्र सरकार इस प्रक्रिया को जल्द पूरा करने के लिए उत्सुक

महानगर नेटवर्क
नई दिल्ली / मुंबई

आईडीबीआई अधिकारियों और कर्मचारियों के संयुक्त मंच ने सरकार और एलआईसी द्वारा आईडीबीआई बैंक में प्रस्तावित हिस्सेदारी बिक्री के विरोध में मुंबई के आज़ाद मैदान में धरना दिया। इस धरना प्रदर्शन में 250 से अधिक सदस्यों ने भाग लिया और सरकार के नापाक इरादों पर अपनी नाराजगी व्यक्त की। धरना प्रदर्शन की अध्यक्षता अखिल भारतीय आईडीबीआई अधिकारी संघ के अध्यक्ष कॉमरेड सौरव कुमार, संयुक्त मंच के संयोजक देवीदास तुलजापुरकर, संयुक्त मंच के संयुक्त संयोजक विठ्ठल कोटेश्वर राव और संयुक्त मंच के संयुक्त संयोजक रत्नाकर वानखेड़े ने की। धरना प्रदर्शन के दौरान, सदस्यों ने एक लाभ कमाने वाले और पुनर्जीवित संस्थान को निजी कंपनियों को बेचे जाने पर गंभीर चिंता व्यक्त की। आईडीबीआई बैंक ने पिछले वित्त वर्ष में 7515 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ दर्ज करके उल्लेखनीय सुधार किया है और कुल एनपीए 55588 करोड़ रुपये (27.95%) से घटकर मात्र 6692 करोड़ रुपये (2.98%) रह गया है, जो इस क्षेत्र के सर्वश्रेष्ठ बैंकों में से एक है। बैंक की अच्छी लाभप्रदता और वित्तीय प्रदर्शन के बावजूद, एसोसिएशन ने बैंक के निजीकरण के औचित्य पर सवाल उठाया। एसोसिएशन ने इस कदम को राजकोषीय न्याय, वित्तीय स्वायत्तता और आत्मनिर्भर भारत के आदर्शों के लिए खतरा बताया और सरकार से विनिवेश पर पुनर्विचार करने का आग्रह किया। केंद्र सरकार इस प्रक्रिया को जल्द पूरा करने के लिए उत्सुक है।

सीमा हैदर ने पीएम मोदी को भेजी राखी

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा के रबूपुरा गांव में सचिन मीणा के साथ रह रही पाकिस्तानी महिला सीमा हैदर ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को रक्षाबंधन पर राखी भेजी। सीमा हैदर ने अपने यूट्यूब चैनल पर इसकी जानकारी देते हुए बताया कि उसने पीएम मोदी के अलावा राष्ट्रपति से लेकर आरएसएस प्रमुख तक कई लोगों को राखियां भेजी हैं। हालांकि पीएम मोदी को राखी भेजते हुए सीमा हैदर ने एक बड़ी गलती भी कर डाली। पाकिस्तानी भाभी ने लिफाफे पर पता ही गलत लिख दिया। मई 2023 में अवैध तरीके से अपने चार बच्चों के साथ भारत आई सीमा हैदर अब खुद को सचिन मीणा की पत्नी बताती है।

'धर्म निभाया', पति के त्यागने के बाद भी ससुराल नहीं छोड़ा

MP हाईकोर्ट ने की महिला की तारीफ

नई दिल्ली। मध्य प्रदेश हाईकोर्ट ने एक महिला की तारीफ की है। कोर्ट ने कहा कि पति द्वारा छोड़ दिए जाने के बाद भी उसने अपना ससुराल नहीं छोड़ा और वह पत्नी के रूप में अपने धर्म पर कायम है। जस्टिस विवेक रूसिया और जस्टिस बिनोद कुमार द्विवेदी की बेंच पति की अपील पर सुनवाई कर रही थी। इसमें निचली अदालत के उस आदेश को चुनौती दी गई थी, जिसमें उसे तलाक देने से इंकार कर दिया गया था। कोर्ट ने कहा कि हिंदू अवधारणा के मुताबिक विवाह एक पवित्र, शाश्वत और अटूट बंधन है। एक आदर्श भारतीय पत्नी, अपने पति द्वारा त्याग दिए जाने पर भी, शक्ति, गरिमा और सद्गुणों का प्रतीक बनी रहती है। बेंच ने आगे कहा कि परित्याग के दर्द के बावजूद, वह एक पत्नी के रूप में अपने धर्म में दृढ़ रहती है। वह कड़वाहट या निराशा को उस विवाह और परिवार के प्रति अपनी जिम्मेदारी की भावना को कम नहीं होने देती, जिसका वह हिस्सा बन गई है। इसलिए इस मामले में पत्नी ने अपना ससुराल नहीं छोड़ा है, बल्कि अपने ससुराल वालों के साथ रहकर अपने आत्म-सम्मान और गरिमा को बनाए रखा है।

अदालत ने कहा कि महिला "न तो अपने पति की वापसी के लिए भीख मांगती है और न ही उसे बदनाम करती है, बल्कि वह अपने शांत धैर्य और नेक आचरण से अपनी ताकत का परिचय देती है।" कोर्ट ने कहा कि उसके कार्यों, शब्दों या कार्यों से उसकी छवि धूमिल हुई है। कोर्ट ने कहा कि वह उनकी सेवा उसी तरह ध्यान और स्नेह से कर रही है जैसे वह अपने पति की उपस्थिति में करती, जिससे उसका नैतिक स्तर मजबूत होता है। वह अपने कष्टों का इस्तेमाल सहानुभूति पाने के लिए नहीं करती, बल्कि उसे अपने भीतर प्रवाहित करती है, जो हिंदू धर्म में स्त्री को शक्ति मानने के आदर्श को दर्शाता है।"

जाट नेता को भाजपा ने किया छह साल के लिए निष्कासित

महानगर नेटवर्क
नई दिल्ली

बीजेपी ने पार्टी के प्रवक्ता कृष्ण कुमार जानू को बीजेपी सरकार और जम्मू-कश्मीर के पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक के प्रति उनके तिरस्कार पर टिप्पणी करने के बाद निष्कासित कर दिया। आधिकारिक तौर पर कहा जा रहा है कि जानू ने हर्षिनी कुल्हारी की बीजेपी झुंझुनू जिला अध्यक्ष पद पर नियुक्ति को लेकर आपत्ति जताई थी। इसी वजह से उन्हें निष्कासित कर दिया गया है।

पार्टी ने एक आदेश जारी किया। बीजेपी की राज्य अनुशासन समिति के अध्यक्ष ओंकार सिंह लखावत ने कहा कि जानू को 20 जून को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया था। वह अपने जवाब में अपने कामों को सही बताने में सफल नहीं रहे। इसके बाद उनके निष्कासन पर छह साल की मुहर लग गई। पिछले कुछ दिनों में एक तेजी से एक वीडियो वायरल हुआ था। इस वीडियो में जानू को जम्मू-कश्मीर के पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक के साथ कथित अपमानजनक बर्ताव और जगदीप धनखड़ को उपराष्ट्रपति पद से हटाए जाने को लेकर बीजेपी के जाट नेटाओं की आलोचना करते हुए सुना जा सकता है। दोनों ही जाट हैं। वीडियो में जानू कहते हैं कि पूर्व राज्यपाल के अंतिम संस्कार और उनके प्रति सरकार के तिरस्कार को देखकर उन्हें गहरा दुख पहुंचा है और वह पार्टी में काम कर रहे जाटों से सवाल पूछना चाहते हैं, चाहे वे सांसद हों, विधायक हों या अन्य पदधारी हों।

अब LAC पर भी चीन-भारत की बात बढ़ेगी आगे

डोभाल-वांग की बैठक से निकलेगा फार्मूला

महानगर नेटवर्क
नई दिल्ली

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के टैरिफ वॉर के सामने भारत डटकर खड़ा है। ट्रंप के टैरिफ बम के बीच भारत और चीन अपने रिश्तों को बेहतर करने की पहल कर रहे हैं। उसी क्रम में अगस्त के आखिर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की चीन यात्रा की संभावना है।

इससे पहले चीन के विदेश मंत्री वांग यी और NSA अजित डोभाल 18 अगस्त को मिलेंगे। वे सीमा मामलों और अन्य मुद्दों पर बात करेंगे। SCO शिखर सम्मेलन में मोदी की भागीदारी से पहले यह मुलाकात महत्वपूर्ण है। भारत और अमेरिका के रिश्ते कुछ समय से ठीक नहीं चल रहे हैं।अमेरिका के राष्ट्रपति ने टैरिफ को लेकर कुछ फैसले लिए हैं, जिससे दोनों देशों के बीच तनाव है।

पेज 1 का शेष

सीएम फडणवीस का तंज

उन्होंने कहा कि राहुल गांधी चुनाव आयोग के सामने हलफनामा देने को तैयार नहीं हैं। राहुल गांधी कहते हैं कि हमने संसद में शपथ ली है। अगर हलफनामा मांगा जाता है, तो आप क्यों नहीं देते? आपको पता है कि आप झूठ बोल रहे हैं, अगर आप इस झूठे हलफनामे में पकड़े गए, तो कल आपके खिलाफ आपराधिक कार्रवाई हो सकती है। उन्होंने यह भी तीखी टिप्पणी की कि ऐसे लोग हैं, जो रोज झूठ बोलते हैं और भाग जाते हैं।

मैंने जगदीप धनखड़ को फोन किया तो...

कपिल सिब्बल ने पूर्व उपराष्ट्रपति को लेकर सरकार से मांगा जवाब

महानगर नेटवर्क
गाजा

पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के इस्तीफ दिए 18 दिन से अधिक हो गए हैं, लेकिन इसके बाद से अब तक उनका कोई पता नहीं चल सका है और न ही उनका कोई बयान सामने आया है। यहां तक कि सरकार के लोग भी उनके बारे में कोई चर्चा नहीं कर रहे हैं। अब इन सबके बीच राज्यसभा सांसद कपिल सिब्बल ने सरकार से जवाब मांगा है। कपिल सिब्बल ने कहा कि उनके इस्तीफे के बाद से हमें उनके ठिकाने के बारे में कुछ नहीं पता चला है। कपिल सिब्बल ने कहा कि मैंने पहले 'लापता लेडीज' के बारे में सुना था, लेकिन 'लापता' उपराष्ट्रपति के बारे में पहली बार सुन रहा हूं। अब लगता है कि विपक्ष को उन्हें बचाना होगा। मैंने पहले उन्हें फोन किया था लेकिन उन्होंने नहीं उठाया, बल्कि उनके पीए ने फोन उठाया और कहा कि वह आराम कर रहे हैं। इसके बाद कोई फोन नहीं उठा रहा है। कई नेताओं ने यह भी कहा कि वह फोन नहीं उठा रहे हैं। ऐसे में हम क्या करें? कपिल सिब्बल ने कहा कि क्या हमें बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका दायर करनी चाहिए या कुछ और? गृह मंत्रालय को इससे संबंधित जानकारी मिली होगी, इसलिए अमित शाह को इस बारे में एक बयान जारी करना चाहिए। मुझे उनकी चिंता है। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने 21 जुलाई और मानसून सत्र के पहले दिन ही स्वास्थ्य कारणों का हवाला देते हुए अपने पद से इस्तीफा दे दिया था, जिसके बाद से सियासी भूचाल मच गया। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को भेजे अपने त्यागपत्र में उन्होंने लिखा कि स्वास्थ्य सेवा को प्राथमिकता देने के लिए वह तत्काल प्रभाव से पद को छोड़ रहे हैं।

मोहल्ला क्लीनिक के कर्मियों को सेवा खत्म होने से 2 माह पहले का दें नोटिस

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने दिल्ली सरकार से कहा है कि यदि वह अगले साल 31 मार्च से पहले आम आदमी मोहल्ला क्लीनिक (एएएमसी) के कर्मचारियों की सेवाएं समाप्त करने का प्रस्ताव लाती है तो उसको इन कर्मियों को दो महीने का नोटिस जारी करना होगा। दिल्ली हाईकोर्ट ने उक्त आदेश एएएमसी कर्मचारियों की एक याचिका पर दिया है। याचिका में कर्मचारियों को सेवा खत्म करने और उनकी जगह अन्य को नियुक्त करने के खिलाफ निर्देश दिए जाने की गुहार लगाई गई थी। इन कर्मचारियों को पिछली आम आदमी पार्टी सरकार ने कॉन्ट्रैक्ट के आधार पर नियुक्त किया था। जस्टिस प्रतीक जालान ने याचिका पर आदेश जारी करते हुए कहा कि यदि दिल्ली सरकार 31 मार्च, 2026 से पहले याचिकाकर्ताओं की नियुक्ति इस आधार पर खत्म करने का प्रस्ताव लाती है कि नए कर्मचारियों की नियुक्ति की गई है, तो उन्हें पुराने कर्मचारियों को दो महीने का नोटिस देने का निर्देश दिया जाता है।

अदालत ने 6 अगस्त को उक्त आदेश जारी किया। बता दें कि अदालत ने मंगलवार को एएएमसी में संविदा के आधार पर काम करने वाले डॉक्टरों की याचिका पर भी इसी तरह का आदेश पारित किया। इन डॉक्टरों की नियुक्ति 2016 से 2015 के बीच समय-समय पर बढ़ाई गई थी। याचिका में उन्हें अवैध रूप से नौकरी से निकाले जाने पर रोक लगाने की मांग की गई थी।

वास्तु के अनुसार घर में गणेश मूर्ति का स्थान

कई लोग अपने घरों में विघ्नहर्ता, सुख-समृद्धि के देवता भगवान गणेश की मूर्ति रखते हैं। घर में गणेश मूर्ति या गणेश मूर्ति फोटो रखने से आपके घर में सौभाग्य आता है। उन्होंने कहा, वास्तु के अनुसार, जहां आप नई गणपति मूर्ति रखते हैं , वह उतना ही महत्वपूर्ण है जितना कि मूर्ति वास्तु वास्तुकला का प्राचीन भारतीय विज्ञान है जो किसी संरचना में ऊर्जा का सामंजस्यपूर्ण क्षेत्र बनाता है। यह सब सकारात्मक और नकारात्मक ऊर्जाओं के साथ-साथ प्रकृति के 5 तत्वों को संतुलित करने के बारे में है। घर के लिए वास्तु के सिद्धांतों का पालन करने से समृद्धि और खुशहाली आ सकती है। जब घर में मूर्तियों की स्थापना की बात आती है, तो वास्तु इस बात पर चर्चा करता है कि गणेश मूर्ति को कहाँ रखा जाना चाहिए और साथ ही इसका मुख किस दिशा में होना चाहिए। यहां घर पर गणेश मूर्ति स्थापित करने के लिए कुछ शीर्ष वास्तु टिप्स दिए गए हैं।

गणेश मूर्ति के रंग पर ध्यान दें

किसी मूर्ति के कई विवरणों में से, रंग सबसे महत्वपूर्ण है। आपकी नई गणपति मूर्ति का रंग उसकी आकर्षित होने वाली ऊर्जा को प्रभावित करेगा। यदि आप खुशी और आराम को आकर्षित करना चाहते हैं तो सफेद गणपति की मूर्ति आदर्श है। दूसरी ओर, गणेश की सिन्दूरी रंग की मूर्ति धन और विलासिता की भावना को आकर्षित करने के लिए शुभ मानी जाती है। इस रंग की गणेश मूर्ति तस्वीर उन लोगों की भी मदद करेगी जो आत्म-विकास की इच्छा रखते हैं। सौभाग्य के लिए आप गणपति की सोने की मूर्ति भी स्थापित कर सकते हैं।

गणेश मूर्ति में सूंड की दिशा की जाँच करें

अन्य देवताओं की तरह गणेश के भी व्यक्तित्व में कई पहलू हैं। माना जाता है कि मूर्ति की सूंड जिस दिशा में मुड़ती है, वह मूर्ति के व्यक्तित्व को प्रभावित करती है। बाईं ओर मुड़ी हुई सूंड वाली गणेश मूर्ति अधिक लचीली और प्रसन्न करने में आसान मानी जाती है। दूसरी ओर, दाहिनी ओर मुड़ी हुई सूंड वाली गणेश मूर्तियाँ अधिक कठोर होती हैं और अधिक अनुशासित पूजा की मांग करती हैं। इसे दक्षिणाभिमुखी मूर्ति के नाम से भी जाना जाता है। भगवान गणेश को नाराज करने का जोखिम उठाने के बजाय, ऐसी मूर्ति चुनें जिसकी आप उचित देखभाल कर सकें। नटराज गणेश की मूर्ति या संगीत वाद्ययंत्र बजाते समय भगवान गणेश की मूर्ति पूजा कक्ष में रखने से बचना चाहिए।

एक नया चुनें गणपति मूर्ति सावधानी से टाइप करें

एक नया गणपति मूर्ति कई अलग-अलग सामग्रियों से बनाई जा सकती है। सामग्री का चयन भी मूर्ति द्वारा आकर्षित ऊर्जा को प्रभावित करता है। उदाहरण के लिए, चाँदी से बनी मूर्तियाँ प्रसिद्धि के लिए होती हैं जबकि लकड़ी से बनी मूर्तियाँ अच्छा स्वास्थ्य और दीर्घायु लाती हैं। क्रिस्टल गणेश वास्तु दोषों को कम करने में मदद कर सकते हैं। आम, नीम और पीपल से बनी गणेश मूर्तियां सौभाग्यशाली मानी जाती हैं जबकि गाय के गोबर से बनी गणेश मूर्तियां नकारात्मकता और दुख को दूर करती हैं।

दिनभर की थकान और तनाव से चाहते हैं छुटकारा

तो ये 5 तरह की चाय होंगी मददगार

लगातार बढ़ते वर्क प्रेशर और व्यस्त शेड्यूल की वजह से लोग अक्सर तनाव का शिकार होने लगते हैं। बिना आराम दिन-रात काम करने की वजह से न सिर्फ आपकी शारीरिक, बल्कि मानसिक स्वास्थ्य पर भी बुरा प्रभाव पड़ता है। वर्तमान में दुनिया भर में कई सारे लोग विभिन्न मानसिक समस्याओं का शिकार हैं। तनाव इन मानसिक समस्याओं में सबसे आम है, जिसे आजकल लगभग हर उम्र के लोग प्रभावित है। खासकर दिन भर के काम के बाद शाम को घर लौटने के बाद कई सारे लोग स्ट्रेस का सामना करते हैं। ऐसे में अपने मन को शांत करने और तनाव को कम करने के लिए लोग कई सारी तरकीबें में अपनाते हैं। कई लोग अक्सर व्यस्त दिन के बाद तनाव दूर करने के लिए दवाइयों का भी सहारा लेते हैं। हालांकि, यह दवाइयां सेहत के लिए हानिकारक हो सकती हैं। ऐसे में आप चाय की मदद से अपने तनाव को दूर कर सकते हैं। आज इस आर्टिकल में हम आपको कुछ ऐसी चाय बताने जा रहे हैं, जिन्हें पीने के बाद आप दिनभर की अपनी थकान और तनाव से मुक्ति पा सकते हैं।

कैमोमाइल टी

कैमोमाइल टी तनाव दूर करने का एक अच्छा विकल्प है। इसके आरामदायक और सीडेटिव गुणों के साथ-साथ, इसका उपयोग पेट की खराबी के साथ ही दर्द और सूजन को कम करने के लिए भी किया जा सकता है।

पेपरमिंट टी

पेपरमिंट टी यानी पुदीने की चाय एंग्जायटी जैसी तनाव उत्पन्न करने वाली भावनाओं से निपटने में सहायक है। अगर आप थकान महसूस कर रहे हैं, तो इसके लिए पुदीने की चाय भी मददगार हो सकती है।

ग्रीन टी

ग्रीन टी को फोकस को बेहतर बनाने में मदद करने के लिए भी जाना जाता है, क्योंकि इसमें मौजूद संयुक्त एल-थेनाइन और कैफीन इसमें मदद करते हैं। ग्रीन टी उन लोगों में चिंता और तनाव को कम करने में मदद कर सकती है, जो इसे नियमित रूप से पीते हैं।

ब्लैक टी

लंबे दिन के बाद काली चाय यानी ब्लैक टी का सेवन तनाव के स्तर को कम करता है और तनाव हार्मोन को वापस सामान्य स्थिति में लाने में मदद करता है।

लैवेंडर चाय

लैवेंडर चिंता को कम करने, मुंहासे और जलन के साथ-साथ शरीर के दर्द जैसी समस्याओं को ठीक करने में मदद करने के लिए फायदेमंद हो सकती है। यह अपने मूड सही करने और सीडेटिव प्रभावों के लिए जाना जाता है।

मॉर्निंग वॉक का सही तरीका

मॉर्निंग वॉक अपने आप में कई बीमारियों की दवा है। मॉर्निंग वॉक के इतने फायदे हैं कि आप शायद ही कभी बीमार पड़े। मॉर्निंग वॉक से हार्ट संबंधी बीमारियों का जोखिम एकदम कम हो जाता है। वहीं ब्लड शुगर और ब्लड प्रेशर भी कंट्रोल रहता है। सुबह की सैर से दिन भर दिमाग में ताजगी और एनर्जी बरकरार रहती है। कई अध्ययनों में कहा जा चुका है कि मॉर्निंग वॉक करने से लाइफस्टाइल से संबंधित कई बीमारियों का जोखिम कम हो जाता है। हालांकि मॉर्निंग वॉक अधिकांश लोग करते हैं लेकिन इसका सही तरीका नहीं जानते। कई लोगों को इस बात को लेकर कंफ्यूजन रहता है कि मॉर्निंग वॉक करने से पहले नाश्ता करना चाहिए या नहीं। वहीं कई लोगों को यह पता नहीं है कि मॉर्निंग वॉक से पहले पानी पीना चाहिए या नहीं। अगर आपको भी नहीं पता कि सुबह की सैर का सही तरीका क्या है, तो यहां आप इसे आसानी से जान सकते हैं।

सही कपड़े का चयन करें

मॉर्निंग वॉक पर जाने से पहले रात में अपने कपड़े को अलग कर लें। ऐसा कपड़ा पहने जो स्किन से पसीना को सोखें। हल्का कॉटन का कपड़ा पहनें ताकि स्किन संबंधी कोई एलर्जी न हो। मॉर्निंग वॉक के दौरान मौजें न पहनें तो बेहतर हैं।

हरियाली वाली जगह पर जाएं

सुबह में ऐसी जगहों का चयन करें जहां ज्यादा हरियाली और पेड़-पौधा है। वॉक के दौरान सिर्फ पैदल ही न चलें बल्कि बीच-बीच में पेड़ पर लटक भी जाएं, थोड़ा रनिंग भी कर लें, पड़ोसियों से बातचीत भी करें। अगर योगा, मेडिटेशन करें तो और बेहतर है।

सामाजिक मेल-जोल

मॉर्निंग वॉक के दौरान आसपास के लोगों से सामाजिक मेलजोल बढ़ाएं। एक-दूसरे से बातचीत करने में सकारात्मकता का संचार होगा इससे हैप्पी हार्मोन रिलीज होगा और आप दिनभर खुश रहेंगे। इसलिए अपने दोस्तों के साथ बातचीत करते हुए भी वॉक कर सकते हैं।

लगातार पानी पीते रहें

मॉर्निंग वॉक के दौरान लगातार पानी पीते रहें। इससे हाइड्रेट रहेंगे ओर शरीर को जरूरी एनर्जी मिलती रहेगी।

वॉर्म अप करें

सुबह की सैर से पहले ग्राउंड में पहले 5 मिनट के लिए वार्म अप करें। वार्म अप करने से वॉक के लिए शरीर में एनर्जी बनी रहेगी और आपका शरीर तैयार हो सकेगा।

कौन-सी सब्जियां कच्ची नहीं खानी चाहिए ?

हम अक्सर सुनते हैं कि सब्जियों को ज्यादा पकाने से उनमें मौजूद पोषक तत्व खत्म हो सकते हैं। इतना ही नहीं कुछ लोगों का मानना है कि सब्जियों और फलों को बिना किसी प्रोसेसिंग या बिना पकाए खाने से एक्स्ट्रा एनर्जी, बेहतर स्किन, बेहतर डाइजेशन और हार्ट प्रॉब्लम्स और कैंसर का खतरा भी कम हो सकता है। लेकिन यहां यह जानना भी जरूरी है कि कुछ सब्जियां ऐसी होती हैं, जिन्हें भूलकर भी कच्चा नहीं खाया खाना चाहिए। कच्ची सब्जियां खाने से व्यक्ति का शरीर पैरासाइट्स, बैक्टीरिया और जहरीले पदार्थों के संपर्क में आ सकता है, जो स्वास्थ्य के लिए बेहद हानिकारक हो सकते हैं। इस आर्टिकल में उन्हीं सब्जियों के बारे में जानेंगे। हम अक्सर सुनते हैं कि सब्जियों को ज्यादा पकाने से उनमें मौजूद पोषक तत्व खत्म हो सकते हैं। इतना ही नहीं कुछ लोगों का मानना है कि सब्जियों और फलों को बिना किसी प्रोसेसिंग या बिना पकाए खाने से एक्स्ट्रा एनर्जी, बेहतर स्किन, बेहतर डाइजेशन और हार्ट प्रॉब्लम्स और कैंसर का खतरा भी कम हो सकता है। लेकिन यहां यह जानना भी जरूरी है कि कुछ सब्जियां ऐसी होती हैं, जिन्हें भूलकर भी कच्चा नहीं खाया खाना चाहिए। कच्ची सब्जियां खाने से व्यक्ति का शरीर पैरासाइट्स, बैक्टीरिया और जहरीले पदार्थों के संपर्क में आ सकता है, जो स्वास्थ्य के लिए बेहद हानिकारक हो सकते हैं। इस आर्टिकल में उन्हीं सब्जियों के बारे में जानेंगे।

अरबी का पत्ता

अरबी के पत्ते को खाने के इस्तेमाल में लेने से पहले हमेशा गर्म पानी में ब्लांच कर लें। पालक और केल पर भी यही नियम लागू होता है। उन्हें गर्म पानी में ब्लांच करें क्योंकि वे हाई ऑक्सालेट लेवल से जुड़े होते हैं, जो ब्लांच करने पर कम हो जाता है।

पत्तागोभी

पत्तागोभी को टेपवर्म (कीड़े) और उसके अंडों का घर भी कह सकते हैं, जो खाली आंखों से दिखाई नहीं देते, लेकिन सेहत के लिए बेहद हानिकारक होते हैं। इनमें से कुछ टेपवर्म इतने कठोर होते हैं कि कीटनाशक छिड़के जाने के बाद भी वे बच जाते हैं, इसलिए पत्तागोभी खाने से पहले उन्हें अच्छी तरह से साफ कर लें। पत्तागोभी को साफ करने का सबसे अच्छा तरीका है उसे काटकर गर्म पानी में ब्लांच कर लें और फिर इसे खाने से पहले अच्छी तरह से पकाएं।

शिमला मिर्च

शिमला मिर्च को इस्तेमाल करने से पहले उसके बीज निकालें और इसे गर्म पानी से धोएं, क्योंकि बीज टेपवर्म के अंडों का घर भी हो सकते हैं, जो फल के अंदर जीवित रहते हैं।

बैंगन

इस सब्जी में भी टेपवर्म का बसेरा हो सकता है। ये हमारे ब्लडसर्कुलेशन में एंट्री कर सकते हैं इसलिए इन सब्जियों को अच्छी तरह से पकाना ही इससे बचने का सबसे अच्छा तरीका है।

मेकअप के दौरान ना करें ये 5 ब्लश मिसटेक्स

किसी भी महिला का मेकअप तब तक कंप्लीट नहीं होता है, जब तक कि वे अपने गालों पर ब्लश अप्लाई ना करें। इससे महिला का फेस नेचुरली काफी ब्यूटीफुल लगता है। लेकिन कभी-कभी ऐसा भी होता है कि ब्लश लगाने के बाद महिला का चेहरा और भी अधिक अजीब नजर आने लगता है। ऐसा इसलिए होता है, क्योंकि महिला ब्लश लगाते समय कुछ छोटी-छोटी मिसटेक्स् करती हैं। आपको भले ही इस बात का अहसास ना हो, लेकिन ब्लश लगाते समय की गई आपकी एक छोटी सी गलती भी आपके ओवर ऑल लुक को बिगाड़ सकती है। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको ऐसी ही कुछ ब्लश मिसटेक्स के बारे में बता रहे हैं, जिनसे आपको वास्तव में बचने की जरूरत है-

गलत शेड का इस्तेमाल करना यह एक सबसे पहली और कॉमन मिसटेक है। आपको अपने ब्लश पैलेट में भले ही कई सारे शेड्स के ऑप्शन मिले हों, लेकिन फिर भी आपको अपनी स्किन टोन व अंडरटोन पर विचार करना चाहिए। अगर आपकी अंडरटोन वार्म है और आप कूल कलर्स को चुनती है तो इससे आपका चेहरा वॉश्ड आउट नजर आ सकता है। इसलिए यह ध्यान रखें कि अगर आपकी स्किन टोन वार्म है तो आप अधिक डीप शेड्स को पिक कर सकती हैं।

गलत फॉर्मूले का चयन करना आप कभी नहीं चाहेंगी कि ब्लश लगाने के बाद आपकी स्किन बहुत अधिक रूखी व फटी-फटी नजर आए या फिर वह बेहद चिपचिपी लगे। लेकिन अक्सर महिलाओं के साथ ऐसा होता है, क्योंकि वे गलत टाइप के ब्लश को चुनती है। यूं तो मार्केट में क्रीम से लेकर पाउडर ब्लश अवेलेबल हैं। लेकिन फिर भी अधिकतर महिलाएं पाउडर ब्लश का विकल्प ही चुनती हैं। हालांकि, यह हर किसी के लिए नहीं है। अगर आपकी स्किन ऑयली है तो ऐसे में पाउडर ब्लश को चुनें। वहीं, रूखी स्किन की महिलाओं को क्रीम ब्लश अप्लाई करना चाहिए।

ब्लश ब्रश को टैप करना भूल जाना अगर आपको हर बार यही शिकायत रहती है कि आपका ब्लश सही तरीके से नहीं लग पाता है तो हो सकता है कि आप ब्लश ब्रश को चीक्स पर अप्लाई करने से पहले उसे टैप नहीं करती हों। दरअसल, जब हम ब्रश को पाउडर में डिप करते हैं तो यह काफी अधिक लग जाता है और टैप करने पर अतिरिक्त पाउडर हट जाता है और आप सही तरह से अप्लाई कर पाती हैं। इसके अलावा, हमेशा हल्के व छोटे स्ट्रोक से ब्लश लगाएं।

जरूरत से ज्यादा नमक सेहत के लिए हानिकारक

नमक का ज्यादा सेवन हमारी सेहत के लिए बेहद हानिकारक होता है। इसे लेकर कुछ समय पहले विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने भी सोडियम इनटेक को लेकर अपनी एक रिपोर्ट जारी की थी, जिसमें यह बताया गया था कि सोडियम का ज्यादा सेवन दुनियाभर में मौत और बीमारियों के मुख्य कारण में से एक है।

सोडियम, जिसे शरीर के लिए सबसे जरूरी पोषक तत्वों में से एक माना जाता है, अगर ज्यादा मात्रा में इसका सेवन किया जाए तो दिल की बीमारियां, स्ट्रोक और समय से पहले मौत का खतरा बढ़ सकता है। खासतौर पर नमक में सोडियम की मात्रा अधिक होती है, इसलिए इसका कम सेवन ही शरीर के लिए फायदेमंद हो सकता है।

ज्यादा नमक ब्लड प्रेशर बढ़ा सकता है, जिसकी वजह से दिल के दौरे और स्ट्रोक जैसी गंभीर बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। ऐसे में अपने दिल को सेहतमंद रखने के लिए आप इन तरीकों से अपनी डाइट में से नमक कम कर सकते हैं।

अपनी डाइट से प्रोसेस्ड, डिब्बाबंद और अनहेल्दी जंक फूड को हटा दें, जिसमें नमक की मात्रा ज्यादा होती है। इसके बजाय ताजे फल, सब्जियां और साबुत अनाज का चयन करें।

परिवार के सदस्यों को ज्यादा नमक खाने से रोकने के लिए खाने की मेज से नमक और नमकीन सॉस आदि हटा दें।

खाना पकाने के दौरान नमक का ज्यादा इस्तेमाल करने के बजाय हर्ब्स, मसालों, लहसुन और खट्टे फलों का उपयोग करके अपने पसंदीदा व्यंजनों का स्वाद बढ़ाएं।

अगर आप अपना सॉल्ट इनटेक कम करना चाहते हैं, तो अपनी डाइट से आलू के चिप्स, फ्रेंच फ्राइज और क्रैकर जैसे नमकीन स्नैक्स को तुरंत हटा दें।

बर्गर, पिज्जा, फ्रेंच फ्राइज जैसे फूड आइटम्स का सेवन कम करें, क्योंकि इनमें नमक की मात्रा अधिक होती है।

पैकेज्ड फूड आइटम्स और पहले से पकाए गए 'माइक्रोवेव डिनर' से बचें। इनमें सोडियम की मात्रा बहुत अधिक होती है।

सलाद ड्रेसिंग और केचप जैसे मसालों से बचें। इनमें भी सोडियम की मात्रा बहुत अधिक होती है।

खाने में अतिरिक्त नमक डालने से बचें।

नमकीन स्वाद के लिए नमक की जगह मसालों का प्रयोग करें। जहां संभव हो, कम सोडियम वाले विकल्पों का उपयोग करें।

पैकेज्ड फूड आइटम्स खरीदते समय उनमें मौजूद सोडियम की मात्रा के बारे में जानकारी लेने के लिए न्यूट्रीशन लेबल को जरूर पढ़ें।

टमाटर प्याज ग्रेवी

खाना खज़ाना

अक्सर हम रेस्टोरेंट और ढाबा स्टाइल सब्जी खाना पसंद करते हैं। लेकिन अगर घर में ऐसे सब्जी खाने का मन हो ते बनाने से पहले कई बार सोच में पड़ जाते हैं। लेकिन इन खानों का असली स्वाद इसकी ग्रेवी में होता है। आप घर में भी इस ग्रेवी को आसानी से तैयार कर सकते हैं। इस ग्रेवी बेस को अपने बटर पनीर मसाला, या यहां तक कि एक अंडे की करी में इस्तेमाल करें या बस कुछ तले हुए पनीर के टुकड़े और मुट्ठी भर हरे मटर को उबलते हुए ग्रेवी बेस पर टॉस करें और एक ग्रेवी पेस्ट तैयार करें। अगर आपको नॉन-वेज पसंद हैं, तो आप चिकन, मटन, मछली या अपनी पसंद के किसी भी मीट को शामिल कर सकते हैं। अब हम आपको छोले और रेस्टोरेंट स्टाइल दम आलू बनाने की तरीका आपको बताने जा रहे हैं। जिसे खाने के बाद हर कोई आपकी तारीफ करेगा। कढ़ाई राजमा या कोई अन्य ग्रेवी जिसमें स्वाद बढ़ाने वाले स्वाद की जरूरत होती है।

आवश्यक सामग्री

प्याज - 4 बड़े, टमाटर - 2 बड़े, कटे हुए ताजी टमाटर प्यूरी - 1 कप, तेल - 3 बड़े चम्मच, जीरा - आधा छोटा चम्मच, लहसुन का पेस्ट - 1 छोटा चम्मच, अदरक का पेस्ट - 1 छोटा चम्मच, हल्दी पाउडर - 1/4 छोटा चम्मच, नमक स्वादअनुसार, लाल मिर्च पाउडर - 1 छोटा चम्मच, धनिया पाउडर - 1 1/2 छोटा चम्मच गरम मसाला पाउडर - 1 छोटा चम्मच लाल चावल

बनाने की विधि

इंडियन स्टाइल ग्रेवी तैयार करने के लिए सबसे पहले एक पैन में थोड़ा तेल डालें। इसके बाद इसमें जीरा छिड़कें। जब इसका रंग हल्का हो जाए तो इसमें प्याज के टुकड़े डालें और ब्राउन होने तक अच्छे से भूनें। मिश्रण में अदरक लहसुन का पेस्ट डालें और भून लें। कड़ाही में सामग्री के साथ हल्दी का एक पानी का छींटा डालें, और टमाटर को अच्छे से पकाएं साथ में ताज़ी टमाटर की प्यूरी और नमक भी पेस्ट में डाल दें। इसके बाद इसमें लाल मिर्च पाउडर, धनिया पाउडर, गरम मसाला पाउडर मिलायें और साइड से तेल छूटने तक अच्छे से भून लें। आप चाहे तो इसे फ्रोजन स्टोर करके भी रख सकते हैं। ये ग्रेवी आराम से 3 से 4 दिन तक भी स्टोर करके रख सकते हैं। आप चाहे तो इसे अपनी पसंद की सब्जियों या नॉन-वेज आइटम के साथ भी यूज कर सकते हैं। इस ग्रेवी से आप छोले, पनीर, आलू की सब्जी भी बना सकते हैं जो आपके खाने का स्वाद दोगुना और बढ़ा देगा।

नेट साइवर-ब्रंट ने रचा इतिहास

द हंड्रेड में ऐसा कारनामा करने वाली पहली बैटर बनीं

नई दिल्ली। इंग्लैंड की कप्तान नेट साइवर-ब्रंट ने द हंड्रेड में 1,000 रन पूरे करने वाली पहली बैटर बनकर इतिहास रच दिया है। उन्होंने मात्र 30 मैचों में 1,031 रन बनाकर यह कारनामा किया। ट्रेंट रॉकेट्स के लिए खेलते हुए, उनका औसत 49.09 का है, जो उनकी निरंतरता और बल्ले से दबदबे को दर्शाता है। साइवर-ब्रंट ने यह उपलब्धि शुक्रवार, 8 अगस्त को बर्मिंघम के एजबेस्टन में बर्मिंघम फीनिक्स के खिलाफ रॉकेट्स के मैच के दौरान हासिल की। नेट साइवर-ब्रंट सिर्फ वुमेंस टूर्नामेंट में ही नहीं, बल्कि मेंस टूर्नामेंट को मिलाकर भी ऐसा कारनामा करने वाली पहली बैटर बनी है। वुमेंस क्रिकेटर में उनके अलावा डैनी वायट और लॉरा वोल्वार्ड्ट जैसी बैटर क्रमशः 939 और 871 रन बनाकर उनके पीछे हैं। वहीं मेंस क्रिकेटर में द हंड्रेड में सबसे ज्यादा 995 रन बनाने का रिकॉर्ड फिल सॉल्ट के नाम है। साइवर-ब्रंट ने 40 गेंदों पर आठ चौकों और एक छक्के की मदद से 64 रन बनाए, लेकिन उनकी मेहनत बेकार गई और रॉकेट्स 11 रनों से हार गए। पहले बल्लेबाजी करते हुए, फीनिक्स ने पांच विकेट पर 148 रनों का स्कोर बनाया। एम्मा लैम्ब ने 32 गेंदों पर 55 रनों की पारी खेली, जिसमें मैरी केली ने 10 गेंदों पर 23 रनों की तेज़ पारी भी शामिल थी। रॉकेट्स के लिए, ब्रायोनी स्मिथ ने आक्रामक खेलते हुए 19 गेंदों पर 29 रन बनाए, जबकि साइवर-ब्रंट ने कड़ी टक्कर दी। हालांकि, रॉकेट्स जवाब में छह विकेट पर 137 रन ही बना सकी। फीनिक्स के लिए हन्ना बेकर और एमिली अर्लट ने दो-दो विकेट लिए।

वुमेंस द हंड्रेड में सबसे ज्यादा रन बनाने वाली बैटर

नताली साइवरब्रंट	मैच : 30	रन : 1031	औसत : 49.09
डैनी वायट	मैच : 35	रन : 939	औसत : 29.34
लॉरा वोल्वार्ड्ट	मैच : 28	रन : 871	औसत : 41.47
सोफिया डंकले	मैच : 33	रन : 852	औसत : 31.55
टैमी ब्यूमोंट	मैच : 29	रन : 767	औसत : 29.50

40	64	01	08
गेंद	रन	छक्का	चौका

मेंस द हंड्रेड में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज

फिल साल्ट	मैच : 36	रन : 995	औसत : 28.42
जेम्स माइकल विंस	मैच : 37	रन : 986	औसत : 32.86
बेन डकेट	मैच : 30	रन : 891	औसत : 35.64
डेविड मालन	मैच : 32	रन : 849	औसत : 32.65
विल जैक्स	मैच : 34	रन : 814	औसत : 25.43

आयरलैंड ने पाक को किया सन्न

लगातार दूसरा T20I जीत सीरीज भी की अपने नाम

नई दिल्ली। आयरलैंड वुमेंस टीम ने पाकिस्तान को सन्न करते हुए लगातार दूसरे T20I में धूल चटाई। बेलफास्ट के सिविल सर्विस क्रिकेट क्लब में हुए इस मुकाबले में पाकिस्तान ने पहले बैटिंग करते हुए मेजबानों के सामने जीत के लिए 169 रनों का टारगेट रखा था। इस रनचेज में आयरलैंड ने कांटे की टक्कर दी, आखिरी गेंद पर टीम को 4 रनों की दरकार थी, तब सादिया इकबाल ने छक्का लगाकर टीम को ना सिर्फ जीत दिलाई, बल्कि सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त दिलाई। यह लगातार दूसरा मौका है जब आयरलैंड की टीम पाकिस्तान को T20I सीरीज में मात देने में कामयाब रही हो। वहीं अभी तक दोनों टीमों के बीच खेली गई 5 सीरीज में आयरलैंड ने तीसरी बार पाकिस्तान को धोया है।

टॉस जीतकर पहले बैटिंग करने उतरी पाकिस्तान की टीम निर्धारित 20 ओवर में 6 विकेट के नुकसान पर 168 रन बोर्ड पर लगाने में कामयाब रही। सभी बैटर ने मिलाजुला योगदान दिया। शवाल जुल्फिकार 33 रनों के साथ टीम की हाईएस्ट स्कोरर रहीं। इस स्कोर का पीछा करते हुए आयरलैंड की शुरुआत अच्छी नहीं रही थी, मेजबान टीम ने 35 के स्कोर पर तीन विकेट खो दिए थे। इसके बाद ओरला प्रेंडरगैस्ट (51) और लौरा डेलानी (42) ने चौथे विकेट के लिए 76 रनों की साझेदारी कर टीम को जीत की राह दिखाई। रेबेका स्टोकेल ने 16 गेंदों पर नाबाद 34 रन बनाकर टीम को जीत की दहलीज पर ला खड़ा किया। जब इस रोमांचक मैच की आखिरी गेंद पर आयरलैंड को 4 रनों की जरूरत थी तो जेन मैगुइरे ने छक्का जड़ टीम को जीत दिलाई। आयरलैंड की यह वुमेंस T20I क्रिकेट के इतिहास की दूसरी सबसे सफल चेज है।

ICC के इस पोस्टर से मची सनसनी

...तो रोहित शर्मा ही होंगे 2027 वर्ल्ड कप में टीम इंडिया के कप्तान?

नई दिल्ली। टीम इंडिया के स्टार बल्लेबाज रोहित शर्मा ने इंग्लैंड दौरे से ठीक पहले टेस्ट क्रिकेट को अलविदा कह दिया था. रोहित शर्मा टी20 इंटरनेशनल को पहले ही अलविदा कह चुके थे. ऐसे में वो भारत के लिए सिर्फ वनडे क्रिकेट नजर आएंगे. भारतीय टीम को अक्टूबर में ऑस्ट्रेलिया दौरे पर तीन वनडे मुकाबले भी खेलने हैं, जिसमें रोहित शर्मा खेलते नजर आ सकते हैं। इसी बीच इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (ICC) ने रोहित शर्मा से जुड़ा एक ऐसा पोस्टर जारी किया, जिसने भारतीय क्रिकेट फैन्स के बीच हलचल मचा दी. यह पोस्टर आईसीसी ने 2026 में भारत-इंग्लैंड के बीच इंग्लिश जमीन पर होने वाली व्हाइट बॉल सीरीज को लेकर जारी किया था. इस पोस्टर में रोहित शर्मा के अलावा हैरी ब्रूक की भी तस्वीर थी. रोहित जहां भारत की वनडे टीम के कप्तान हैं, वहीं ब्रूक व्हाइट बॉल क्रिकेट में इंग्लैंड की कप्तानी करते हैं. आईसीसी के पोस्टर ने फैन्स को सोचने पर मजबूर कर दिया कि क्या रोहित शर्मा ही 2027 वर्ल्ड कप तक भारत की वनडे टीम की कमान संभालेंगे. दिलचस्प बात यह है कि आईसीसी ने इस पोस्टर को कुछ समय बाद अपने सोशल मीडिया अकाउंट्स से बिना कारण बताए हटा दिया. हालांकि तब तक आईसीसी का ये पोस्टर सोशल मीडिया पर वायरल हो चुका था. भारतीय टीम के हेड कोच गौतम गंभीर ने साफ किया था कि 2027 वर्ल्ड कप को लेकर अभी कुछ कहना जल्दबाजी होगा. गंभीर ने कहा था, 'हमारे पास उससे पहले एक टी20 वर्ल्ड कप है, जो अगले साल फरवरी-मार्च में भारत और श्रीलंका की संयुक्त मेजबानी में होगा. फिलहाल पूरा फोकस उसी पर है. नवंबर-दिसंबर 2027 अब भी ढाई साल दूर है. अगर आप प्रदर्शन करते रहते हैं, तो उम्र सिर्फ एक नंबर है.'

शुभमन और सूर्यकुमार ने कप्तानी में दिखाया है दम

रोहित शर्मा के टी20 इंटरनेशनल से संन्यास के बाद सूर्यकुमार यादव को इस फॉर्मेट में भारतीय टीम का कप्तान बनाया गया था. वहीं रोहित ने जब टेस्ट से संन्यास लिया तो शुभमन गिल ने क्रिकेट के सबसे बड़े फॉर्मेट में भारतीय टीम की कमान संभाली. शुभमन गिल की कप्तानी में भारतीय टीम ने हाल ही में इंग्लैंड के खिलाफ 2-2 से टेस्ट सीरीज ड्रॉ कराई थी. जबकि टी20 में बतौर कप्तान सूर्यकुमार यादव का प्रदर्शन अभी तक अच्छा नहीं रहा है।

रोहित शर्मा 2027 के क्रिकेट वर्ल्ड कप तक भारतीय वनडे टीम के कप्तान रहेंगे या नहीं, यह अभी तय नहीं है. लेकिन आईसीसी के इस पोस्टर ने सनसनी जरूर मचा दी है. 2027 वर्ल्ड कप में अब भी दो साल से ज्यादा का वक्त है. तब तक रोहित शर्मा 40 साल से ज्यादा के हो जाएंगे. ऐसे में रोहित शर्मा खुद को फिट रख पाते हैं, तो वो जरूर इस मेगा इवेंट का हिस्सा बन पाएंगे।

न्यूजीलैंड ने टेस्ट में रचा इतिहास

सिर्फ तीन दिन में पारी और 359 रन की जीत से बनाया बड़ा कीर्तिमान

बुलावायो। न्यूजीलैंड ने शनिवार को यहां दूसरे टेस्ट मैच में जिम्बाब्वे को पारी और 359 रन से रौंदकर अपनी अब तक की सबसे बड़ी टेस्ट जीत दर्ज करने के साथ सीरीज 2-0 से अपने नाम की । जिम्बाब्वे की टीम 476 रनों से पिछड़ रही थी और न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाजी आक्रमण के सामने तीसरे दिन पहले सत्र में दूसरी पारी में 117 रन पर सिमट गई। न्यूजीलैंड ने पहली पारी तीन विकेट पर 601 रन पर घोषित की थी और जिम्बाब्वे ने पहली पारी में 125 रन बनाए थे। डेब्यू कर रहे तेज गेंदबाज जकारी फाउलक्स ने पहली पारी में चार विकेट लेने के बाद दूसरी पारी में 37 रन देकर पांच विकेट लिए। वह अपने यादगार डेब्यू टेस्ट में 10 विकेट लेने से एक विकेट से चूक गए।

तेज गेंदबाज मैट हेनरी (16 रन देकर दो विकेट), जैकब डफी (28 रन देकर दो विकेट) और मैथ्यू फिशर (22 रन देकर एक विकेट) ने जिम्बाब्वे को 28.1 ओवर में श्रृंखला में उसके न्यूनतम स्कोर पर आउट कर दिया। जिम्बाब्वे के लिए सिर्फ दो बल्लेबाज दोहरे अंक तक पहुंच सके। तीसरे नंबर के बल्लेबाज निक वेल्च 71 गेंद पर 47 रन बनाकर नाबाद रहे। कप्तान क्रेग इर्विन (17) दोहरे अंक तक पहुंचने वाले दूसरे बल्लेबाज रहे।

न्यूजीलैंड ने दूसरे दिन के अंत में तीन विकेट पर 601 रन के विशाल स्कोर पर अपनी पहली पारी घोषित की थी जिसमें रचिन रविंद्र (नाबाद 165) और हेनरी निकोल्स (नाबाद 150) ने चौथे विकेट के लिए 256 रन की ताबड़तोड़ साझेदारी की। कीवी ओपनर डिवोन कॉन्वे ने भी सेंचुरी जड़ी। उन्होंने 18 चौके की मदद से 153 रन बनाए थे। न्यूजीलैंड ने पिछले हफ्ते इसी मैदान पर पहला टेस्ट तीन दिन के अंदर नौ विकेट से जीता था। यह श्रृंखला विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप का हिस्सा नहीं है।

जसप्रीत बुमराह बेस्ट नहीं!

पूर्व पाकिस्तानी दिग्गज वसीम अकरम ने इस भारतीय को बताया सर्वश्रेष्ठ

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज ने इंग्लैंड के खिलाफ पांच टेस्ट मैचों की सीरीज में धूम मचा दी। सिराज ने सीरीज में कुल 23 विकेट अपने नाम किए। सिर्फ इतना ही नहीं, मोहम्मद सिराज इस सीरीज में सबसे ज्यादा ओवर डालने वाले गेंदबाज भी रहे हैं। उन्होंने पांच मैचों में कुल 185.3 ओवर गेंदबाजी की, जिसमें दो बार पांच विकेट लेने का कारनामा भी शामिल। उनके इस दमदार प्रदर्शन पर पाकिस्तान के पूर्व दिग्गज तेज गेंदबाज वसीम अकरम ने उनकी जमकर तारीफ की है। वसीम अकरम का मानना है कि मौजूदा भारतीय क्रिकेट टीम में मोहम्मद सिराज सबसे सर्वश्रेष्ठ तेज गेंदबाज हैं। सिराज ने बिना किसी ब्रेक के लगातार टीम इंडिया के लिए अपना बेहतरीन खेल का प्रदर्शन किया है। वहीं जसप्रीत बुमराह की बात करें तो वह वर्कलोड मैनेजमेंट के कारण इंग्लैंड दौरे पर सिर्फ 3 मैच ही खेले पाए।

भारतीय टीम को मिली बहुत बुरी हार

आठ प्लेयर सिंगल डिजिट में आउट, ऑस्ट्रेलिया का सीरीज पर कब्जा

नई दिल्ली। एलिसा हीली (73), तालिया विल्सन (43) की शानदार बल्लेबाजी के बाद किम गार्थ (चार विकेट), एमी एडगर और टेस फ्लिंटॉफ (दो-दो विकेट) की बेहतरीन गेंदबाजी के दम पर ऑस्ट्रेलिया ए महिला टीम ने शनिवार को दूसरे टी20 मुकाबले में इंडिया ए को 114 रनों से हरा दिया। ऑस्ट्रेलिया ए ने तीन मैचों की सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त बना ली है। 188 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी इंडिया ए टीम की शुरुआत खराब रही और उसने महज तीन रन पर अपने दो विकेट गंवा दिए। उमा छेत्री शून्य जबकि शेफाली वर्मा तीन रन पर आउट हुईं। ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों के आक्रमण के आगे इंडिया ए की बल्लेबाज अधिक देर तक नहीं टिक सकीं और पूरी टीम 15.1 ओवर में 73 के स्कोर पर सिमट गई। इंडिया ए की ओर से दिनेश वृंदा ने 21 और मिन्नू मनी 20 रनों की पारी खेली। शेष 8 खिलाड़ी दहाई आंकड़े तक भी नहीं पहुंच सकीं। ऑस्ट्रेलिया ए की ओर से किम गार्थ ने तीन ओवर में सात रन देकर चार विकेट लिए। एमी एडगर और टेस फ्लिंटॉफ को दो-दो विकेट मिले। लूसी हैमिल्टन और सियाना जिंजर ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया। इससे पहले आज यहां इंडिया ए महिला टीम ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी ऑस्ट्रेलिया के लिए तालिया विल्सन और एलिसा हीली की सलामी जोड़ी ने अच्छी शुरुआत करते हुए पहले विकेट के लिए 95 रन जोड़े। 11वें ओवर में राधा यादव ने तालिया विल्सन को आउटकर इस साझेदारी को तोड़ा।

वनडे मैच से पहले वेस्टइंडीज को लगा झटका

पाकिस्तान के खिलाफ सीरीज से बाहर हुए मैथ्यू फोर्ड

नई दिल्ली। वेस्टइंडीज को पाकिस्तान के खिलाफ आगामी तीन मैचों की वनडे सीरीज से पहले बड़ा झटका लगा है। टीम के तेज गेंदबाज मैथ्यू फोर्ड चोटिल होकर सीरीज से बाहर हो गए हैं। बुधवार को एक प्रशिक्षण सत्र के दौरान कैच लेने की कोशिश में फोर्ड के बाएं कंधे की हड्डी उखड़ गई और अब इस तेज गेंदबाज की जगह वेस्टइंडीज टीम में नए ऑलराउंडर जोहान लेने को शामिल किया गया है। लेने को दक्षिण अफ्रीका ए के खिलाफ वेस्टइंडीज ए के लिए कुछ अच्छे प्रदर्शन के बाद टीम में शामिल किया गया है। 21 वर्षीय लेने कैरेबियाई टीम के लिए एक और तेज गेंदबाज विकल्प साबित होंगे। वेस्टइंडीज के कोच डैरेन सैमी का मानना है कि पाकिस्तान के खिलाफ श्रृंखला उनकी टीम को 2027 में होने वाले आईसीसी पुरुष क्रिकेट विश्व कप के लिए क्वालीफाई करने की उनकी कोशिशों के लिए एक अच्छी शुरुआत देगी। सैमी ने कहा, "2027 विश्व कप के लिए स्वतः क्वालीफाई करने के हमारे प्रयासों के बीच पाकिस्तान एक अलग तरह की परीक्षा और चुनौती पेश करता है। क्वालीफाई करना हमारा तात्कालिक लक्ष्य है, लेकिन दीर्घकालिक सफलता के लिए विजयी मानसिकता और टीम एकजुटता बनाए रखना जरूरी है।" "उच्च रैंकिंग वाली पाकिस्तान जैसी टीमों के खिलाफ आगामी मैच विश्व कप से पहले हमारी स्थिति को बेहतर बनाने के लिए मूल्यवान रैंकिंग अंक अर्जित करने के महत्वपूर्ण अवसर प्रदान करते हैं।" आईसीसी की एक रिपोर्ट के अनुसार, वेस्टइंडीज और पाकिस्तान के बीच पहला मैच शुक्रवार को त्रिनिदाद में शुरू होगा।

वेस्टइंडीज टीमः शाई होप (कप्तान), ज्वेल एंड्रयू, जेडिया ब्लेड्स, कीसी कार्टी, रोस्टन चेज, जस्टिन ग्रीव्स, आमिर जंगू, शमर जोसेफ, ब्रैंडन किंग, जोहान लेने, एविन लुईस, गुडाकेश मोती, शेरफेन रदरफोर्ड, जेडन सील्स, रोमारियो शेफर्ड।

टी-20 वर्ल्ड कप में मार्श के साथ कौन करेगा ओपनिंग?

AUS कप्तान ने कर दिया कंफर्म

डार्विन (ऑस्ट्रेलिया)। ऑस्ट्रेलिया की टी20 टीम के कप्तान मिचेल मार्श ने पुष्टि की है कि वह निकट भविष्य में ट्रेविस हेड के साथ पारी की शुरुआत करेंगे। उन्होंने बताया कि उनकी टीम अगले साल होने वाले विश्व कप से पहले सही प्लेइंग-11 तैयार करना चाहती है। मार्श का 2021 में टी20 विश्व कप में तीसरे नंबर पर उतरना निर्णायक साबित हुआ था। उन्होंने फाइनल में शानदार प्रदर्शन करते हुए ऑस्ट्रेलिया को अपना पहला खिताब दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। हालांकि, टी20 में यह ऑस्ट्रेलिया की नई ओपनिंग जोड़ी होगी। हालफिलहाल में टीम ने इस प्रारूप में ओपनिंग में कई प्रयोग किए, लेकिन कुछ कामयाब नहीं हो पाया। अब टी20 टीम की कमान संभाल रहे इस 33 वर्षीय खिलाड़ी ने कहा कि वह पिछले महीने वेस्टइंडीज के खिलाफ सभी पांच मैचों में पारी का आगाज करने के बाद शीर्ष क्रम में बने रहेंगे। कैरेबियाई दौरे से पहले उन्होंने ऐसा सिर्फ एक बार किया था। मार्श ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीन मैचों की टी-20 सीरीज से पहले शुक्रवार को मीडिया से कहा, 'निकट भविष्य में मैं और हेडी पारी की शुरुआत करेंगे। हम दोनों ने एक दूसरे के साथ काफी क्रिकेट खेली है और हमारे बीच बहुत अच्छा तालमेल है। विश्व कप को ध्यान में रखते हुए खिलाड़ियों को अपनी भूमिका सुनिश्चित करने के लिए कहा गया है।' मार्श और हेड ने अभी तक टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में एक साथ पारी की शुरुआत नहीं की है, लेकिन वनडे जोड़ी के रूप में उनका रिकॉर्ड शानदार है। उन्होंने पांच पारियों में 70.50 की शानदार औसत से 282 रन बनाए हैं। पिछले साल टी20 विश्व कप के बाद डेविड वॉर्नर के संन्यास लेने के बाद से ऑस्ट्रेलिया ने खेल के सबसे छोटे प्रारूप में कई सलामी बल्लेबाजों को आजमाया है। इनमें मैथ्यू शॉर्ट, ग्लेन मैक्सवेल, जेक फ्रेजर-मैकगर्क शामिल हैं। वेस्टइंडीज के खिलाफ हालिया सीरीज में मैक्सवेल ने मार्श के साथ पारी की शुरुआत की थी।

गंभीर-क्यूरेटर की नोकझोंक में मैथ्यू हेडन को क्या अच्छा नहीं लगा?

बोले- भारतीय कोच ऐसा कर सकते थे

मेलबर्न। आस्ट्रेलिया के पूर्व सलामी बल्लेबाज मैथ्यू हेडन का मानना है कि भारत के मुख्य कोच गौतम गंभीर इंग्लैंड के खिलाफ पांचवें और अंतिम टेस्ट मैच से पहले ओवल के क्यूरेटर के साथ तीखी बहस के दौरान अपनी भाषा में नरमी बरत सकते थे। पांचवें टेस्ट से पहले गंभीर की ओवल के मुख्य क्यूरेटर ली फोर्टिस के साथ तीखी बहस हुई थी और उन्हें मैदानकर्मियों पर उंगली उठाते हुए यह कहते सुना गया था कि ''आप हमें यह नहीं बता सकते कि हमें क्या करना चाहिए।''हेडन ने 'ऑल ओवर बार द क्रिकेट' कार्यक्रम में कहा, ''वे (क्यूरेटर) पिचों को लेकर बचाव की मुद्रा में हो सकते हैं। इंग्लैंड में यह आम बात है। यह उनका अपना मैदान है और हम अंतिम टेस्ट मैच खेलने जा रहे हैं। ऐसे में वे गौतम गंभीर के लिए मुश्किलें खड़ी करने की कोशिश करेंगे।'' हेडन ने कहा, ''लेकिन मुझे लगता है कि उन्हें अपनी भाषा में थोड़ा नरमी बरतनी चाहिए थी। वह बेहतर भाषा का इस्तेमाल कर सकते थे। लेकिन वास्तविकता यह है कि उनकी टीम सबसे महत्वपूर्ण टेस्ट मैच से पहले अभ्यास करना चाहती थी।''

महिला क्रिकेट वर्ल्ड कप 2025 सिर पर

लेकिन बेंगलुरु को अभी मैच के लिए हरी झंडी का इंतजार

नई दिल्ली। अगले महीने के आखिर से शुरू होने जा रहे महिला एकदिवसीय विश्व कप में बेंगलुरु में होने वाले मैच कहीं और शिफ्ट किए जा सकते हैं। कुछ महीने पहले जब टूर्नामेंट के शेड्यूल का जब ऐलान हुआ था, तब बेंगलुरु के एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम को आईसीसी की तरफ से 4 मैच दिए गए थे। इतना ही नहीं, फाइनल में अगर पाकिस्तान की टीम नहीं पहुंच पाती है तो खिताबी मुकाबला भी यही होना तय हुआ था। अब नौबत ये है कि यहां के मैच किसी अन्य शहर में कराए जा सकते हैं। क्रिकबज की एक रिपोर्ट के मुताबिक विश्व कप के बेंगलुरु वाले मैचों पर संदेह के बादल मंडरा रहे हैं। वजह ये है कि कर्नाटक स्टेट क्रिकेट एसोसिएशन राज्य की सरकार से अभी तक चिन्नास्वामी स्टेडियम में मैच कराने की अनुमति ही हासिल नहीं कर पाया है। अनिश्चितता के इन बादलों के केंद्र में है जून में हुई जानलेवा भगदड़। रिपोर्ट के मुताबिक, 'अनिश्चितता जून में आरसीबी की आईपीएल की खिताबी जीत के जश्न के दौरान हुई भगदड़ की त्रासदी से जुड़ी हुई है। मामला अदालत में चला गया है और राज्य सरकार ने अब तक मैच की इजाजत नहीं दी है। KSCA (कर्नाटक स्टेट क्रिकेट एसोसिएशन) को महाराजा कप टी20 टूर्नामेंट को बेंगलुरु से बाहर मैसूर में शिफ्ट करना पड़ा था। उसे अब भी महिला विश्व कप मैचों के लिए हरी झंडी का इंतजार है।' क्रिकबज ने KSCA के एक अधिकारी को कोट किया है, 'हमने राज्य सरकार को लिखा है और हमें जवाब का इंतजार है। ऐसा नहीं है कि उन्होंने इजाजत देने से इनकार किया है। अगर वैसी बात होती तो वे मैसूर में महाराज कप की अनुमति नहीं दिए होते। इसलिए हम इंतजार कर रहे हैं।'

अक्षय कुमार ने रक्षाबंधन पर शेयर किया इमोशनल पोस्ट

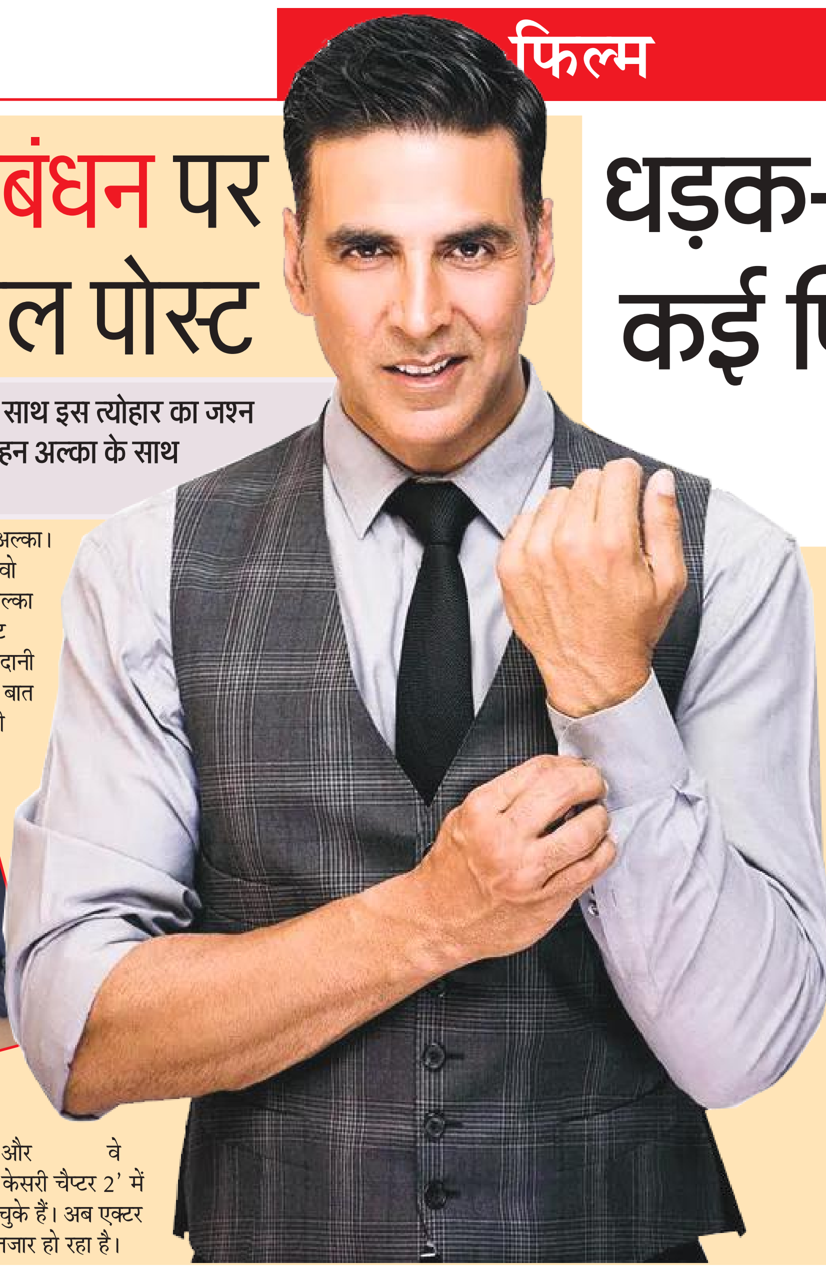

रक्षाबंधन के मौके पर बॉलीवुड सितारे भी अपने भाई-बहनों के साथ इस त्योहार का जश्न मना रहे हैं। बॉलीवुड के खिलाड़ी अक्षय कुमार ने भी अपनी बहन अल्का के साथ रक्षाबंधन सेलिब्रेट करते हुए की तस्वीर शेयर की है।

एक्टर ने अपनी बहन के नाम जो लिखा उसे पढ़ कर उनके फैंस उन्हें आदर्श भाई बता रहे हैं। इस मौके पर अक्षय कुमार ने नीली शर्ट और ब्लैक बीनी पहनी हुई है। वहीं अल्का पीले सूट और सिर पर दुपट्टा ओढ़े अपने भाई की आरती करती देखी जा सकती हैं। अक्षय ने पोस्ट के साथ बेहद इमोशनल कैप्शन लिखा, "आंखें बंद हैं, तो मां दिख रही है। और आंखें खोल कर तेरी स्माइल। लव यू अल्का। हैप्पी राखी।" फैंस को उनका यह अंदाज बेहद पसंद आया। एक यूजर ने लिखा, अक्षय एक शानदार भाई है, अन्य ने लिखा, अक्षय अपनी बहन को बेहद प्यार करते हैं, एक और यूजर ने लिखा, भाई-बहन का प्यार अमर होता है। तो दूसरे ने मजाकिया अंदाज में पूछा, मैं तो ये सोच रही हूं कि अक्षय सर ने गिफ्ट में क्या दिया होगावैसे ये सेलिब्रिटीज क्या गिफ्ट देते होंगे? एक फैन ने कमेंट किया, पता था, रक्षाबंधन हो और अक्षय कुमार सर का पोस्ट ना आए, ऐसा हो ही नहीं सकता। अक्षय कुमार हर साल अपनी बहन के लिए रक्षाबंधन पोस्ट जरूर करते हैं। 2021 में उन्होंने लिखा था, "मेरी लाइफ का वो इंसान जो हर मुश्किल में मेरे साथ खड़ा रहा, मेरी गलती पर सुधारा, मेरी खुशी में सबसे ज्यादा खुश हुआ। सबसे निस्वार्थ इंसान जिसे मैं जानता हूं मेरी बहन अल्का। तुम्हारे बिना मैं आज वो इंसान नहीं होता।" अल्का की शादी रियल एस्टेट डिवेलपर सुरेंद्र हिरानंदानी से हुई है। फिल्मों की बात करें तो अक्षय हाल ही में 'कणप्पा' में भगवान शिव के रूप में नजर आए थे और वे 'हाउसफुल 5' और 'केसरी चैप्टर 2' में भी हाल में नजर आ चुके हैं। अब एक्टर के नए प्रोजेक्ट का इंतजार हो रहा है।

धड़क-2 ने तोड़ा कई फिल्मों का रिकॉर्ड

बॉलीवुड एक्टर सिद्धांत चतुर्वेदी और तृप्ति डिमरी की फिल्म 'धड़क-2' बॉक्स ऑफिस पर कुछ कदम और आगे बढ़ चुकी है।

बीते गुरुवार तक 16 करोड़ 70 लाख रुपये की कमाई करने के बाद शुक्रवार को फिल्म की कमाई का ग्राफ एक बार फिर नीचे आ गया और मूवी का शुक्रवार का कलेक्शन महज 60 लाख रुपये रहा, लेकिन बावजूद इसके फिल्म की कुल कमाई का आंकड़ा 17 करोड़ 30 लाख रुपये हो चुका है। इसी के साथ 'धड़क-2' ने कई ऐसे रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं, जिनसे लीड एक्टर्स जरूर खुश होंगे। शाजिया इकबाल के निर्देशन में बनी यह रोमांटिक थ्रिलर फिल्म सिद्धांत चतुर्वेदी की आज तक सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म बन गई है। हम यहां उन फिल्मों की बात कर रहे हैं जिनमें सिद्धांत अहम या लीड किरदार निभाते नजर आए हैं। अगर 'गली बॉय' को छोड़ दें, तो धड़क-2 ने सिद्धांथ चतुर्वेदी की 'बंटी और बबली 2' (12.50 करोड़), फोन भूत (14.01 करोड़) और युधरा (11.31 करोड़) की भारतीय बॉक्स ऑफिस पर लाइफटाइम कमाई का रिकॉर्ड तोड़ दिया है। इसने तृप्ति डिमरी की भी एक फिल्म का रिकॉर्ड तोड़ा है। तृप्ति डिमरी की साल 2018 में आई फिल्म 'लैला मजनू' ने भारतीय बॉक्स ऑफिस पर कुल मिलाकर 2 करोड़ 89 लाख रुपये कमा पाई थी। बात धड़क-2 की लागत की बात करें तो इसे बनाने में लगभग 40 करोड़ रुपये खर्च किए गए थे, यह फिल्म अभी तक अपनी लागत नहीं निकाल पाई है, देखना यह है कि क्या यह बॉक्स ऑफिस पर कमाई से अपना बजट रिकवर कर पाती है या नहीं। उधर इसके साथ ही सिनेमाघरों में रिलीज हुई फिल्म 'सन ऑफ सरदार 2' के लिए भी राह आसान नहीं है, क्योंकि दोनों को ही डेब्यू कपल अनीत पड्डा और अहान पांडे से कड़ी चुनौती मिल रही है।

'बिग बॉस' में हुई लेस्बियन कपल की एंट्री

'बिग बॉस 19' के शुरू होने से पहले 'बिग बॉस मलयालम सीजन 7' शुरू हो गया है। इतना ही नहीं सुर्खियों में भी आ गया है। ऐसा इसलिए क्योंकि इस बार शो में लेस्बियन कपल- अदीला नसरीन और फातिमा नूरा को एंट्री दी गई है। इन्होंने केरल हाई कोर्ट में केस लड़कर साथ रहने का हक जीता था और शादी की थी।

पढ़ाई करते-करते हुआ था प्यार

अदीला और फातिमा की मुलाकात सऊदी अरब में पढ़ाई के दौरान हुई थी। दोस्ती धीरे-धीरे प्यार में बदल गई, लेकिन परिवार और समाज ने इन्हें अलग करने की कोशिश की। मजबूर होकर दोनों ने हाई कोर्ट में याचिका डाली और जीत हासिल की। इसके बाद दोनों ने एक फोटोशूट करवाया जो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया था। अब ये दोनों बिग बॉस के घर में एक साथ कंटेस्टेंट बनकर आई हैं। शो के पहले हफ्ते में ही ओपन नोमिनेशन और स्पॉट एलिमिनेशन जैसे ट्विस्ट आ गए हैं, जिससे सीजन की शुरुआत काफी दिलचस्प हो गई है। अदीला और फातिमा की एंट्री सिर्फ एक एंटरटेनमेंट का हिस्सा नहीं है, बल्कि ये एक मैसेज भी देती है कि प्यार किसी भी बंदिश को नहीं मानता।

'सैयारा' देखकर खूब रोए बॉबी देओल

सुनाया अहान पांडे के बचपन का किस्सा

डेब्यू एक्टर अहान पांडे की फिल्म 'सैयारा' ने सिनेमाघरों में धूम मचा रखी है। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर 500 करोड़ से ज्यादा की कमाई कर चुकी है और अभी भी थिएटर्स में टिकी हुई है।

एक हालिया इंटरव्यू में बॉलीवुड एक्टर बॉबी देओल ने बताया कि वह अहान की इतनी दमदार शुरुआत को लेकर बहुत खुश हैं, और उन्होंने खुद भी जब 'सैयारा' मूवी देखी तो स्क्रीनिंग के दौरान खूब रोए। बॉबी ने उस वक्त को याद किया जब अहान छोटे थे और अपना स्पाइडरमैन आउटफिट पहनकर मस्ती करते रहते थे। 'एनिमल' फेम एक्टर ने कहा, 'मुझे सैयारा बहुत अच्छी लगी। मैं बहुत खुश था क्योंकि अहान मेरे सामने ही बड़ा हुआ है। मुझे वो दिन याद हैं जब वो छोटा था और स्पाइडर मैन का आउटफिट पहनकर पंचिंग बैग पर मुक्के मारता रहता था... वो शुरू से ही बहुत एनर्जेटिक रहा है।' बॉबी देओल ने कहा कि अहान पांडे के डेब्यू को लेकर उन्हें ऐसा लगा कि जैसे उनके ही बच्चे ने सिनेमा जगत में पहला कदम रखा हो। बॉबी ने बताया, 'अहान ने सैयारा की रिलीज के लिए 8 साल इंतजार किया है।' बॉबी देओल ने कहा, 'यह फिल्म (सैयारा) उसे कैसे मिली यह भी एक कमाल की कहानी है। मैं बहुत खुश था।' बॉबी ने बताया, 'मैं यह फिल्म देखने के दौरान बहुत रोया, यह इतनी इमोशनल कहानी है। मोहित सूरी ने बहुत गजब का काम किया है। सैयारा जाहिर तौर पर एक डायरेक्टर मेड फिल्म है, लेकिन एक्टर्स ने भी किरदारों को बखूबी निभाया है। अहान और अनीत को देखना दिलचस्प था। मोहित ने स्क्रीनप्ले बखूबी बुना है, कहानी गढ़ी है, म्यूजिक... हर चीज बखूबी तैयार की गई है।' बता दें कि बॉबी देओल पहले एक्टर नहीं हैं जिन्होंने 'सैयारा' की तारीफ की है। आलिया भट्ट से लेकर विजय वर्मा तक और करण जौहर से लेकर अन्य तमाम कलाकारों ने फिल्म में अहान पांडे और अनीत पड्डा के काम की तारीफ की है।

फिल्म 'ये है मेरा वतन' का म्यूज़िक ऑडियो लांच

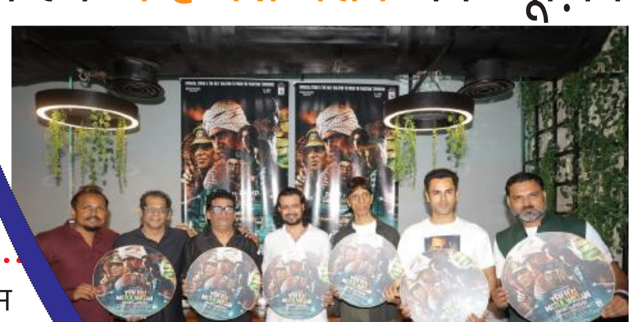

आतंकवाद को खत्म करने के लिए भारतीय फौजियों द्वारा की गई सर्जिकल स्ट्राइक को ध्यान में रखकर निर्माता निर्देशक मुश्ताक पाशा ने एक देशभक्ति की भावना से ओतप्रोत हिन्दी फिल्म "ये है मेरा वतन" बनाई है, जो जल्द सिनेमाघरों मे रिलीज होने वाली है.

आतंकवाद के खिलाफ भारत के ऐतिहासिक क़दमों से प्रेरित यह फिल्म तब चर्चा में आई जब राजधानी दिल्ली में पिछले सप्ताह इसकी विशेष स्क्रीनिंग हुई जहां भाजपा के कई सीनियर नेताओं की उपस्थिति में लोगों ने खड़े होकर 'भारत माता की जय' के नारे लगाए और फिल्म की प्रशंसा तालियों के साथ की. फिल्म 'ये है मेरा वतन' का संगीत ऑडियो करी म्यूजिक कंपनी के द्वारा स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में जारी किया गया है. मोशन पिक्चर्स के बैनर तले बनी निर्माता निर्देशक मुश्ताक पाशा की इस फीचर फिल्म में यशपाल शर्मा, प्रमोद माउथो, अतहर हबीब, मुश्ताक पाशा, मृदुला महाजन, नेहा शर्मा, राणा जंग बहादुर, शैलेन्द्र श्रीवास्तव और विष्णु शर्मा ने अभिनय किया है. मुश्ताक पाशा इस फिल्म मे एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं. मुम्बई मे हुए म्युज़िक लॉन्च पर विशिष्ट अतिथि के रूप में संगीतकार डब्बू मलिक, गायक राजा हसन, ऑडियो करी के मैनेजिंग डायरेक्टर और ओनर मशहूर गीतकार पंछी जालौनवी सहित फिल्म से जुड़ी टीम के अलावा कई सेलेब्रिटी मेहमान भी मौजूद थे. निर्देशक मुश्ताक पाशा का कहना है कि यह फिल्म हमारे देश के फौजियों को समर्पित है और इसका संगीत फिल्म की कहानी की आत्मा है.

आमिर खान ने मुझे साल तक घर में कैद रखा

फैसल का चौंकाने वाला दावा

बॉलीवुड एक्टर आमिर खान की तरह ही उनके भाई फैसल खान भी फिल्म इंडस्ट्री में अपनी खास पहचान बनाना चाहते थे। लेकिन किस्मत ने उनका साथ नहीं दिया। फैसल, आमिर खान के साथ फिल्म 'मेला' में नजर आए थे।

फैसल की प्रोफेशनल लाइफ भले ही सुर्खियों में नहीं रही लेकिन वो अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर हमेशा ही खबरों में बने रहते हैं। इसी बीच अब एक बार फिर से फैसल अपने लेटेस्ट इंटरव्यू को लेकर चर्चा में आए हैं। फैसल ने इंटरव्यू में चौंकाने वाले दावे किए हैं। उन्होंने कहा कि उनके सगे भाई आमिर ने ही उन्हें मुंबई के घर में बंद करके रखा था। फैसल खान ने हाल ही में पिंकविला को अपना इंटरव्यू दिया। इस दौरान फैसल ने आमिर खान के साथ-साथ इंडस्ट्री के लोगों को लेकर कई खुलासे किए हैं। फैसल ने इंटरव्यू में कहा, 'उन्होंने मुझे एक साल तक आमिर के घर में बंद रखा और जबरन दवाइयां दीं। उन्होंने दावा किया कि मुझे सिजोफ्रेनिया है और मैं समाज के लिए खतरा हूं।' फैसल ने आगे बताया, 'दवाइयों ने उनके शारीरिक और स्वास्थ्य पर बुरा असर डाला और उनका वजन 103 किलो तक बढ़ गया। क्योंकि वे अनावश्यक और हानिकारक थीं। इन चीजों ने मेरे करियर में काफी मुश्किलें खड़ी कीं। यही नहीं ये एक 'चक्रव्यूह' में फंसने जैसा था, जहां मेरा पूरा परिवार मेरे खिलाफ था। मैं खुद को देख रहा था कि यार मैं इस चक्रव्यूह से कैसे निकलूं।' फैसल अपनी बात को आगे बढ़ाते हुए कहते हैं, 'आमिर ने मेरे सभी वित्तीय और कानूनी फैसलों पर नियंत्रण कर लिया था... मुझे बाहर जाने की अनुमति नहीं थी। मेरे कमरे के बाहर एक बॉडीगार्ड तैनात रहता था। मैंने आमिर से रिक्वेस्ट करी कि मुझे दूसरे घर में शिफ्ट कर दें।'

सलमान खान की फिल्म 'बैटल ऑफ गलवान' का मुंबई शूटिंग सेट तोड़ा गया

सलमान खान अपनी नई फिल्म 'बैटल ऑफ गलवान' को लेकर सुर्खियों में बने हुए हैं। पिछली फिल्म 'सिकंदर' को मिले नेगेटिव रिव्यू के बाद इस बार एक्टर अपनी ऑडियंस को निराश नहीं करना चाहते।

कुछ समय पहले सलमान ने अपूर्व लखिया के साथ 'बैटल ऑफ गलवान' का एलान किया था। ये फिल्म गलवान वैली में भारतीय और चीनी सैनिकों के बीच हुए विवाद पर आधारित है। इस फिल्म के लिए सलमान ने जबरदस्त फिजिकल ट्रांसफॉर्मेशन किया है, लेकिन ताजा रिपोर्ट्स के मुताबिक, अगस्त में शुरू होने वाला मुंबई शेड्यूल कैंसिल कर दिया गया है। जुलाई में बांद्रा के महबूब स्टूडियो में बनाया गया सेट भी अब तोड़ा जा रहा है। मेकर्स ने क्रिएटिव डिसीजन लेते हुए फिल्म की शूटिंग सीधे लद्दाख से शुरू करने का फैसला किया है। अब 22 अगस्त से 3 सितंबर के बीच वहां एक्शन सीक्वेंस फिल्माए जाएंगे। सलमान का इस फिल्म में अलग लुक है, ऐसे में मुंबई और लद्दाख के बीच 30 दिन का गैप फिल्म की विजुअल कंटिन्यूटी बिगाड़ सकता था। डायरेक्टर अपूर्व लखिया का मानना है कि एक्शन सीन लगातार शूट होने चाहिए, इसलिए फिलहाल मुंबई शेड्यूल टाल दिया गया है। फिल्म में सलमान, कर्नल बिक्कुमल्ला संतोष बाबू का किरदार निभा रहे हैं। हाल ही में खबरें आई थीं कि रक्षा मंत्रालय ने संवेदनशील विषय के चलते फिल्म को रोक दिया है, लेकिन सूत्रों ने इसे सिरे से खारिज कर दिया। उनका कहना है कि 'बैटल ऑफ गलवान' एक सैनिक की बहादुरी का जश्न मनाती है और किसी देश को विलेन के रूप में पेश नहीं करती।

शिवा'स में निर्देशक मधुर भंडारकर

शिवा'स सैलून की मुम्बई में सिल्वर जुबली कंप्लीट हो गई है. जी हां, मायानगरी मुम्बई के अंधेरी ईस्ट में आज शिवा'स के 25वें फैमिली सैलून का उद्घाटन हुआ जहां मुख्य अतिथि फिल्म निर्देशक मधुर भंडारकर थे.

अभिनेत्री इहाना ढिल्लों, ब्राइट आउटडोर मीडिया के योगेश लखानी,अशोक धामंकरसहित इस लांच के अवसर पर कई बॉलीवुड हस्तियां स्पेशल गेस्ट्स के रूप में पहुंची. चांदनी बार और पेज थ्री जैसी फ़िल्मों के डायरेक्टर मधुर भंडारकर ने फीता काटकर और नारियल फोड़कर इस 25वीं ब्रांच की ओपनिंग की. हेयर स्टाइलिस्ट शिवरामभंडारी ने सभी अतिथियों को पुष्पगुच्छ और शॉल देकर सम्मानित किया. डायरेक्टर मधुर भंडारकर ने इस लांच के अवसर पर कहा कि शिवा को मैं अपना भाई और दोस्त मानता हूं. मुंबई में इस 25वें सैलून की ओपनिंग पर मैं उन्हें बधाइयाँ और शुभकामनाएं देता हूं. वह बड़ी मेहनत और लगन से अपना कार्य कर रहे हैं. हमारी कामना है कि जल्द ही इसके 50 सैलून खुल जाएं और हम गोल्डन जुबली मनाएं. हम तो चाहेंगे कि मुम्बई के अलावा पूरे देश में उनके सैलून खुलें. मैं उन के लगभग हर सैलून के उद्घाटन पर आता हूं. मैं दरअसल उनके लिए लकी चार्म भी हूं और इस ब्रांड का अन-ऑफिशियल एंबेसडर भी हूं.₹ हिंदी सिनेमा के साथ साथ पंजाबी सिनेमा में भी सक्रिय अभिनेत्री इहाना ढिल्लों ने शिवा'स के 25वें फैमिली सैलून की ओपनिंग पर शिवा को ढेरों शुभकामनाएं दीं. योगेश लखानी ने भी अपनी उपस्थिति से कार्यक्रम में चार चांद लगा दिया. शिवाराम भंडारी ने सभी अतिथियों का आभार जताया.

रजनीकांत की 'कुली' रिलीज से पहले ही कमा लिए 250 करोड़ रुपये

सुपरस्टार रजनीकांत की अपकमिंग फिल्म 'कुली' का दर्शकों को बड़ी बेसब्री से इंतजार है। माना जा रहा है कि यह मूवी बॉक्स ऑफिस पर कई बड़े रिकॉर्ड तोड़ेगी। फिल्म थिएटर्स में 14 अगस्त 2025 को रिलीज होने जा रही है।

मूवी के लिए कई जगहों पर एडवांस बुकिंग भी चालू हो गई है, लेकिन एक रिपोर्ट के मुताबिक फिल्म अपनी रिलीज से पहले ही 250 करोड़ रुपये की कमाई कर चुकी है। लोकेश कनगराज के निर्देशन में बनी इस फिल्म में आपको जबरदस्त एक्शन और स्वैग देखने को मिलेगा। पिंकविला की एक रिपोर्ट के मुताबिक तकरीबन 375 करोड़ रुपये की लागत में बनी इस फिल्म ने अपने डिजिटल, म्यूजिक और सैटेलाइट राइट्स बेचकर 250 करोड़ रुपये के करीब कमाई कर ली है। फिल्म के इंटरनेशनल राइट्स 68 करोड़ रुपये में बेचे गए हैं। कमाई के आधार पर देखा जाए तो रिलीज से पहले ही 'कुली' अभी तक की दूसरी सबसे बड़ी तमिल फिल्म बन गई है। सैकनिल्क की एक रिपोर्ट के मुताबिक कुली ने 30 करोड़ रुपये की कमाई अभी तक एडवांस बुकिंग के जरिए कर ली है। कमाई के आंकड़ों की बात करें तो लोकेश कनगराज के ही निर्देशन में बनी फिल्म 'लियो' ने ओपनिंग डे पर 66 करोड़ रुपये का बिजनेस किया था। अब देखना यह होगा कि क्या 'कुली' उस रिकॉर्ड को तोड़ पाएगी या नहीं।